RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp. 02 February, 2023

अंक – 8 (मासिक) वर्ष – 18 फरवरी, 2023 मूल्य 20/–

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

अमृतकाल में गणतंत्र पर्व

सफल रहा युवा खेल महोत्सव

पद्मभूषण से होंगे सम्मानित
कुमारमंगलम बिड़ला

गणतंत्र परेड में शामिल हुई
नंदिनी-निमिषा

अनुपम सेवा के अप्रतिम
अशोक बाहेती

श्री माहेश्वरी मेलापक
वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-08 फरवरी 2023 वर्ष-18

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
बाबूलाल गोदानी, ग्वालियर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

घर-गृहस्थी और सच्चा वैराग्य

विचार क्रान्ति

महाभारत के पाँच पांडवों में चौथे नकुल पर सबसे कम चर्चा हुई हैं। नकुल पांडु की दूसरी पत्नी माद्री के पुत्र और सहदेव के सहोदर थे। स्वयं महाभारतकार ने पता नहीं क्या सोचकर नकुल की भूमिका को सीमित रखा, यह शोध का विषय है। यहाँ तक कि महायुद्ध में युधिष्ठिर को शल्य आदि के वध का श्रेय दिया, सहदेव को शकुनि के वध का, अर्जुन को भीष्म, कर्ण, भगदत्त आदि अनेक वीरों का वध का और भीम को सर्वाधिक सौ कौरव पुत्रों के वध का श्रेय देकर महिमामण्डित किया, मगर वीर होते हुए भी नकुल के हाथों प्रतिपक्ष का एक भी महत्वपूर्ण पात्र न मारा गया। बावजूद इसके नकुल की महत्ता कम नहीं होती। रणभूमि में शौर्य से इतर जीवन के ज्ञान में नकुल अनुपम है।

नकुल के इस ज्ञान का दर्शन करना हो तो शांतिपर्व के राजधर्मानुशासन उपपर्व की आरंभिक कथा में पधारिए। जहाँ युद्ध में स्वजनों के संहार से दुःखी होकर विजयी होने के बाद भी युधिष्ठिर आश्चर्यजनक रूप से शोक के सागर में डूबे हैं और श्रीकृष्ण, वेदव्यास, द्रौपदी सहित चारों छोटे भाई उन्हें समझा रहे हैं। युधिष्ठिर जीते हुए राज्य का तिरस्कार कर संन्यास ले वन जाना चाहते हैं और भीम व अर्जुन के समझाने पर भी मानने को तैयार नहीं हैं। बारहवें अध्याय की कथा में तब नकुल का प्रवेश होता है और वे गृहस्थ धर्म का महात्म्य बताते हुए जो तर्क देते हैं, वे देखते ही बनते हैं।

नकुल प्रायः सभी भाइयों में सर्वाधिक बुद्धिमान थे। छाती चौड़ी थी, मुख ताम्रवर्ण का था और बहुत ही मितभाषी थे लेकिन सबसे बड़े भाई को विचलित देख स्वयं को रोक न पाए। बोले, 'महाराज! यह गृहस्थ आश्रम सबसे ऊँचा है। इसमें जो धर्म से प्राप्त हुए धन का श्रेष्ठ कार्यों में उपयोग करता है और अपने मन को वश में रखता है, वही मनुष्य सच्चा त्यागी माना गया है।' और यह कि 'इति यः कुरुते भावं स त्यागी भरतर्षभ। न यः परित्यज्य गृहान् वनमेति विमूढवत्।।' अर्थात् जो ऐसा भाव रखता है, वही त्यागी है। जो मूर्ख की तरह (गृहस्थी के दायित्वों को छोड़कर) वन में चला जाता है, वह कतई त्यागी नहीं है।

अक्सर जीवन की आपाधापी से परेशान होकर लोगों को 'संन्यास' के प्रति आकर्षित देखा जाता है। अनेक तो सच में 'भगवा' धारण कर वन को निकल पड़ते हैं मगर सत्य तो यह है कि उनका वह 'त्याग' निरर्थक होता है। इसलिए जीवन के संघर्ष को सहज ही लेना चाहिए। जो पलायन की बात करते या सोचते तक हैं, वे मानो पाप करते हैं। इसलिए कि वेद वर्णित चारों आश्रमों में गृहस्थ ही सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि धर्म, अर्थ व काम, तीनों की सिद्धि केवल इसमें होती है।

साधो! गृहस्थी के कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जो 'सिद्धि' चाहते हो, उनके लिए नकुल कहते हैं, 'अन्तर्बहिश्च यत् किंचिन्मनोव्यासङ्गकारकम्। परित्यज्य भवेत् त्यागी न हित्वा प्रतितिष्ठति।।' अर्थात् बाहर और भीतर जो कुछ भी मन को फँसाने वाली वस्तुएँ हैं, उनको छोड़ने से मनुष्य त्यागी बनता है। केवल घर छोड़ देने से त्याग की सिद्धि नहीं होती। अतः जब भी जीवन से थककर 'वैराग्य' जगे तब सच्चे वैराग्य की राह पकड़िए, झूठे की नहीं।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

गण का तंत्र 'गणतंत्र'

सर्वप्रथम मैं हमारे राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की सभी समाजजनों को हार्दिक बधाई देता हूँ। सर्वप्रथम बधाई से शुरुआत करने का कारण यह है कि माहेश्वरी समाज ने न सिर्फ देश की स्वतंत्रता प्राप्ति में अपना अमूल्य योगदान दिया, अपितु स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व से लेकर वर्तमान तक देश को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में भी अपना विशिष्ट योगदान दिया है, वह हमेशा अविस्मरणीय रहेगा। ऐसे में यह जरूरी है कि हम अपने राष्ट्रीय पर्व को अपने जो परम्परागत पर्वों से भी अधिक महत्व दें। मुझे विश्वास है कि स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत समाजजनों ने इस गणतंत्र दिवस का भी उसी उत्साह के साथ स्वागत किया होगा, जैसा गत स्वतंत्रता दिवस का किया था।

गणतंत्र दिवस का शाब्दिक अर्थ है, गण अर्थात् जनता का तंत्र। जिस शासन प्रणाली का संचालन जनता के हाथों में हो वह गणतांत्रिक कहलाती है। हमारा देश 15 अगस्त 1947 में आजाद तो हो गया था, लेकिन अपने बनाये संविधान से इस स्वतंत्रता को हमने सही ढंग से ''जनता का शासन'' इसी दिन अर्थात 26 जनवरी 1950 को बनाया था। सही मायने में स्वतंत्रता वही है, जिसमें हम अपने बनाये विधान में आबद्ध हों अन्यथा इसके बिना तो यह स्वतंत्रता स्वछंदता से कम नहीं। यही कारण है कि गणतंत्र दिवस भी हमारे लिये स्वतंतत्रता दिवस के समाज ही अत्यंत पावन व महत्वपूर्ण है। अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इसी दिन बसंत पंचमी उत्सव भी मनाया जा रहा है। बसंत पंचमी अर्थात् ज्ञान-बुद्धि की देवी माता सरस्वती का जन्मोत्सव। यह दो पर्वों का संगम अत्यंत विशिष्ट सुखद संयोग है। आशा है कि यह देश के जन-जन में ज्ञान व बुद्धि का व्यापक प्रसार करेगा।

यह भी अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि हमारी सामाजिक संगठनात्मक व्यवस्था भी ''गणतांत्रिक'' ही है, जिसमें समाज के जन-जन का योगदान है और जो इसी जन-जन द्वारा ही संचालित है। माहेश्वरी समाज संगठनों ने भी आदर्श रूप से सदैव इस गणतांत्रिक व्यवस्था का पालन करते हुए अन्य समाजों के सामने संगठनात्मक व्यवस्था का प्रतिमान रखा है, जिसका कई समाज संगठन अनुसरण कर रहे हैं। अ.भा. माहेश्वरी महासभा ने अपने सामाजिक कर्त्तव्य के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों के सहयोग व उत्थान के लिये विभिन्न सेवा ट्रस्ट आदि संस्थाओं का गठन किया है, जो सतत रूप से जन सहयोग से अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं। जानकारी के अभाव में वर्तमान में भी समाज के कई जरूरतमंदों तक इनकी जानकारी नहीं पहुँच पायी है। अतः इस अंक में इन सभी ट्रस्टों के सेवा क्षेत्र आदि से सम्बंधित जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

अत्यंत हर्ष विषय है कि समाज के गौरव आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमेन कुमार मंगलम बिड़ला का पद्मभूषण अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। मैं श्री बिड़ला को इस उपलब्धि के लिये बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। इसी अंक में समाज की प्रेरणा के लिये भीलवाड़ा के ख्यात समाज सेवी श्री सेवापथ के प्रतिमान की तरह मानवता की तन-मन-धन से सेवा कर रहे अशोक बाहेती के व्यक्तिगत तथा कृतित्व का भी प्रकाशन किया गया है, जो निःसंदेह समाजसेवा पथ के पथिकों के साथ ही समाज की युवा पीढ़ी को भी नरसेवा-नारायण सेवा की ओर प्रेरित करेगा। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने अपनी जोधपुर बैठक में अपनी आगामी सत्र हेतु संगठन की बागडोर सौंपने हेतु श्रीमती मंजू बांगड़ को अध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावित किया है। इस उपलब्धि हेतु मैं श्री माहेश्वरी टाईम्स की ओर से श्रीमती बांगड़ को बहुत-बहुत शुभकामनाऐं देता हूँ। इस अंक में आज सभी प्रबुंद्ध पाठकों की पसंद के विभिन्न स्तंभ सहित विभिन्न रोचक, यथार्थपूर्वक व ज्ञानवर्धक सामग्री का समावेश करने का प्रयास किया है। निश्चय ही यह अंक भी संग्रहणीय ही सिद्ध होगा। अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना भी न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

ग्वालियर (म.प्र) निवासी समाजसेवी बाबूलाल गोदानी की पहचान समाज में एक ऐसे निःस्वार्थ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में है, जो आम व्यक्ति के हित का चिंतन रखते हैं। श्री गोदानी का जन्म आगरा (उ.प्र.) में स्व. श्री भोलानाथ गोदानी व सरस्वती देवी गोदानी के यहां 27 सितम्बर 1944 में हुआ था। समाज सेवा आपको पैत्रक के रूप से संस्कारों के रूप में मिली। वर्तमान में आप म.प्र. पूर्व क्षेत्र से वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। आपने बी. कॉम तक शिक्षा ग्वालियर से एम.एल. बी कालेज से पूर्ण की। इसके पश्चात् विभिन्न कम्पनियों में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। इसके अंतर्गत सन् 1968 से 2007 तक 40 वर्षो तक मल्टीनेशनल कम्पनी बाटा इन्डिया लि. में सेल्समेन से लेकर मैनेजर तक पदो पर रहे और सेवानिवृत्त हुए। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी कार्यकारी मंडल सदस्य एवं सत्र 27 में सभापति श्याम सोनी के कार्यकाल में पुनः महासभा कार्यकारी मंडल में सदस्य मनोनीत हुए। म.प्र.पूर्व क्षेत्र में कार्यकारी मंडल व कार्य समिति सदस्य एवं उपाध्यक्ष के पदों पर भी रहे। वर्तमान चुनावी सत्र में ग्वालियर जिला सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी के पद पर चुनावी कार्यो का निष्पादन कर रहे हैं।

समाज के निचले स्तर तक पहुँचें योजनाऐं

अपने आपको माहेश्वरी कहते ही सिर गर्व से ऊँचा हो जाता है। वास्तव में ऐसा होना भी चाहिए। क्योंकि माहेश्वरी समाज ने मानवता की सेवा में जो योगदान दिया है वह अपने - आपमें मिसाल है। मिसाल इसलिये भी कि समाज ने कभी भी अपनी समृद्धि को अपने आप तक सीमित नहीं रखा। स्वयं ने तो अपनी तीक्ष्ण बुद्धि व कार्यकुशलता से सफलता के शिखर को छुआ ही, साथ ही साथ अपनी इस सफलता का लाभ अन्य लोगों तक पहुँचाकर देश ही नहीं बल्कि विश्व के सम्पन्न वर्ग तक मानव सेवा का संदेश भी पहुँचाया है। वर्तमान में विश्व के कई बड़े उद्योगपति समाजसेवा में अपनी सम्पत्ति अर्पित कर रहे हैं, तो विश्व को यह राह तो माहेश्वरी समाज कई वर्ष पूर्व दिखा चुका था। इतना ही नहीं माहेश्वरी समाज ने देश व मानवता को समाज सुधार की भी सदैव राह दिखाई है।

इतना सब कुछ होने के बावजूद माहेश्वरी समाज वर्तमान में कुछ ऐसी समस्याओं से जूझ रहा है, जो वर्तमान समय की देन है। इन समस्याओं में प्रमुख है, देरी से विवाह व अन्तर्जातीय विवाह। कॅरियर के चक्कर में समाज का युवा वर्ग विवाह की उचित आयु को काफी पीछे छोड़ देता है और कई बार ऐसी उम्र में भी पहुँच जाता है जहाँ विवाह का कोई अर्थ नहीं रहा जाता। विवाह होता भी है, तो संतान प्राप्ति में परेशानी होती है और एक संतान अथवा एक भी नहीं पर संतोष करना पड़ जाता है। यह स्थिति समाज की जनसंख्या घटने का एक प्रमुख कारण बन गई है। दूसरी समस्या है अन्तर्जातीय विवाह। लोग तर्क तो देते हैं कि समाज में लड़कियों की कमी अथवा योग्य लड़कों की कमी है। लेकिन हकीकत यह है कि लड़के-लड़कियों की नहीं बल्कि वास्तव में हमारी सोच की कमी है। युवा वर्ग समाज के सम्पर्क में नहीं आ पाता यही एक सबसे बड़ा कारण अन्तर्जातीय विवाह का बन रहा है। अतः समाज संगठनों को ऐसी योजनाऐं व ऐसे कार्यक्रम तैयार करना होंगे जो समाज के युवावर्ग को समाज की मुख्य धारा में ला सकें। इससे युवा पीढ़ी एक दूसरे के सम्पर्क में आयेगी और एक दूसरे की खुबियों को जानकर एक दूसरे से परिचित होंगे। इससे निःसंदेह अंतर्जातीय विवाहों में कमी आऐगी।

हमारा समाज वैसे तो देश का सबसे सम्पन्न समाज है लेकिन यह भी कटू सत्य है कि इसी समाज का एक बड़ा वर्ग भीषण आर्थिक संकट से भी गुजर रहा है। समाज कई समाजसेवी भवन व योजनाऐं बना रहा है और इन पर मुक्त हस्त से धन भी व्यर्थ कर रहा है लेकिन हकीकत में समाज के इस निचले वर्ग तक न तो इन सुविधाओं का लाभ पहुँच पाता है, न ही योजनाओं का। ऐसी स्थिति में ऐसे परिवार भी समाज की मुख्यधारा से दूर होने लग जाते हैं। अतः वर्तमान में आवश्यकता सबसे अधिक ऐसे वर्ग तक पहुँच कर उन्हें सहायता प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की है। जब तक हम ''सभी का साथ सभी का विकास'' नहीं करेंगे, अपने आपको वास्तव में सम्पन्न व प्रबुद्ध समाज नहीं कह सकते। अतः आशा करता हूँ, समाज का प्रबुद्ध वर्ग समाज की इन समस्याओं पर चिंतन करता हुआ, उचित कदम उठाऐगा।

बाबूलाल गोदानी, ग्वालियर
अतिथि सम्पादक

श्री भद्रकाली माताजी

श्री भद्रकाली माताजी माहेश्वरी समाज की डाड़, बूब, पोरवाल आदि खाँपों की कुलदेवी हैं।

■ टीम SMT

राजस्थान के हनुमानगढ़ टाउन से 7 किमी की दूरी पर भद्रकाली माता का भव्य मंदिर बना है। समाज की कुलदेवी होने के साथ ही मनोकामना पूर्ण करने की अपनी ख्याति के कारण माताजी सम्पूर्ण क्षेत्र में प्रसिद्ध होकर आम लोगों की श्रद्धा का केन्द्र भी हैं। नवरात्रि में स्थानीय स्तर पर यहाँ भव्य नवरात्रि पर्व का आयोजन होता है। स्थानीय के साथ ही बंगाल व आसाम आदि प्रदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ दर्शन हेतु आते हैं। मंदिर में पुरी समाज के पुजारी पूजा करते हैं। यहाँ आने वाले दर्शनार्थियों के लिए मंदिर में ठहरने की व्यवस्था पुजारी स्वयं करते हैं।

कैसे पहुंचें:

हनुमानगढ़ के समीप तो कोई रेलवे स्टेशन तो नहीं है। सबसे निकटस्थ रेलवे स्टेशन बीकानेर है। जहां से सड़क मार्ग से हनुमानगढ़ टाउन पहुंचा जा सकता है। यह दूरी करीब 225 किमी है। बस स्टैंड से मंदिर मात्र 7 किमी की दूरी पर है। वहाँ जाने के लिए हनुमानगढ़ से ऑटो रिक्शा भी उपलब्ध हैं।

युवा संगठन ने आयोजित किया खेल महोत्सव

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की करवाऐ खेल सुविधा उपलब्ध-उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार करना लक्ष्य

जोधपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में जोधपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में 23-24-25 दिसंबर, 2022 को जोधपुर में राष्ट्रीय खेल महोत्सव आयोजित हुआ। नेपाल सहित देश भर से 2500 से अधिक प्रतिभागियों और युवा साथियों ने इस राष्ट्रीय खेल महोत्सव 'AIMS', All India Maheshwari Sports Championship मे सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने की। महासभा के महामंत्री संदीप काबरा कार्यक्रम में प्रधान अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। तीनों दिन अलग-अलग संपन्न हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, भीलवाड़ा लोकसभा सांसद सुभाष बहेडिया की उपस्थिति रही। साथ ही राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल बैठक भी सफलतापूर्वक आयोजित हुई। कार्यक्रम में कपिल शर्मा शो के कीकू शारदा, प्रख्यात गायक पूर्वा मंत्री, जोधपुर विधायक मनीषा पंवार भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्लेयर दिशा कास्ट की विशेष उपस्थिति रही।

युवाओं को उपलब्ध करवाऐंगे संसाधन

श्री काल्या ने बताया कि युवा संगठन ने इस कार्यक्रम के माध्यम से नए आयाम स्थापित किए हैं और इस आयोजन के विजेताओं को युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा साधन और संसाधन उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इन्हीं विजेताओं में से भारतीय टीम में कोई क्रिकेट खेलता हुआ दिखाई देगा तो कोई शतरंज में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगा, ऐसी आशा श्री काल्या ने व्यक्त की। राष्ट्रीय खेल मंत्री अर्पित धूत ने देशभर से पधारे हुए सभी साथियों का स्वागत अभिनंदन किया। राष्ट्रीय महामंत्री आशीष जाखोटिया ने सभी आगंतुक अतिथियों, साथियों, प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

कई हस्तियों ने किया प्रोत्साहित

युवा संगठन के इस तीन दिवसीय खेल महोत्सव के आयोजन में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या, महामंत्री आशीष जाखोटिया, खेल मंत्री अर्पित धूत, सांस्कृतिक मंत्री राजेश मंत्री, कोषाध्यक्ष राहुल बाहेती, संगठन मंत्री भरत तोतला, निवर्तमान महामंत्री प्रवीण सोमानी आदि अपनी सम्पूर्ण टीम के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रायोजक विष्णु प्रकाश पुंगलिया लिमिटेड व पावर्ड बाय प्रीति इंटरनेशनल लिमिटेड रहे। इस राष्ट्रीय खेल महोत्सव में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बॉक्स क्रिकेट, केरम, शतरंज, स्विमिंग, रेसिंग में देशभर के माहेश्वरी युवाओं ने भाग लिया। प्रदेश सभा अध्यक्ष रतनलाल डागा, प्रदेश युवा संगठन के अध्यक्ष दिनेश राठी, खेल महोत्सव संयोजक जीतू गांधी, जिला अध्यक्ष अनिल धूत, संरक्षक डा. जुगल किशोर झंवर, सौरभ राठी, कार्यसमिति सदस्य रनीश दरगड, प्रदेश खेल मंत्री दीपक मंत्री, जिला खेल मंत्री अभिषेक मानधना, जिला सचिव अरुण बंग, उपाध्यक्ष सुरेंद्र जाजू ने सभी अतिथियों व विजेताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यकारी मंडल व कार्यसमिति बैठक का भी हुआ आयोजन

जोधपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की चतुर्थ कार्यकारी मंडल एवं पंचदस कार्यसमिति बैठक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या की अध्यक्षता में जोधपुर में राष्ट्रीय खेल महोत्सव के साथ गत 23-24-25 दिसंबर, 2022 को सफलतापूर्वक आयोजित हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस बैठक में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के विधान में कई महत्वपूर्ण संशोधन किए गए एवं सर्वानुमति से संशोधित विधान को पारित किया गया। युवाओं और समाज बंधुओं को व्यापार व्यवसाय बढ़ाने एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए बिजनेस एप की लॉन्चिंग की गई। इसके माध्यम से देश और विदेश में रह रहे माहेश्वरी समाज बंधु आपस में व्यापार-व्यवसाय आसानी से कर सकेंगे और रोजगार की नई संभावनाएं मिलेगी। राष्ट्रीय युवा कुंभ का आयोजन गिरिराज जी, गोवर्धन में 1-2-3 अप्रैल, 2023 को आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में संपूर्ण भारत वर्ष से युवा साथी, मातृशक्ति व समाज बंधु सम्मिलित होंगे। गिरिराज जी की परिक्रमा, 56 भोग, ठाकुर जी का अभिषेक, शोभायात्रा, संत प्रवचन सहित युवाओं को व्यापार हेतु लोन प्रदान कराने व स्टार्टअप के कार्यक्रम तथा प्रख्यात स्पीकर द्वारा सेमिनार इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन होगा। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्यों की जानकारी की परिचय पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। साथ ही डिजिटल परिचय पुस्तिका भी जारी की जा रही है। राष्ट्रीय महामंत्री आशीष जाखोटिया ने बैठक का संचालन किया। कोषाध्यक्ष राहुल बाहेती, राष्ट्रीय संगठन मंत्री भरत तोतला, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री राजेश मंत्री, राष्ट्रीय खेल मंत्री अर्पित धूत आदि बैठक में उपस्थित रहे।

समाज संगठन के चुनाव सम्पन्न

जावरा (रतलाम)। माहेश्वरी समाज के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष प्रहलाद मालानी, उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल सारडा, सचिव पुखराज झंवर, सह सचिव अशोक मुंदड़ा व कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी मनोनीत किए गए। जिला प्रतिनिधि के लिए प्रकाश मेहरा, रामचंद्र डारीया, प्रह्लाद मेहरा, संजय मुंदडा, मदन मुंदडा, ओम मालपानी आदि चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन हुआ।

भागवत कथा शोभायात्रा का भव्य स्वागत

निजामाबाद। माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन निजामाबाद के गौशाला गोपाल बाग में गत 25 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक सुमधुर वाणी में सुश्री भाविका माहेश्वरी द्वारा किया गया। महिला मंडल द्वारा श्रीमद् भागवत कथा की शोभा यात्रा निजामाबाद के लक्ष्मीनारायण मंदिर से होकर विभिन्न मार्ग से होकर गौशाला गोपाल बाग पहुंची जहां पर निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा फूलों एवं मोतियों की माला से 14 वर्षीय सुश्री भाविक माहेश्वरी सूरत निवासी का भव्य स्वागत किया गया। सभी भक्तों के लिए जूस की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर युवा संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत झंवर, उपाध्यक्ष अनूप मालू, मंत्री अनुराग भांगड़िया, प्रादेशिक कोषाध्यक्ष मधुसूदन मालू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पवन कुमार मुंदड़ा, कार्यकारिणी सदस्य गोविंदा मालू, संदीप राठी आदि उपस्थित थे।

प्रगति मंडल के चुनाव सम्पन्न

उज्जैन। श्री महिला प्रगतिमंडल माहेश्वरी सेवा गोलामंडी उज्जैन के त्रिवार्षिक चुनाव शीतल मूंदड़ा की अध्यक्षता तथा जिला पर्यवेक्षक किरण डोडिया एवं चुनाव अधिकारी अर्चना भूतड़ा की उपस्थिति में निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें सर्वानुमति से अध्यक्ष पायल भूतड़ा, सचिव रुचि गांधी, कोषाध्यक्ष सीमा मूंदड़ा, संगठन मंत्री मंजूषा मूंदड़ा, उपाध्यक्ष रश्मि राठी व सहसचिव सीमा कासट को मनोनीत किया गया है। उक्त जानकारी अध्यक्ष शीतल मूंदड़ा व सचिव रश्मि राठी ने दी।

करवा का किया सम्मान

सूरत। सूरत प्रवासी और ताल छापर (चुरू) निवासी डॉ. पंकज करवा (पीएच.डी. वास्तु शास्त्र और अंकशास्त्र) की पुस्तक 'कर्तव्य, कर्म और मै' का विमोचन हुआ। इस पुस्तक का विमोचन डीसीपी उषा राडा द्वारा किया गया। यह पुस्तक हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। पुस्तक विमोचन के बाद माहेश्वरी नवयुवक मंडल (सूरत) तथा माहेश्वरी समाज (सूरत) द्वारा आयोजित उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह 2022 में 'EDUCATIONAL INSPIRATIONAL MAHESHWARI AWARD (MALE)' इन्हे प्रदान किया गया।

डॉ. कल्याणी बनी अध्यक्ष

नाथद्वारा। श्रीनाथ माहेश्वरी महिला मंडल नाथद्वारा के अध्यक्ष पद और कार्यकारिणी का चयन 20 दिसम्बर को जिला सभा प्रतिनिधि डॉ. सुशीला असावा, चुनाव अधिकारी राजेश काबरा व शंकर सोडाणी के सान्निध्य में हुआ। इसमें अध्यक्ष डॉ. लोक कल्याणी लावटी, सचिव-रंजना कचौलिया, उपाध्यक्ष -मंजुला हेडा, कोषाध्यक्ष-गीता भदादा, संगठन मंत्री-अर्चना मालानी, सांस्कृतिक मंत्री-कुमुद देवपुरा का चयन सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारिणी में टीना मंडोवरा, संजू देवपुरा, दिव्या बंग, मीनाक्षी बिड़ला का चयन किया गया। उक्त जानकारी प्रेमलता सोडाणी ने दी।

खरी-खरी

जिह्वा से तो सुमन झर रहे
किन्तु हृदय में दल दल है

नेह, नीति, निष्ठा के पीछे
ईर्ष्या द्वेष और छल है

धूर्त, सुविज्ञों की श्रेणी में
अभिनंदित हो रहे यहाँ

निर्मल मन वाले को प्रायः
सब कहते हैं पागल है

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

ग्रामीण जिला युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

इंदौर। गत 18 दिसम्बर को इंदौर ग्रामीण जिला माहेश्वरी युवा संगठन के छठवे सत्र 2022-2025 के निर्विरोध निर्वाचन मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रप्रकाश लड्ढा महू एवं प्रादेशिक पर्यवेक्षक सपन माहेश्वरी की उपस्थिति में माहेश्वरी स्कूल महू मे निर्विरोध रूप से सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष-डॉ. गुँजन बाहेती (महू), जिला सचिव-आशीष चिचानी (हासलपुर), राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य-मनीष राठी (राऊ), प्रदेश कार्यसमिति सदस्य-अंकित अजमेरा (मांगलिया), प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य-नितिन जाखेटिया (बेटमा), प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य-आश्रय भंसाली (बेटमा), प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य-अभिषेक अजमेरा (मानपुर), प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य-कार्तिक राठी (कम्पेल), वरिष्ठ उपाध्यक्ष-नितिन माहेश्वरी (महू), उपाध्यक्ष-आयुष अजमेरा (मांगलिया), कोषाध्यक्ष-निहार तोषनीवाल (मांगलिया), संगठन मंत्री-श्रेयस आगीवाल (कम्पेल), सहसचिव-निवेश साबू (राऊ), सहसचिव-अरूण आगीवाल (पीपल्दा), प्रचार मंत्री - सन्नी बांगड़ (बेटमा), खेल मंत्री-सारांश बाहेती (महू), सांस्कृतिक मंत्री-अंकित मंत्री (मानपुर), मीडिया प्रभारी-दीपक मालपानी (गौतमपुरा), बधाई संयोजक-आदित्य माहेश्वरी (राऊ) चुने गये। जिला कार्यसमिति सदस्यों का चयन भी हुआ।

महिला संगठन के चुनाव संपन्न

नीलम काबरा

अर्चना भूतड़ा

इंदौर। माहेश्वरी महिला संगठन संयोगितागंज के त्रिवार्षिक चुनाव माहेश्वरी भवन संयोगितागंज इंदौर पर निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से सभी पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। पर्यवेक्षक रमा शारदा एवं सहयोगी डिंपल माहेश्वरी की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी प्रमिला गिलड़ा द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करवायी गई। इसमें अध्यक्ष- नीलम काबरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- नीलिमा असावा, उपाध्यक्ष-अर्चना लाहोटी, सचिव-अर्चना भूतड़ा, सह सचिव-साधना मंडोवरा, कोषाध्यक्ष-राखी काबरा, संगठन मंत्री- विभा राठी, प्रचार मंत्री-सुनीता नवाल चुनी गई। कार्यकारिणी सदस्याओं का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

अपने खिलाफ बाते, खामोशी से सुन लीजिए!
यकीन मानिये वक्त, बेहतरीन जवाब देगा!
सब्र और सहनशीलता, कोई कमजोरियां नहीं होती है!
ये तो अंदरुनी ताकत है, जो सब में नहीं होती!

वैश्य महासम्मेलन का कैलेंडर विमोचित

देवास। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित बहुरंगी एवम उपयोगी नववर्ष कैलेंडर का विमोचन विधायक प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दुर्गेश अग्रवाल, नगर निगम सभापति रवि जैन, सहकारिता सहायक कमिश्नर दीपाली खण्डेलवाल, संगठन के प्रदेश महामंत्री अशोक सोमानी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारका मंत्री के आतिथ्य में संपन्न हुआ। संस्था जिलाध्यक्ष गौरव खंडेलवाल, युवा जिलाध्यक्ष गौरव गुप्ता एवं महिला जिलाध्यक्ष मंजू बाला जैन ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अंग्रेजी माह के अनुसार तैयार इस कैलेंडर में हिंदू तिथि एवं मास के नाम भी हैं। पंचांग तथा शुभ मुहूर्त की तारीख व शासकीय अवकाश, मुख्य जयंती दिवस के साथ सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के वैश्य महासम्मेलन के सभी संभाग, जिले, तहसील के पदाधिकारियों के नाम भी प्रकाशित किए गए है। यह कैलेंडर वैश्य महासम्मेलन के सभी सदस्यों को निशुल्क घर-घर जाकर वितरित किए जायेंगे। विमोचन समारोह में गौरव गुप्ता, पवन गोयल, अमित गुप्ता, रजनीश पोरवाल, राजेंद्र मूंदड़ा, राकेश गुप्ता, राजेंद्र विजयवर्गीय, सचिन मंगल, भानु अग्रवाल आदि उपस्थित थे। आभार देवास अध्यक्ष रजनीश पोरवाल ने माना। उक्त जानकारी उपाध्यक्ष पवन गोयल ने दी।

गणतंत्र दिवस पर किया ध्वजारोहण

इंदौर। श्री बालाजी क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्री बालाजी क्षेत्र माहेश्वरी सखी संगठन, इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को शिव मंदिर, गुमास्ता नगर पर 'ध्वजारोहण' किया गया। ध्वजारोहन पश्चात शिव मंदिर गुमास्ता नगर से पैदल मार्च निकाला गया। इसमें वृक्षारोपण से संबंधित स्लोगन बैनर संगठन की सदस्याऐं हाथों में लेकर देश भक्ति के गीत और नारे लगाते हुऐ चल रही थी। समापन स्थल पर सभी बैनर को प्रदर्शित किया एवं उनमें से श्रेष्ठ स्लोगन को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पौधे भी रोपे गए। महिला संगठन अध्यक्ष सीमा गगरानी, नवनिर्वाचित अध्यक्ष माधुरी सोमानी, सचिव सुषमा चिचानी, नवनिर्वाचित सचिव रेखा काकानी एवं सखी संगठन अध्यक्ष सुमन सोनी, सचिव पायल लाठी, संयोजक अर्चना सोमानी एवं नेहा काकानी ने अतिथियों का स्वागत किया। कविता माहेश्वरी के प्रमुख आतिथ्य में एवं जिला सभा अध्यक्ष राजेश मुंगड़, जिला महिलाध्यक्ष सुमन सारडा की गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कमल लड्ढा, शोभा माहेश्वरी, सुलेखा मालपानी, दमयंती मनियार, अनिल काकनी, विशेष सारडा, गोपाल राठी आदि उपस्थिति थे।

संतश्री से की सत्संग भेंट

अहमदाबाद। संत श्री मदनमोहनजी महाराज, जयपुर ने अहमदाबाद में श्री माहेश्वरी सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेशचंद्र मुँदड़ा के निवास स्थान पर समाज के गणमान्यजनों से सत्संग भेंट की। इस अवसर पर संतश्री ने सक्षिप्त में आध्यात्म पर प्रवचन देकर सभी को ज्ञान भक्ति से अविभूत किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गोकुललाल सोडानी, मंत्री कैलाश ईनाणी एवं ईश्वरलाल कोठारी, श्यामलाल ईनाणी, सत्यनारायण बाहेती, बद्रीलाल बहेड़ीया, मनोहर तोतला, सुनिल, राहुल मुंदडा आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, मुंबई के तत्वावधान में मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा द्वारा 1 जनवरी 2023 प्रथम रविवार को 12 वां मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम एक बजे से चार बजे तक दोपहर में माहेश्वरी भवन, नागोरी गार्डन में आयोजित हुआ। सत्यनारायण मंडोवरा जिला संगठन मंत्री, सुरेश जाजू, मांडल तहसील मंत्री, सत्यनारायण सोमानी पूर्व तहसील मंत्री ग्रामीण सभा, प्रमोद डांड संयुक्त मंत्री नगरसभा, प्रमोद मुंदड़ा कोषाध्यक्ष सुभाष नगर क्षेत्रीय सभा आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। कार्यक्रम में भीलवाड़ा जिला व अन्य जिलों के समाजजन ने भाग लिया और बायोडाटा का अवलोकन किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के अतिरिक्त उदयपुर और चित्तौड़ में भी शाखाएं प्रारंभ की गई हैं जिसमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय की तर्ज पर ही उपलब्ध हैं।

जिनको स्वयं 'बुद्धि' नहीं है, ज्ञान उनके लिए क्या कर सकता है..
बिलकुल वैसे ही जैसे एक अंधे व्यक्ति के लिए 'दर्पण' का क्या महत्व है.!

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

ब्यावर। अजमेर जिला माहेश्वरी सभा के 30वें सत्र के चुनाव ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में स्थानीय माहेश्वरी भवन, ब्यावर में सम्पन्न हुये। चुनाव में संदीप मुंदड़ा जिलाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुऐ। श्री मूंदड़ा की अनुशंसा एवं प्रदेश अध्यक्ष विजयशंकर मुंदड़ा व निवर्तमान जिलाध्यक्ष शिवचरण ईनाणी के अनुमोदन से वरिष्ठ उपाध्यक्ष ज्वाला प्रसाद कांकाणी, उपाध्यक्ष रमेश भराडिया, अश्विनी काबरा, महामंत्री अशोक जैथलिया, कोषाध्यक्ष सीए रमेश राठी, संगठन मंत्री राधेश्याम पोरवाल, संयुक्त मंत्री गोपाल सोमानी अनूप राठी, प्रहलादराय मूंदड़ा निर्वाचित किए गए।

यश को राष्ट्रीय कांस्य पदक

जयपुर। डॉ. ललित व डॉ. दिनेश भराडिया के सुपुत्र ने हाल ही में पुडुचेरी में आयोजित अंडर 13 वर्ष राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान के साथ कांस्य पदक प्राप्त करके राजस्थान का नाम गौरवान्वित किया। यश को कांस्य पदक के साथ 48000 रुपये की इनामी राशि प्रदान की गई। प्रथम आए तीन खिलाड़ी अब अगले साल एशियन तथा वर्ल्ड अंडर 14 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्ल्ड अंडर 14 चैंपियनशिप 12 से 25 नवंबर 2023 तक इटली में होने वाली है। इसके पहले भी यश भराडिया दो बार 2019 व 2021 में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त कर चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वर्ष 2019 में यश ने अंडर 10 वर्ष कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया है। यश 5 वर्ष की उम्र से शतरंज खेल रहे हैं तथा इस वर्ष मार्च में आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर ओपन शतरंज प्रतियोगिता में राजस्थान के चैंपियन भी रह चुके हैं। इस वर्ष कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर यश ने ग्रैंड मास्टर, महिला ग्रैंडमास्टर व इंटरनेशनल मास्टर को भी मात दी है।

दिलीप के. भंसाली का सम्मान

रतलाम। गत 38 वर्षो से रक्तदान के क्षेत्र से जुड़े 100 बार रक्तदान कर चुके रक्तमित्र दिलीप के. भंसाली सुपुत्र स्व. श्रीमती गंगादेवी- स्व. श्री कन्हैयालाल भंसाली को रक्तदान जीवनदान समिति कोटा के 8वे स्थापना दिवस पर रतलाम के रक्तदान जीवनदान समूह के संस्थापक के रूप में सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए आशय भंसाली ने बताया कि रात हो या दिन रतलाम हो या पूरा देश अगर रक्त की जरूरत पड़ती है तो दिलीप भंसाली उसकी व्यवस्था तुरंत करवाते हैं।

हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ

जोधपुर। शहर माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा 31 दिसंबर को अंग्रेजी नव वर्ष 2023 के शुभ आगमन पर सुबह 12:15 बजे से खेतानाडी स्थित माहेश्वरी भवन में हनुमान चालीसा का पाठ परमहंस श्री रामप्रसाद जी महाराज द्वारा दीप प्रज्जवलित करके शुरू किया गया। शहर की विभिन्न संगीत मंडलियों द्वारा सुर ताल राग के साथ एवं गाजे बाजे के साथ अनवरत 85 पाठ सांय 8:30 पूर्ण हुए। उसके पश्चात पूर्णाहुति में भीलवाड़ा से पधारे मोहन शरण महाराज, जोधपुर से हरिराम महाराज एवं राम रतन महाराज के सान्निध्य में आरती हुई। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि इस शुभ अवसर पर 500 भक्तों की आवाजाही बनी रही। सचिव गीता सोनी ने बताया कि संयोजक शोभा डागा, अर्चना डागा एवं ज्योति राठी थीं। उपाध्यक्ष बबीता चांडक, प्रदेश सचिव कमला मूंदड़ा एवं जिला अध्यक्ष शिवकन्या धूत का भी सान्निध्य बना रहा। इस कार्यक्रम में ललिता धूत, अनिता सोनी, मंजू गट्टानी, सरोज मूंदड़ा, सूर्यकांता डागा, रेणू माहेश्वरी, पुष्पा सोनी, पदमा, संगीता सोनी, उषा राठी, पूर्णिमा राठी सहित सभी सदस्याओं का पूर्ण सहयोग रहा।

तहसील सभा की कार्यकारिणी गठित

नागपुर। कोंढाली स्थित श्रीराम मंदिर में नागपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष दिनेश राठी व नागपुर जिला सचिव हरेश सोनी की उपस्थिति में कोंढाली तहसील माहेश्वरी सभा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सभा में मुख्य चुनाव अधिकारी जगदीश बंग तथा जिला सहायक चुनाव अधिकारी बद्रीनारायण छापरवाल द्वारा कोंढाली तहसील माहेश्वरी सभा की वर्ष 2023 से 2026 तक के लिए नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की गई। इसमें तहसील माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विजयकुमार मुंधडा, उपाध्यक्ष सुनील डांगरा, सचिव गोपाल धीरन, कोषाध्यक्ष भगवान चांडक, सहसचिव संजय लद्दड़, संगठन मंत्री दिलीप चांडक, सहित सदस्यों का चयन किया गया।

दिमाग को खूब पढ़ाना, लेकिन दिल को हमेशा अनपढ़ ही रखना.. ताकि.. ये 'भावनाओं' को समझने में हिसाब किताब ना करे.!

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

बरेली। गत 1 जनवरी को जिला माहेश्वरी सभा बरेली का चुनाव सम्पन्न हुआ। इसमें जिला अध्यक्ष के. के. माहेश्वरी, महामंत्री अजय माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष जगदीश माहेश्वरी व अन्य छह पदाधिकारी भी चुने गये। डॉ. एन. के गुप्ता, शिव कुमार माहेश्वरी, डॉ. प्रमेन्द्र माहेश्वरी, शशांक चाण्डक, विनय माहेश्वरी, शेखर महेस्वी विशाल अजमेरा, अवनीश माहेश्वरी, सुनील बियाणी, दीपक माहेश्वरी, रजनीश माहेश्वरी आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे।

निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर सम्पन्न

नसीराबाद (अजमेर)। माहेश्वरी समाज संस्था नसीराबाद के अध्यक्ष सुनील काहल्या ने बताया कि अजमेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन एवं नसीराबाद क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा संस्था व श्री माहेश्वरी समाज संस्था नसीराबाद द्वारा आयोजित जिला अंधता निवारण समिति एवं जे.एल.एन. चिकित्सालय अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर का आयोजन हुआ। स्वर्गीय गणेशीलाल, स्वर्गीय श्री मोहनलाल, स्वर्गीय श्रीमती चोसर देवी, स्वर्गीय श्रीमती सरोज देवी, स्वर्गीय श्री जितेंद्र मूंदड़ा एवं स्वर्गीय सियाराम मोदी की पुण्य स्मृति में समाजसेवी एवं भामाशाह जयनारायण मुंदडा व हितेश मोदी नसीराबाद (तिलाना वाले) के सहयोग से शिविर गत 25 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे से रामचंद्र जी की धर्मशाला पर आयोजित हुआ। समाजसेवी एवं भामाशाह जय नारायण मूंदड़ा व डॉ. राकेश पोरवाल द्वारा शुभारंभ किया गया। इसमें 250 मरीजों का चेकअप किया गया जिसमें से 80 मरीजों का आंखों का ऑपरेशन डॉ. राकेश पोरवाल एवं उनकी टीम के नेतृत्व में जे.एल.एन. चिकित्सालय अजमेर में किया गया। मरीजों को नसीराबाद से अजमेर लाने ले जाने एंव सभी मरीजों की भोजन व्यवस्था व दवाईयां एवं काले चश्मे निःशुल्क प्रदान किए गये। शिविर संयोजक ललित राठी, सुनील काहल्या, विष्णु बांगड़, राजकुमार शारदा, अंकित नवाल, नीलेश लोगड, विजय तेला, लोकेश काबरा, संजय राठी, दिलीप झंवर आदि कई माहेश्वरी समाजजनों ने सेवाऐ दी।

थलसेना दिवस पर सैनिकों का किया सम्मान

उज्जैन। महाराजवाड़ा स्कूल मित्र मण्डल के सदस्यों ने थलसेना दिवस के अवसर पर देवास रोड स्थित एनसीसी की 10एमपी बटालियन के कार्यालय पर 15 जनवरी को सैनिक अधिकारियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती, संजीव आचार्य, गोपाल भावसार, अनूप जोशी, मनोहर गर्ग, धर्मेंद्र रघुवंशी, सुरेश शाह आदि मित्र मण्डल सदस्य उपस्थित थे।

महिला संगठन के चुनाव संपन्न

सविता होलानी

अंजू माहेश्वरी

बाठिंडा। माहेश्वरी महिला संगठन बठिंडा के चुनाव 2023-2025 के लिए सम्पन्न हुए। इसमें सर्व सम्मति से सविता होलानी को दूसरी बार अध्यक्ष बनाया गया। संरक्षक पूनम राठी, उपाध्यक्ष नीलम होलानी व बिमला होलानी, सचिव अंजू माहेश्वरी, सह सचिव मधु मंत्री, केशियर संगीता काबरा, सह केशियर ज्योति, संगठन मंत्री प्रीती डागा, संस्कृति मंत्री रिम्पी कोठारी, सह संस्कृति मंत्री पूजा लखोटिया चुनी गई। कार्यकारिणी सदस्याओं का भी चयन हुआ।

प्रादेशिक महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

विशाखापट्टनम। तेलगांना आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव 16 जनवरी को राजस्थानी स्थानक संघ के सभाग्रह में सम्पन्न हुए। अध्यक्ष अर्मिला साबू ने बताया कि मध्यांचल संयुक्त मंत्री उषा करवा दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कलावती जाजू प्रदेश चुनाव अधिकारी थीं। इसमें सर्वसम्मति से रजनी राठी अध्यक्ष, मंजू लाहोटी सचिव, सन्तोष मालपानी कोषाध्यक्ष एवं विशाखापट्टनम से पायल राठी संगठन मंत्री चुनी गई। साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन हुआ।

गणतंत्र परेड में शामिल हुई नंदिनी-निमिषा

सरवन। 26 जनवरी के दिन आजादी के अमृत महोत्सव पर दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस की परेड में गर्ल्स एनसीसी बैंड ग्रुप की 51 कैंडेट्स में गांव की निमिषा मनीष-निशा धूत और नंदिनी विनोद-वंदना झंवर ने भी हिस्सा लिया। दोनों छात्राएं 8 महीनों से परेड के लिए कड़ा अभ्यास कर रही हैं। कठिन अभ्यास के बाद इन बेटियों का चयन परेड के लिए हुआ था।

महिला संगठन की बागडोर अब बांगड़ के हाथ में

'संयम-योग' नवम राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक सम्पन्न, त्रयोदश सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी मंजू बांगड़

बीकानेर। गत 7 जनवरी को बीकानेर में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की नवम कार्यसमिति बैठक 'संयम योग' उत्तरी राजस्थान प्रदेश के आतिथ्य में सम्पन्न हुई। इसमें सर्वानुमति से संगठन के 13वें सत्र हेतु कानपुर की मंजू बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गई। त्रयोदश सत्र के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिये सर्वानुमति से मंजु बांगड़, कानपुर के नाम की घोषणा भूतपूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी द्वारा की गई। उपस्थित सदस्याओं ने मंजु बांगड़ को बधाई दी एवं आगामी सत्र के लिये शुभकामनाएं भी प्रेषित की। इस बैठक में अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट की 2 बड़ी उपलब्धियाँ रहीं, 2 नई संरक्षक ट्रस्टी बनीं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लता मूंदड़ा एवं सरिता बियाणी तथा पश्चिमांचल उपाध्यक्ष श्रीमती ममता मोदानी ने ट्रस्ट को पांच लाख रुपये सहयोग देने का आश्वासन दिया। बीकानेर जैसे सांस्कृतिक शहर में बहुत ही सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज के बंधुओं, बहनों व बच्चों ने मिलकर प्रस्तुत किया।

अपने खिलाफ बातें, खामोशी से सुन लीजिए
यकिन मानिये वक्त बेहतरीन जवाब देगा।
सब्र और सहनशीलता कोई कमजोरी नहीं होती।
यह अंदुरुनी ताकत है, जो सब में नहीं होती।

नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान

देवास। माहेश्वरी समाज में प्रारंभ से ही मानव सेवा-जनसेवा की भावना रही है, साथ ही नेतृत्व करने का गुण हमारी रग-रग में समाया है। उक्त विचार जिला माहेश्वरी सभा द्वारा डागा पैलेस देवास में आयोजित जिले के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान व पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित न्यायमूर्ति उमेश माहेश्वरी ने व्यक्त किये। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुकेश झवर उपस्थित थे व समारोह की अध्यक्षता डॉ. रविंद्र राठी ने की। विशेष अतिथि भरत सारडा इंदौर, सुमन सारडा (इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष) व राजेंद्र ईनानी (पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष) थे। अतिथियों का स्वागत जिला सभा अध्यक्ष कैलाश डागा, जिला सचिव प्रकाश मंत्री, एडवोकेट प्रह्लाद डागा, कोषाध्यक्ष दिनेश भूतड़ा शिवाजी माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम संयोजक मुरलीधर मानधन्या ने बताया कि वर्ष 2022 में ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत के चुनाव में समाज के निर्वाचित 13 जनप्रतिनिधियों का शाल और सम्मान पत्र देकर अतिथियों ने अभिनंदन किया गया। इसी अवसर पर समाज की प्रतिभाओं इंदु सोमानी (निर्णायक), अभिषेक लाठी (देवास भाजपा देवास नगर आर्थिक प्रकोष्ठ संयोजक), आयुष भूतड़ा (भारतीय जनता युवा मोर्चा देवास जिला उपाध्यक्ष), अशोक सोमानी (वैश्य महासम्मेलन प्रदेश महामंत्री) व रितेश ईनानी बागली (उच्च न्यायालय इंदौर अभिभावक संघ के उपाध्यक्ष) का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया।

हल्दी कुमकुम एवं पिकनिक का आयोजन

नागपुर। ज्योति महिला मंडल द्वारा नए साल की शुरुआत सदस्याओं के लिए हल्दी कुमकुम व पिकनिक के आयोजन के रूप में किया गया। काटोल रोड स्थित मानव मंदिर रक्षक बाग में आयोजित पिकनिक में मंडल की हर उम्र की सदस्याओं ने हिस्सा लिया। मंडल की संस्थापक अध्यक्ष शोभा सुरजन एवं अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने सभी का स्वागत किया। पिकनिक की सभी व्यवस्था के साथ ही मंडल की सदस्याओं के लिए संक्रांति के हल्दी कुमकुम का सफल आयोजन पुष्पा टावरी, अर्पणा टावरी, पूजा भट्टड़ द्वारा किया गया। इंदु चांडक, स्नेहा राठी, श्वेता राठी, दीप्ति बिंझानी की महाराष्ट्रीयन थीम ड्रेसिंग एवं एक्टिंग ने सभी का मनोरंजन किया एवं पुरस्कार जीतें। पिकनिक के आयोजन में भट्टड़ एवं टावरी परिवार का विशेष सहयोग रहा। आभार सचिव स्वाति सावल ने व्यक्त किया।

कल्दी, पण है सांची

जुगलकिशोर सोमाणी
जयपुर (राज.)
मो. 093145 21649
094140 11649

बडकां आगै बडा बणस्यो तो कदैई बडा नहीं बणोला

अणपढ या कम पढ्या-लिख्या मायतां (माता-पिता) रा टाबर चोखा 'ऐज्युकेटेड' हो ज्यावै, मोटी रकम कमाण लाग ज्यावै, इंगरेजी मै गिटर-पिटर करण लाग ज्यावै... आछी बात है।

पण ओ नहीं भूलणो कै बानै पढाणै मै मायतां री कित्ती मैनत है, बै किंयाल्का-किंयाल्का फोड़ा उठाया है।

इण वास्तै ऐज्युकेशन रै साथै संस्कार भी सीखणा भोत जरुरी है। बाळपणै स्यूं ही आछा मिंतर (मित्र) बणाणै मै मायतां री बात मानणी-समझणी चाइजै। आछा ग्रन्थ पढणा चाइजै। पाठशाला (स्कूल) मै गुरुजी री कैयेड़ी बातां नै गुणनी चाइजै।

एक बात री गांठ मार लेणी चाइजै। कदैई आपरै मायतां रो मान मत मार्या। बिना मायत न तो थारो बजूद है न ही थारी पिछाण है। जे मायतां रै आगै बडा बणनै की चेष्टा करोला तो नीचै ही गिरोला।

आजकाळै भोत घरां मै बुढा मायत एकला ही सड़ रैया है। बांका जामेड़ा परदेसां मै बसग्या, बानै देस आयकर मायतां नै सम्भालणै री फुरसत नहीं है। पण याद राख्या - ऊपरलै की लाठी जद पड़ै है जणा सोक्यूँ मटियामेट हो ज्याया करै है।

अबै भी सम्भळ ज्याओ।

राम राम।

संगीतमय शाम सुहाना सफर का आयोजन

बैंगलुरु। माहेश्वरी सभा बेंगलुरु अनुभव मंच (वरिष्ठ सदस्यों के लिए) के अंतर्गत ''सुहाना सफर'' मधुर गाने और सुरीले संगीत से ओतप्रोत एक शाम का आयोजन माहेश्वरी भवन में किया गया। सभा सचिव भगवानदास लाहोटी ने बताया कि इसमें भागदौड़ की जिंदगी से अपने लिए कुछ फुर्सत के पल निकालकर लोगों ने गानों का भरपूर आनंद लिया। करीब 200 लोगो ने उपस्थिति दर्ज कराई और सभी ने थिरकते कदम और तालियों की गूंज के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। संगीतकार प्रदीप पाटकर एवं टीम के साथ शहर के जाने-माने गायक श्रुति भिड़े और यासीन खान ने अपनी प्रस्तुति दी। कलाकारों का सम्मान देवकी डागा एवं सभा अध्यक्ष निर्मल तापड़िया ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुनीता लाहोटी ने किया।

तहसील सभा के चुनाव सम्पन्न

माण्डलगढ़। तहसील माहेश्वरी सभा के चुनाव 12 जनवरी गुरुवार को माहेश्वरी धर्मशाला सिंगोली में सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश गन्दोदिया ने बताया कि इसमें मानसिंह मूंदडा विजय घोषित किये गये। कार्यकारणी में जगदीश सोमानी अध्यक्ष, गोपाल सोमानी उपाध्यक्ष, ओम प्रकाश लड्ढा मंत्री, सत्यनारायण नाराणीवाल केवायस, विनोद कुमार सोनी संगठन मंत्री, राजकुमार आगाल के. मंत्री आदि चुने गये।

युवक-युवती ऑनलाइन परिचय सम्मेलन

जयपुर। माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो की सभा 10 जनवरी, 2023 को श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर कार्यालय परिसर में संपन्न हुई। इसमें मासिक परिचय सम्मेलनों की श्रंखला में आयोजित हो रहे 22 जनवरी, 2023 के परिचय सम्मेलन के बाद वर्गीकृत श्रेणी के अनुसार मासिक परिचय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मैरिज ब्यूरो चेयरमैन संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस निर्णय के अनुसरण में समाज के उच्च शिक्षित प्रोफेशनल्स को उपयुक्त जीवनसाथी की खोज में सहायता प्रदान करने के लिए प्रथम ऑनलाइन परिचय सम्मेलन रविवार 19 फरवरी को आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। विवाह प्रकोष्ठ मंत्री सत्यनारायण करवा ने बताया कि ऑनलाइन परिचय सम्मेलन में भाग लेने के लिए 200 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 10 फरवरी सुनिश्चित की गई है।

योग शिविर का हुआ आयोजन

डीडवाना। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं लंबी आयु तक स्वस्थ्य रहने के लिए प्रतिदिन योग करना अत्यंत आवश्यक है। उक्त विचार श्री माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल 140 घर द्वारा आयोजित विवेकानंद जयंती पर योग शिविर में डॉ. वीणा सोनी ने व्यक्त किये। अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष सुषमा मालू एवं सचिव सविता भांगड़िया ने की। संस्था के सदस्यों के लिए एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्वस्थ जीवन जीने के लिए, नियमित व्यायाम एवं योग, हेल्दी भोजन एवं प्राकृतिक चीजों को जीवन के लिए किस तरह उपयोग करना आदि सिखाया गया। संयोजक प्रियंका भलिका थीं। आभार सुनीता भांगडिया ने माना।

नानीबाई का मायरा हुआ आयोजित

उदयपुर। महेश माहेश्वरी सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी के सान्निध्य में 5 दिवसीय नानी बाई का मायरा का आयोजन महेश माहेश्वरी सोसायटी एवं महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी द्वारा गत 28 दिसंबर से 1 जनवरी 2023 तक पुष्करदास महाराज के मुखारविंद से किया गया। कलशयात्रा द्वारा कथा का शुभारंभ किया गया एवम प्रतिदिन विभिन्न झांकियां सजाई गई। गत 31 दिसम्बर को प्रसादी व भजन संध्या का आयोजन रखा गया। महाआरती के साथ कथा का समापन 1 जनवरी को किया गया। महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी की अध्यक्षा नीलम पेडीवाल ने आभार व्यक्त किया। प्रचार प्रसार मंत्री अनिल कुमार सोमानी ने बताया कि इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जमनेश धूप्पड़, कमलेश धूप्पड़, जानकीलाल मूंदड़ा, श्यामलाल सोमानी, बालमुकुंद मंडोवरा, डॉ. सत्यनारायण माहेश्वरी, रामनारायण कोठारी एवम महेश माहेश्वरी सोसायटी के संरक्षक शंकरलाल भदादा आदि उपस्थित थे।

'जीवन में कोई भी भलाई व्यर्थ नहीं जाती
किसी ना किसी रूप में लौटकर
जरूर आती है..'

काल्या युवा फाउंडेशन की बैठक संपन्न

भीलवाड़ा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' की साधारण सभा की बैठक वर्चुअल प्लेटफार्म जूम पर संपन्न हुई। इसमें नेपाल, मुंबई, इंदौर, कोलकाता, अजमेर, मकराना, भीलवाड़ा, चेन्नई, चित्तौड़गढ़, जयपुर, हैदराबाद, जालौर सहित संपूर्ण भारत के अलग-अलग स्थानों से ट्रस्टियों ने भाग लिया। ट्रस्ट द्वारा खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक व अन्य उभरती हुई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने व राष्ट्रीय मंच प्रदान करने हेतु किए जा रहे कार्यों की सभी ट्रस्टियों ने सराहना की। 'काल्या फाउंडेशन' द्वारा अब तक लगभग 1,000 से अधिक समाज बंधुओं को सहयोग प्रदान किया जा चुका है। उक्त बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ ही सर्वसम्मति से ट्रस्ट की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष राजकुमार काल्या गुलाबपुरा, मंत्री प्रवीण सोमानी मुंबई, कोषाध्यक्ष मनोज तोषनीवाल गुलाबपुरा, संयुक्त मंत्री रूपेश सोनी हैदराबाद व कार्यालय मंत्री शिव काष्ट गुलाबपुरा का चयन किया गया। ट्रस्ट में कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अशोक ईनानी इंदौर, नारायण मालपानी मुंबई, आशीष जाखोटीया जयपुर, सुरेन्द्र रान्दड मकराना, सुमित काल्या गुलाबपुरा, सुभाष लड्ढा भीलवाड़ा, अमित राठी नेपाल का विधान अनुरूप सर्वानुमति से चयन हुआ।

नेत्ररोग परीक्षण शिविर संपन्न

वर्धा। स्थानीय माहेश्वरी नवयुवक मंडल, द्वारा नेत्ररोग परीक्षण एवं शस्त्रक्रिया शिविर गत 8 जनवरी को आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह में विधायक रामदास आम्बटकर, कस्तूरबा हेल्थ सोसाईटी के ट्रस्टी सीए परमानंद तापड़िया, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष सुनील तापडिया, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आशीष धिरण, प्रकल्प संयोजक अजय राठी, महेश नागरी पत संस्था के अध्यक्ष विशाल धिरण, बुलडाणा अर्बन सोसाइटी के विभागीय व्यवस्थापक राजेश बगाड़े आदि उपस्थित थे। मरणोपरांत नेत्रदान, देहदान का संकल्प करने वाले महानुभवो के परिवारजनों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी दिनदर्शिका का विमोचन किया गया। शिविर में 643 लोगों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। 171 लाभार्थियों का निःशुल्क ऑपेरशन किया जाएगा। साथ ही 130 जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मा भी वितरित किया जाएगा। मंच संचालन उमेश टावरी एवं आनंद चांडक ने किया। संयोजक लोकेश कुलधरिया, संजय मोहता, प्रकाश राठी, राजू राठी, सचिव चंदन टावरी, चेतन लड्ढा, श्रीनिवास मोहता, मोहित चांडक, लतीश पनपालिया, अभिजीत कुलधारिया, जगदीश जाजू, अनुराग राठी सहित सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ। आभार लोकेश कुलधारिया ने माना।

भक्तमाल कथा का किया आयोजन

बेंगलुरु। जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री मलुक पीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद दास देवाचार्य जी महाराज के श्रीमुख से बेंगलुरू आगमन पर माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी सभा द्वारा श्री भक्तमाल कथा का आयोजन किया गया। इसके प्रायोजक श्रीमती शकुंतला देवी बजाज परिवार रहे। माहेश्वरी सभा अध्यक्ष निर्मल कुमार तापड़िया, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट चेयरमैन मोहनलाल माहेश्वरी, माहेश्वरी फाउंडेशन के जॉइंट मैनेजिंग ट्रस्टी नंदकिशोर दरक, सभा कार्यसमिति सदस्य संजय साबु ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मृत्युंजय एवं भजन मंडली के साथ साथ सभा सदस्य गणेश लखोटिया एवं हरिकिशन सारडा के भजन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। माहेश्वरी सभा अध्यक्ष निर्मल कुमार तापड़िया, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट चेयरमैन मोहनलाल माहेश्वरी एवं प्रायोजक शकुंतला देवी सुनील बजाज परिवार ने श्री मलूक पीठाधीश्वर स्वामीजी का स्वागत एवं अभिनंदन कर आशीर्वाद लिया। संचालन सभा सचिव भगवानदास लाहोटी ने किया एवं बजाज परिवार का आभार प्रकट किया।

तहसील सभा के चुनाव संपन्न

डेगाना। तहसील माहेश्वरी सभा के चुनाव माहेश्वरी भवन डेगाना में चुनाव पर्यवेक्षक छीतरमल जाजू मकराना व परबतसर तहसील अध्यक्ष महावीर प्रसाद चांडक जावला की देखरेख में सम्पन्न हुए। इसमें डेगाना तहसील माहेश्वरी सभा अध्यक्ष नेमीचंद तोषनीवाल डेगाना निर्विरोध चुने गये। इसी प्रकार सचिव सुरेश मोदानी चांदारुण, कोषाध्यक्ष राकेश मून्दड़ा थांवला, उपाध्यक्ष रतनलाल खटोड़ डेगाना, संगठन मंत्री कैलाश तापड़िया हरसौर, सहसचिव राकेश करवा डेगाना निर्विरोध चुने गये।

कच्चे कान, शक्की नजर,
लालची स्वभाव और एक कमजोर मन..
इंसान को अच्छी समृद्धि के बीच में
भी नरक का अनुभव कराता है.!

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

राँची। मकर संक्रांति पर्व पर श्री माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में 14 व 15 जनवरी को कई सेवा एवं मनोरंजक कार्य किये गए। प्रवक्ता गिरिजा शंकर पेड़ीवाल ने बताया कि समाज द्वारा संचालित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में खिचड़ी, तिलकुट, चुड़ा और गुड़ का भोग लगाकर 1200 से अधिक लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। प्रत्येक रविवार को एकल अभियान के तहत माहेश्वरी भवन में पढने वाले स्लम क्षेत्र के बच्चों को भी खिचड़ी, तिलकुट, गुड़ और चुड़ा का वितरण किया गया। 14 जनवरी को महिला समिति ने अपराह्न 3 बजे से संध्या 6 बजे तक महिलाओं एवं बच्चों के लिए मकर सक्रांति की थीम पर कई मनोरंजक प्रतियोगिता का आयोजन किया। श्री माहेश्वरी सभा और युवा संगठन के तत्वावधान में 15 जनवरी को रक्तदान शिविर लगाकर 92 युनिट रक्त कमला देवी माहेश्वरी ब्लड बैंक को दिया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक बिपिन भाला और दिनेश काबरा थे। सभा अध्यक्ष शिव शंकर साबू एवं सचिव नरेन्द्र लाखोटिया ने आभार व्यक्त किया। इस सेवा कार्य के लिए राँची के सांसद संजय सेठ एवं पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारु ने कार्यक्रम स्थल पर आकर प्रोत्साहित किया। 15 जनवरी को महिला समिति ने राँची गौशाला में गौ सेवार्थ तुलादान का आयोजन भी किया। समाज की कई महिलाओं ने अपने वजन के बराबर गुड़, चोकर, हरा चारा इत्यादि का गौ सेवार्थ दान किया। इन सभी कार्यक्रम में किशन साबू, दीपक मारू, बसंत लखोटिया, गोवर्धन भाला, मनोज कल्याणी, सौरभ साबू आदि का सहयोग रहा।

महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

उदयपुर। गत 4 जनवरी 2023 को उदयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया। सर्वसम्मति से अध्यक्ष मंजू गांधी, सचिव रेखा असावा, कोषाध्यक्ष सुमित्रा देवपुरा व संगठन मंत्री मधु मूंदड़ा को चुना गया। पूर्व अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष व उदयपुर जिला संरक्षिका कौशल्या गट्टानी, प्रदेश संगठन मंत्री सरिता न्याति, उपाध्यक्ष सुमन सोनी, सह सचिव रितु समदानी, पूर्व जिलाध्यक्ष कविता बल्दवा सहित समस्त जिला पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छवि भदादा ने किया।

समाज संस्थाओं के चुनाव सम्पन्न

फरीदाबाद। माहेश्वरी समाज की चारों संस्थाओं के चुनाव सत्र 2022-2025 हेतु चुनाव अधिकारी उमेश धूत एवं मांगीलाल मून्धड़ा की देखरेख में गत 25 दिसम्बर को माहेश्वरी सेवा सदन में निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसके अंतर्गत माहेश्वरी मण्डल में अध्यक्ष- रामकुमार राठी, महासचिव-महेश गट्टानी, कोषाध्यक्ष-दुर्गाप्रसाद मून्धड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-महावीर प्रसाद बिहानी, उपाध्यक्ष-संजय सोमानी, सहसचिव-राकेश सोनी व संगठन मंत्री-मनीष नेवर चुने गये।

■ माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट में अध्यक्ष - कमल आगीवाल, सचिव -श्रवण मीमाणी, कोषाध्यक्ष - दिलीप जाजू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष -अरुण माहेश्वरी, उपाध्यक्ष - सुशील सोमानी व सहसचिव - रामनिवास भूतड़ा चुने गये।

■ माहेश्वरी महिला मण्डल में अध्यक्ष-पुष्पा झंवर, सचिव -ममता भट्टड़ व कोषाध्यक्ष-मंजु पेड़ीवाल एवं माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष -मोहित झंवर व सचिव-विकास झंवर चुने गये।

माहेश्वरी साहित्यकारों का सम्मान

नाथद्वारा। श्री भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह-2023 के अवसर पर साहित्य मण्डल श्री नाथद्वारा ने शताधिक कलमकारों का गत 6 जनवरी को नाथद्वारा में आयोजित साहित्यिक भव्य समारोह में साहित्य के उन्नयन एवं संवर्धन हेतु विशिष्ट योगदान के लिए सम्मान किया। माहेश्वरी साहित्यकार मंच द्वारा विभिन्न राज्यों से चयनित साहित्यकारों में डॉ. कलावती करवा को साहित्य सौरभ, गुलाबी नगरी जयपुर की मधु भूतड़ा 'अक्षरा', स्वाति सरू जैसलमेरिया जोधपुर, शशि लाहोटी कोलकाता व स्वाति मान्धना बालोतरा को काव्य कुसुम मानद उपाधि से विभूषित किया गया। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त साहित्यिक प्रतिष्ठान के प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा व उनके सहयोगियों द्वारा साहित्यकारों को प्रशस्तिपत्र, श्रीनाथ जी का चित्र, शाल, श्रीफल, प्रसाद, कलम व दुपट्टा भेंट किया गया।

'मौन और मुस्कान दो शक्तिशाली हथियार होते हैं, मुस्कान से कई समस्याओं को हल किया जा सकता है, और मौन रहकर कई समस्याओं को दूर रखा जा सकता है..'

को-ऑपरेटिव सोसायटी का अधिवेशन सम्पन्न

बूंदी। मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के सचिव लोकेश माहेश्वरी के मुख्य अतिथ्य में श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के सप्तम वार्षिक अधिवेशन का आयोजन हुआ। जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष विजेन्द्र माहेश्वरी व माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष भगवान बिरला ने भी सम्बोधित किया। अधिवेशन का संचालन उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता ने एवं वार्षिक प्रतिवेदन निदेशक मीनाक्षी काबरा ने प्रस्तुत किया। सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी ने संचालक मण्डल के पदाधिकारियों, निदेशको एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का उन्हें दिए सहयोग व समर्पणता के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए सभी को आभार पत्र प्रदान किए। इनके साथ ही सोसायटी के 75 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के 21 अंशधारियों को 'वरिष्ठजन सहकार सम्मान-2023' से अलंकृत कर सभी का प्रतीक चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। प्रतिभा सम्मान में केन्द्रीय एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कक्षा दसवीं एवं बाहरवी के चयनित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, सनदी लेखाकारो (CA) व उच्च शिक्षा क्षेत्र के मेघावी विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

कविता एवं आलेख वाचन प्रतियोगिता सम्पन्न

कोलकाता। रामगोपाल सोहिनीदेवी नागोरी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हिंदी साहित्य को जन चेतना से जोड़ने के संदर्भ में रोटरी सदन में तृतीय साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस गोष्ठी में प्रति वर्षानुसार हिंदी कविता एवं आलेख वाचन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्ज्वलित कर हीरामणि नागोरी, बंशीधर शर्मा एवं डॉ. बल्लभ नागोरी ने किया। स्वागत भाषण श्री डीडवाना नागरिक सभा के मंत्री हरीश तिवाड़ी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन अल्का माहेश्वरी एवं नीलम चौधरी ने किया। अतिथियों को अंगवस्त्र देकर प्रभादेवी, सरिता नागोरी, प्रिया लोहिया, मीना लाहोटी एवं पूनम सादानी ने सम्मानित किया। संयोजक अरूण प्रकाश मल्लावत ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश, नरेश, सूरज, किशन, निशा, अभिलाषा हेमा, ऋषभ, माधव, देवेश नागौरी, विवेक, निखिल लाहोटी आदि का योगदान रहा।

खटोड़ बने अध्यक्ष

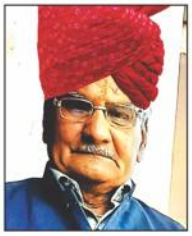

बागोर। समाजसेवी राधेश्याम खटोड़ अखिल भारतीय ग्रामीण माहेश्वरी सहयोग संस्थान 'मेजा' के अध्यक्ष चुने गये। यह संस्था माहेश्वरी समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आर्थिक उन्नति हेतु 25000/- का ऋण बिना ब्याज के प्रदान करती है। श्री खटोड़ समाज की मासिक पत्रिका पार्वती सेवा संस्थान एवम बागोर स्थित श्री कृष्ण गोपाल गौ शाला के अध्यक्ष का दायित्व भी सम्भाल रहे हैं। पूर्व में जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मण्डल में भी रहे हैं एवं माहेश्वरी बालक छात्रावास भीलवाड़ा के भी संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं।

माहेश्वरी संगठन के चुनाव सम्पन्न

अमरावती। जिला माहेश्वरी संगठन अंतर्गत चांदुर रेलवे तहसील माहेश्वरी संगठन के चुनाव आयोजित किए गए। इसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी निर्विरोध घोषित की गई। इसमें अध्यक्ष किशोर गंगन दोबारा चुने गये। उपाध्यक्ष राजेश मूंदड़ा, सचिव विजय कलंत्री, सहसचिव जयेद्र टावरी, कोषाध्यक्ष दिलीप मूंदड़ा, संगठन मंत्री गोपाल पनपालिया, प्रचार मंत्री दिलीप चांडक निर्विरोध चुने गये। कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ।

श्रेया को रायफल शूटिंग में सिल्वर

बीकानेर। समाज सदस्य श्रीलाल चाण्डक की सुपौत्री और राज चाण्डक की 14 वर्षीया सुपुत्री श्रेया ने राजस्थान राज्य स्तर की 66 वीं रायफल शूटिंग में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। अब श्रेया राष्ट्रीय स्तर के शिविर में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी।

नन्ही काव्या को कई पुरस्कार

पिपरिया (मध्यप्रदेश)। आरती- उमेशकुमार सुरजन की सुपुत्री व स्व. श्री नन्दकुमार - नीलम सुरजन की पौत्री 29 अक्टुबर 2018 को जन्मी काव्या सुरजन ने विशिष्ट प्रतिभा का परिचय दिया। काव्या ने मात्र 3 वर्ष 7 महीने 16 दिन की अल्पायु में एक मिनट में गायत्रीमंत्र को शुद्धतापूर्वक सोलह बार स्पष्टता के साथ सुनाकर अनेकानेक पुरस्कार और आशीर्वाद प्राप्त किए।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

लखनऊ। गत 7 जनवरी को नीता सादानी अध्यक्षा के निवास स्थान पर माहेश्वरी महिला मंडल लखनऊ के चुनाव कराए गए। इसमें अध्यक्ष किरण कलंत्री, मंत्री मनीषा चोला, कोषाध्यक्ष नेहा असावा व अन्य पदाधिकारियों का चयन किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत व अभिनंदन किया गया।

क्षेत्रीय महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

इंदौर। श्री बालाजी क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन के नवीन सत्र 2023 - 25 हेतु पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यों के निर्वाचन स्थानीय मुकुट मांगलिक परिसर में निर्वाचन अधिकारी शोभा माहेश्वरी द्वारा संपन्न करवाये गयें। इसमें अध्यक्ष- माधुरी सोमानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- ललिता मानधन्या, उपाध्यक्ष- सुषमा चिचानी, सचिव - रेखा काकानी, संगठन मंत्री- ज्योति भरानी, कोषाध्यक्ष - मंजू लाहोटी, प्रचार मंत्री- ममता आगाल, संयुक्त मंत्री- अर्चना सोमानी व सांस्कृतिक मंत्री- नीता सोमानी चुनी गयीं। कार्यसमिति सदस्यों का चयन भी किया गया।

लड्ढा परिवार का हुआ सम्मेलन

पुष्कर। लड्ढा परिवार का सम्मेलन गत दिनों तीर्थराज पुष्कर में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के दौरान शिक्षा, व्यापार, चिकित्सा, स्टार्टअप के बारे में विस्तृत चर्चा के साथ ट्रस्ट बनाने की भी विधिवत घोषणा हुई। इसके माध्यम से लड्ढा परिवार के जरूरतमंद लोगों को विभिन्न सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। आयोजन के बीच प्रभातफेरी व महाआरती आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम के सुत्रधार रहे महू इंदौर के नरेंद्र लड्ढा, विमल लड्ढा जयपुर, संजय लड्ढा राजनांदगांव, राजेश लड्ढा भोपाल आदि ने बताया कि इस अविस्मरणीय कार्यक्रम के लिए भामाशाहों ने दिल खोल कर सहयोग किया। कार्यक्रम में बैंगलोर नावा निवासी मूलचंद राजकुमार लड्ढा का विशेष सहयोग रहा। कोलकाता निवासी तबीजी के मूलनिवासी जोधराज लढ़ा ने आर्थिक सहयोग के साथ-साथ पूरे आयोजन पर नजर रखी। भीलवाड़ा निवासी नारायण लड्ढा ने भी दिल खोलकर सहयोग दिया। चित्तौड़ इचलकरंजी निवासी कैलाशचंद्र महेश लड्ढा, ब्यावर निवासी घनश्याम लड्ढा, बाबूलाल लड्ढा, दिल्ली निवासी रमेश लड्ढा, औरंगाबाद निवासी संतोष कमल लड्ढा, नासिक निवासी प्रकाश लड्ढा, हेमराज लड्ढा, फरीदाबाद निवासी सी ए मधुसूदन लड्ढा, रजनीश लड्ढा, गूदड़मल लड्ढा नावां, विपिन लड्ढा सहित अनेकों लोगो ने सहयोग दिया। भोपाल निवासी राजेश लढ़ा, किशनगढ निवासी अनिल लढा, नासिक निवासी निशा लढ़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस सम्मेलन की खास बात यह है कि सम्मेलन के आयोजक विमल लड्ढा, जयपुर, राजकुमार लड्ढा कोटा, संजय लड्ढा राजनांदगांव छत्तीसगढ़, राजेश लड्ढा भोपाल, नरेंद्र लड्ढा महू, अनिल लड्ढा किशनगढ़, भगवान लड्ढा जयपुर, गोपाल लड्ढा मनासा, कल्पेश लड्ढा अमरावती आदि कभी आपस में नही मिले और ना ही एक दूसरे को जानते थे। इनकी मुलाकात सोशल मीडिया के माध्यम से हुई और इस सम्मेलन का कार्यक्रम बना।

माहेश्वरी समाज के निर्वाचन सम्पन्न

सरवन। माहेश्वरी समाज के 31 सदस्यों के कार्यकारिणी मण्डल का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष-प्रकाश सोमानी, उपाध्यक्ष-दशरथ तोतला, सचिव-प्रकाश झंवर, कोषाध्यक्ष-जगदीश लड्ढा, सहसचिव-जितेन्द्र परवाल आदि निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गये। साथ ही शेष 6 कार्यसमिति के सदस्य घोषित किये गये। अंत में निवृत्तमान अध्यक्ष राधेश्याम तोतला द्वारा अध्यक्ष प्रकाश सोमानी एवं सभी सदस्याओं का हार्दिक स्वागत किया गया।

आपका 'स्वाभिमान' यदि किसी को 'अभिमान' लग रहा है.. तो उसे बिलकुल लगने दीजिए.. क्योंकि उसे दोनों के बीच का 'अंतर' ज्ञात नहीं है.!

पद्मभूषण से सम्मानित होंगे कुमार मंगलम

गणतंत्र दिवस के अवसर पर हुई सम्मान की घोषणा-ट्रेड एण्ड इंडस्ट्री के लिये मिलेगा यह अवार्ड

दिल्ली। देश के ख्यात उद्यमी आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमेन कुमार मंगलम बिड़ला को ट्रेड एण्ड इंडस्ट्रीज क्षेत्र में दिये गये उनके अभूतपूर्व योगदान के लिये राष्ट्रपति द्वारा देश के शीर्ष ''पद्मभूषण'' सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। श्री बिड़ला को यह सम्मान महाराष्ट्र राज्य के कोटे से प्रदान किया जा रहा है।

देश की राष्ट्रपति महामहिम द्रोपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस के पूर्व दिवस को 106 पद्म अवार्ड की घोषणा की। जिसमें 9 देश के शीर्ष सम्मानों में शामिल पद्मभूषण अवार्ड में से ''ट्रेड एण्ड इंडस्ट्रीज'' श्रेणी का महाराष्ट्र राज्य के कोटे से अवार्ड श्री बिड़ला को प्रदान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि औद्योगिक क्षेत्र में योगदानों के लिये श्री बिड़ला को अभी तक कई संस्था-संगठनों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। श्री बिड़ला को औद्योगिक क्षेत्र में योगदान हेतु बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा मानद् डी.लिट्. की उपाधि से भी सम्मानित किया गया था। भारत में आदित्य बिड़ला ग्रुप की प्रमुख कम्पनियों में ग्रेसिम, हिंडाल्को, अल्ट्राटेक सीमेंट, आदित्य बिड़ला नुवो, आइडिया सेल्युलर, आदित्य बिड़ला रिटेल और कनाडा में आदित्य बिड़ला मिनिक्स आदि शामिल है। बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स पिलानी) के वे कुलाधिपति हैं।

अचानक सम्भाली थी बड़ी जिम्मेदारी

सन 1995 में अपने पिता श्री आदित्य बिड़ला के अकस्मात् निधन के बाद कुमार मंगलम बिड़ला समूह के अध्यक्ष बनाये गए। उस समय उनकी उम्र मात्र 28 साल थी और लोगों ने इतने बड़े बिड़ला साम्राज्य को चलाने में उनकी काबिलियत पर प्रश्न उठाये पर उन्होंने अपने कौशल, लगन, मेहनत और सोच से न सिर्फ आदित्य बिड़ला समूह को आगे बढ़ाया बल्कि नए क्षेत्रों में भी कंपनी का विस्तार किया। उन्होंने दूरसंचार, सॉफ्टवेयर और बी.पी.ओ. जैसे क्षेत्रों में कंपनी का विस्तार किया और पहले से मौजूद धंधों (टेक्सटाइल, सीमेंट, एल्युमीनियम, उर्वरक आदि) को मजबूती प्रदान की। भारत के साथ आदित्य बिड़ला ग्रुप का कारोबार लगभग 40 देशों में फैला है जिनमे प्रमुख हैं, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फ़िलीपीन्स, मिस्र, कनाडा, चीन और ऑस्ट्रेलिया आदि। सन 1995 में जब उन्होंने आदित्य बिड़ला ग्रुप की कमान संभाली थी, तब ग्रुप का टर्नओवर था 2 अरब अमेरिकी डॉलर जो उनके नेतृत्व में बढ़कर लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। समूह लगभग 130000 लोगों को रोज़गार प्रदान करता है और इसकी कमाई का कुल हिस्से का लगभग 60 प्रतिशत विदेशों से आता है।

कई जिम्मेदारी के साथ मिला सम्मान

श्री बिड़ला ग्रुप की कंपनियों के साथ कुमार मंगलम बिड़ला समय-समय पर विभिन्न नियामक और व्यावसायिक बोर्डों पर कई महत्वपूर्ण और जिम्मेदार पदों पर भी रहे हैं। वे सन 2006 और 2007 में कंपनी मामलों के मंत्रालय द्वारा गठित सलाहकार समिति के अध्यक्ष थे। वे प्रधानमंत्री द्वारा गठित व्यापार और उद्योग के सलाहकार समिति के सदस्य रहे। इसके साथ वे उद्योग और वाणिज्य मंत्री द्वारा गठित व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष और भारतीय रिज़र्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स के सदस्य भी रहे। जून 2006 में, मोंटे कार्लो मोनाको के अन्र्स्ट एण्ड यंग उद्यमी पुरस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्हें अन्र्स्ट एण्ड यंग वर्ष के विश्व उद्यमी अकादमी के एक सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। 2005 'वर्ष के अन्र्स्ट एण्ड यंग उद्यमी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बिजनेस टूडे द्वारा 'सीईओ श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ युवा प्रदर्शन' के लिए नामित किया गया। पीएचडी चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा उद्योग रत्न से सम्मानित किया गया। 2004 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डावोस) के द्वारा उन्हें यंग ग्लोबल लीडर्स में से एक के रूप में चुना गया। इस हैसियत से कुमार मंगलम बिरला अगले पांच वर्षों में 'उम्मीद, प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन' के भविष्य के लिए प्रवेशक के रूप में अपने ज्ञान, विशेषज्ञता और ऊर्जा को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध रहे।

माहेश्वरी अध्यक्ष एवं जागेटिया सचिव

सुनील माहेश्वरी

सुनील जागेटिया

सूरत। जिला माहेश्वरी सभा के अन्तर्गत आने वाली क्षेत्रिय सभा अड़ाजन घुड़दौड़ रोड़ माहेश्वरी सभा के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से सुनील माहेश्वरी अध्यक्ष, सुनील जागेटिया सचिव, घनश्याम सोनी कोषाध्यक्ष एवं विष्णु बसेर संगठन मंत्री, कमलेश लाहोटी एवं कमलेश कोठारी उपाध्यक्ष तथा रविन्द्र देवपुरा व रविन्द्र झंवर सह-सचिव निर्वाचित घोषित किए गए। निवर्तमान सभा अध्यक्ष रामसहाय सोनी ने निर्विरोध निर्वाचन पर सभी कार्यकारी मंडल सदस्यों एवं समाज के वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया।

जिस व्यक्ति ने पहला कदम उठा लिया है..
वह अंतिम भी उठा लेगा..
कठिनाई पहले कदम में ही है, अंतिम में कोई कठिनाई नहीं है..!

सहायता सामग्री का किया वितरण

अमरावती। शहर के माहेश्वरी समाज के अत्यल्प आय वाले माहेश्वरी परिवारों की सहायतार्थ गठित माहेश्वरी आधार समिति अमरावती विगत आठ वर्षों से, समाज के जरूरतमंद परिवार, वृध्दजन, विधवा माता बहनों के जीवन यापन हेतु वर्ष भर में 8 से 10 लाख की सहायता राशि का वितरण समय-समय पर करती रहती है। स्व. श्रीमती सरलादेवी लोहिया का 16 जनवरी 2016 का हृदय विकार से दुःखद निधन हुआ था। उनकी स्मृति में डॉ. सत्यनारायण लोहिया महकर निवासी एवं उनके परिवारजनों की ओर से माहेश्वरी आधार समिति अमरावती के माध्यम से हर वर्ष उनके स्मृति दिन पर 61000/- रुपये की राशि से जीवनावश्यक सामग्री का विवरण गत 7 वर्षों से किया जा रहा है। सहायता सामग्री वितरण समारोह में मचार आधार समिति अध्यक्ष राजेश कासट उपाध्यक्ष ओमप्रकाश, सचिव बंकरलाल राठी, सत्यनारायण लोहिया, राजेश लोहिया, युवा संगठन, अध्यक्ष वैभव लोहिया एवं डॉ. सुभाष राठी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर करीब 60 परिवारों में किराना एवं जीवनावश्यक सामग्री का वितरण लोहिया परिवार की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। समिति की ओर से जल्द ही सहायता की दूसरी किश्त का वितरण किया जाएगा।

मंदिर निर्माण में आर्थिक सहयोग

जावरा। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन जावरा के सौजन्य से गोपाल गौशाला के परिसर मे गोपेश्वर महादेव मंदिर के निर्माण हेतु 51 हजार रुपये की राशि गोशाला के संस्थापक को संगठन के वरिष्ठ सदस्यों के कर कमलो द्वारा प्रदान की गई। इसी के तहत महादेव मंदिर मे अभिषेक किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम मे माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल मुंदड़ा सहित समाज के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य तथा साथ ही युवा संगठन के सदस्य उपस्थित थे। माहेश्वरी महिला संगठन की जिलाध्यक्ष अनीता मालपानी, सचिव अंगूरबाला मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष इन्द्रा जाजू, पूर्व जिलाध्यक्ष सुधा मेहरा एंव वरिष्ठ सदस्य पुष्पा सोडानी, गीता सारडा, किरण डारिया, सरस्वती सारडा, मधु झंवर, चंदा झंवर, सरोज झंवर, जीवन भूतड़ा, कविता मूदड़ा, संतोष राठी, ललिता मेहरा, ललिता सोनी, विद्या लड्ढा, चंदा मालानी, शकुंतला सारड़ा, राधा भूतड़ा, वर्तमान अध्यक्ष मधु मेहरा आदि सभी वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

// विनम्र श्रद्धांजलि //

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति,
वरिष्ठ समाजसेवी, हम सबके आत्मीय एवं
मेरे अजीज स्व. श्री बनवारीलाल जी जाजू
की धर्मपत्नि नेत्रदानी

श्रीमती गायत्री देवी जाजू

के निधन पर विनम्र, अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

पद्मश्री बंशीलाल राठी
(चेन्नई)
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

राजेश कोठारी

विकास डोडिया

सूरत। जिला माहेश्वरी समाज के अंतर्गत भटार माहेश्वरी सभा के चुनाव सत्र 2022-2025 के लिए निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष राजेश कोठारी, सचिव विकास डोडिया, कोषाध्यक्ष नंद किशोर दरक तथा संगठन मंत्री शिवकुमार चांडक चुने गये। इसमें उपाध्यक्ष विक्रम करनानी, आलोक लड्ढा तथा सह सचिव गोपाल बांगड़, श्यामसुंदर भूतडा भी निर्वाचित हुए।

प्रवासी अतिथियों का किया सम्मान

इंदौर। प्रवासी सम्मेलन में आबूधाबी से आये अतिथियों का इंदौर एयरपोर्ट पर श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाज इन्दौर के अध्यक्ष बलदेवदास जाजू, पार्षद बरखा नितिन मालू एवं संध्या डांगी ने मालवा की परम्परागत संस्कृति के अनुसार स्वागत किया। आबूधाबी से पधारे फ्रेंड्स ऑफ एम.पी. के सचिव सी.ए. नितिन सारड़ा ने अपने पिताजी की पुण्य स्मृति होने के कारण विद्याधाम जाकर गो सेवा करने की इच्छा जाहिर की। उनके साथ उनकी पत्नी माधुरी सारड़ा, भाई श्याम सारड़ा एवं बहन किरण कैलाश लखोटिया, राधिका कृष्णकांत मूंदड़ा एवं विनीता माहेश्वरी भी थे।

डीजे नाइट का किया आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित बॉलीवुड थीम पर डीजे नाइट-2023 का आयोजन फायर एंड फ्लेम बेंकवेट हिमालया माल में किया गया। इसमें 450 से ज्यादा लोगों की उपस्थिति रही। गेम्स और डीजे फ्लोर पर लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। विजेताओं को बेस्ट कपल ड्रेस, बेस्ट मेल ड्रेस और बेस्ट फीमेल ड्रेस का अवार्ड दिया गया। AMYS की युवा टीम ने सभी सदस्यों का अभिवादन भी किया।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

ग्वालियर। जिला माहेश्वरी सभा के निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें उमेश होलानी जिला अध्यक्ष, सुनील लोईवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दीपक पेडीवाल जिला सचिव, श्याम लड्ढा, संजय तोषनीवाल, यतींद्र गुप्ता उपाध्यक्ष, संदीप भूतड़ा, नरेश गुप्ता, भूपेंद्र माहेश्वरी संयुक्त सचिव, रविंद्र माहेश्वरी संगठन मंत्री, मनीष लखोटिया कोषाध्यक्ष व कमल बांगड़ प्रचार मंत्री चुने गये। प्रदेश कार्यकारी मंडल में सदस्यों का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

आदर्श पत संस्था पुरस्कार का वितरण

मलकापुर। विदर्भ क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी फेडरेशन लिमिटेड अमरावती द्वारा स्व. श्री गोपालराव राजूरकर स्मृति आदर्श पतसंस्था पुरस्कार स्पर्धा 2021-22 तथा वर्षभर जिलास्तरीय स्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कार का वितरण किया। इसके साथ ही प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन भी हुआ। विदर्भ क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप राजूरकर की अध्यक्षता में ऑडिटर श्वेता जायसवाल-सचिव सहकारी बार एसोसिएशन के आतिथ्य में महेश सुनील अग्रवाल-प्रबंधक-अर्बन क्रेडिट यूनियन, परमानंद व्यास व सदाशिव मोगरे का प्रमाण-पत्र व स्मृति चिह्न देते हुए सम्मान किया। कार्यक्रम में विदर्भ के प्रकाश जाधव, वसूली सलाहकार अकोला राम हेड़ा सी.ए. ने विषयवार प्रशिक्षण दिया।

अंत का भी अंत होता है.. कुछ भी कहां अनंत होता है..
पतझड़ भी एक घटना है, बारह महीने कहां बसंत होता है..!!

सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

हैदराबाद (तेलंगाना)। माहेश्वरी समाज महाराजगंज क्षेत्र द्वारा 01 जनवरी 2023 को पुणे वासी कमलेश महाराज की अमृतवाणी में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रामदेव सारड़ा, व मंत्री नरेश भूतड़ा ने बताया कि समारोह में उपस्थित परामर्शदाता- नंदगोपाल भट्टड़, भगवानदास पसारी, अध्यक्ष-रामदेव सारडा, मंत्री-नरेश भूतड़ा, कोषाध्यक्ष-दीपक बल्दवा, अभिषेक इन्नानी, अभिषेक सारडा, आकाश काकाणी, अंकित मालानी, अंकित बाहेती, दीपक भट्टड, दिनेश सारडा, गोपाल राठी, कैलाश झवर, कमलकिशोर राठी, महेश साबू, निखिल पंसारी, ओमप्रकाश असावा, पवन असावा आदि समस्त कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पुणे। स्व. श्री मुरलीधर व स्व. श्री अशोक नावंदर इनकी स्मृति में गत 8 जनवरी को संत तुकाराम उद्यान स्थित श्री विट्ठल मंदिर में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। रक्तदान की शुरूआत लायन्स क्लब आकुर्डी पुणे के चेयरमेन उद्योगपति अनिल भांगड़िया के रक्तदान से हुई। इस शिविर में महेश बैंक पुणे के उपाध्यक्ष जुगल पुंगलिया, राजेश लोहिया, सत्यनारायण मालू व सीए नंदकिशोर तोषनीवाल आदि उपस्थित थे। अतिथियों तथा रक्तदाताओं का स्वागत नावंदर परिवार के सुभाष, सुरेश, रामचंद्र, सचिन, मनीष तथा कु. वैदेही ने किया। महेश सांस्कृतिक मंडल के पांडूलाल सोनी, मुरली सारडा, शिरीष मानुधने, सतीश सोमाणी आदि का सहयोग रहा।

इन्सान का 'भाग्य' के आधीन निश्चिंत रहना अकर्मण्यता है..
क्योंकि भाग्य का ताला 'कर्म' की चाबी के बिना नहीं खुलता है.!

स्टेच्यू ऑफ युनिटी का अवलोकन

उज्जैन। संस्था माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप द्वारा केवड़िया (गुजरात) स्थित स्टेच्यू ऑफ युनिटी की यात्रा का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष प्रमोद जैथलिया ने बताया कि संस्था सदस्य श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती इस यात्रा के संयोजक थे। इसमें लगभग संस्था के 22 सदस्य शामिल हुए।

सोमानी का किया स्वागत

जालना। हैदराबाद के ख्यात समाजसेवी पुरूषोत्तम सोमानी के प्रयासों से कैंसर की दवाओं की कीमत 80 से 90 प्रतिशत तक कम हुई है। इस उपलब्धि को लेकर गत दिनों आयोजित महाराष्ट्र ट्रेड फेयर जालना में राधेश्याम चांडक चेयरमैन बुलडाना अर्बन बैंक, श्याम सोनी सभापति अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा, माजी आमदार सुरेश जेथलिया और श्रीकिशन भंसाली अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा ने श्री सोमानी का अभिनंदन किया।

वेलनेस पर आयोजित हुआ टॉक शो

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा गत 19 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे से 4:00 बजे तक MPS जवाहर नगर के "तक्षशिला सभागार" में "A WELLNESS CHAT ON HEART TO HEART" विषय पर एक टॉक शो आयोजित किया गया। इसमें डॉ. नरेश त्रेहान (चेयरमैन एवं डायरेक्ट्रर मेदांता अस्पताल, गुडगांव) का दिल से दिल पर एक वेलनेस चैट का प्रेरणादायी उद्बोधन हुआ। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, समाज महामंत्री मनोज मूंदड़ा, महासचिव शिक्षा मधुसूदन बिहाणी, शिक्षा सचिव सीए. अमित गट्टानी, राजेश कालानी फाउण्डेशन के ट्रस्टी सुरेश कालानी, शांतिलाल जागेटिया, महेश साबू, पुनीत-तरूण कालानी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में लगभग 600 से 700 बन्धु लाभांवित हुए। डॉ. त्रेहान का पुष्पगुच्छ, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

निःशुल्क नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। आरकेआरसी महेश बचत समिति भीलवाड़ा एवं रामस्नेही चिकित्सालय के तत्वावधान में गत 8 जनवरी को निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, दिलीप लाहोटी एवं राजेंद्र पोरवाल द्वारा किया गया। समिति अध्यक्ष कैलाश दरगड ने बताया कि वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉक्टर सुरेश भदादा द्वारा 96 रोगियों के नेत्रों की जांच कर आवश्यकतानुसार दवाएं उपलब्ध कराई गई। समिति के सचिव दिनेश कुमार काबरा ने बताया कि इस अवसर पर रमेश चंद्र लड्ढा,अरुण असावा, सुनील मूंदड़ा, सत्यनारायण तोषनीवाल, आशीष चेचानी, प्रवीण ईणानी, सुरेश माहेश्वरी, बालमुकुंद जाजू, रामनिवास भूतड़ा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

उमा सोमानी

सविता राठी

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनावों में सर्वसम्मति से उमा सोमानी-अध्यक्ष एवं सविता राठी - मंत्री निर्वाचित हुई। चुनाव अधिकारी मंजु सोनी ने बताया कि अन्य पदाधिकारियों में अनिता मूंदड़ा, इन्दिरा अजमेरा एवं विजयलक्ष्मी लड्ढा-उपाध्यक्ष, गायत्री परवाल-कोषाध्यक्ष, ममता जाखोटिया-प्रचार एवं संगठन मंत्री, कृष्णा सोनी-सांस्कृतिक मंत्री, मीना बिन्नानी, संतोष लड्ढा एवं सीमा अजमेरा-संयुक्त मंत्री तथा रजनी पेडीवाल - कार्यालय मंत्री निर्वाचित हुई। चुनाव प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक प्रेमकला कालानी एवं जिला महिला संगठन की संरक्षक उमा परवाल की देखरेख में सम्पन्न हुए।

ठगों से रहें सावधान

गत दिनों समाज के लोगों के साथ ठगी की घटना हुई है। इसमें दो ठग जो अपना नाम मोहित कुमार तथा विवेक भूतड़ा अपने आपको पुत्र-पिता बताते हैं। इन घटनाओं को अंजाम दे रहे है। ये अपने आपको हिमाचल प्रदेश का निवासी बताते हैं। मोहित अपने आपको सेवफल व्यापारी तथा रिसोर्ट मालिक बताता है। वहीं कथित उसका पिता विवेक अपने आपको शासन का चुनाव अधिकारी बताता है। ये अपने आपको माहेश्वरी समाज का बताते हुए समाज के प्रबुद्धजनों का परिचय बताते हुए अपने साथ चोरी होने की घटना बताकर किराये व खर्च आदि के नाम पर मदद के रूप में समाजजनों से पैसे ऐंठ कर रफूचक्कर हो जाते हैं। इनके दिये फोन नम्बर पर भी सम्पर्क नहीं हो पाता। अतः समाजजनों से निवेदन है कि ऐसे ठग यदि सम्पर्क में आये तो सतर्क रहें और उनके बहकावे में न आऐं।

'माहेश्वरी ऑफ द ईयर' अंक का विमोचन

उज्जैन। बुलढाणा अर्बन कोऑपरेटिव सोसायटी के सीएमडी डॉ. सुकेश झंवर तथा बुलढाणा अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रसन्ना चाण्डक अपनी धार्मिक यात्रा पर उज्जैन आये। यहाँ श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय पर दोनों अतिथिगण का स्वागत सम्पादक पुष्कर बाहेती व प्रबंध सम्पादक सरिता बाहेती ने किया। इस अवसर पर अतिथिगण डॉ. झंवर तथा श्री चाण्डक के हाथों श्री माहेश्वरी टाईम्स के ''माहेश्वरी ऑफ द इयर'' विशेषांक का विमोचन किया गया।

गोदारंगनाथ का मना विवाह उत्सव

हैदराबाद। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल चप्पल बाज़ार द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर में जारी धनुर्मास उत्सव के अंतर्गत श्री गोदारंगनाथजी का विवाह उत्सव मनाया गया। मंडल के मंत्री भरत जाजू ने बताया कि प्रातःकाल की आरती के साथ ही विवाह उत्सव प्रारम्भ हुआ। बधाई गीत, मंगल पाठ एवं भजन के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। वर पक्ष नारायणदास प्रदीपकुमार चांडक परिवार के घर से श्रीरंगनाथ भगवान की निकासी अल्पाहार के साथ हुई। रंगनाथजी की बारात असावा रेसिडेंसी, कृष्णा ग्रन्डियूर, विनायक निवास से होते हुऐ क्वालिटी गर्दिनिया अपार्टमेंट से फिर बाज़ार भ्रमण करते हुए गाजे बाजे के साथ मंदिर पहुँची। इस अवसर पर वधु पक्ष वेणुगोपाल आनंदकुमार भराड़िया परिवार ने गोदा को रंगनाथ के साथ विराजमान कर वर पक्ष और वधु पक्ष दोनों ने नाचते गाते हुए मंदिर में प्रवेश किया। मथुरादास वेणुगोपाल बंग परिवार ने गोदा को मामा फेरे दिलाये। श्री गोदारंगनाथ का विधिवत पाणिग्रहण संस्कार पूर्ण करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित मंडल सदस्य कैलाश काबरा, भरत जाजू, प्रदीप चाण्डक, श्यामसुन्दर राठी, सुरेश बंग, वेणुगोपाल बंग, श्याम मोदानी, जगदीश काकाणी, आनंद भराडिया, मुरलीधर अट्टल ,घनश्याम लोया, राजेन्दर धूत, प्रदीप जाजू, ओमप्रकाश जाजू, जगदीश भराडिया, राजाराम सोनी, शैलेश सोनी ,घनश्याम चाण्डक, महेश असावा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

नार्थ अमेरिका माहेश्वरी महासभा का चतुर्थ वर्षीय महासम्मेलन सम्पन्न

टेक्सास (यूएसए)। गत 24 नवम्बर से 27 नवम्बर 2022 तक नार्थ अमेरिका माहेश्वरी महासभा का चतुर्थ वर्षीय महासम्मेलन (कन्वेंशन) होस्टन (टेक्सास) में होटल मेरिऑट में आयोजित किया गया। इसमें नार्थ अमेरिका के लगभग 1200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उक्त महासम्मेलन में चार दिन में विभिन्न भारतीय रस्म- रिवाज़ पर कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा भारतीय रस्म-रिवाज़, त्योहार एवं अन्य उत्सवों का बखूबी प्रचार प्रसार किया गया। इसमें चार दिनों तक भारतीय व्यजंन ही ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में परोसे गये। सभी प्रतिनिधियों का आपस में परिचय भी कराया गया। सभी चैप्टर्स के कुछ प्रतिनिधियों को विभिन्न कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी दी गयी जिनको उन्होंने बखूबी सम्भाला। उक्त महाधिवेशन में वेस्ट कोस्ट कैलिफोर्निया चैप्टर की प्रेसिडेंट भीलवाड़ा (राजस्थान) निवासी दीपाली पति जितेन्द्र दरगड़ को भी उनके द्वारा दिये गये विशिष्ट सामाजिक एवं आर्थिक योगदान के कारण शाल ओढ़ाकर एवं मोमेन्टो देकर स्टेज पर रेणु खटोड चांसलर होस्टन युनिवर्सिटी के हाथो सम्मानित किया गया। जितेन्द्र दीपाली दरगड़ ने अपने लास ऐंजेल्स हाऊस पर भी अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया। इसमें 160 माहेश्वरी बंधुओ ने शिरकत कि जिसमें 56 भोग का कार्यक्रम भी रखा था। इसमें लोस एंजिल्स के बसंत राठी, कैलाश अटल, श्याम एवं राम बाहेती, जीत माहेश्वरी आदि कई गणमान्यजनों ने कार्यक्रमों में शिरकत की। अंत में दीपाली दरगड़ ने सभी आगंतुको का आभार व्यक्त किया।

खास लोगों की खास पसंद

- मालवा का प्रसिद्ध पोहा '**राजहंस**'
- **हींग** अफगानी शुद्ध
- शुद्ध **कपूर**, शुद्ध **शहद**
- गरम मसाला, चाय मसाला
- केर, सांगरी, काचरी, धावडा गोंद
- कुमकुम (हल्दी), नेचरल मेहंदी
- चिया सीड्स, पमकीन सीड्स
- सनफ्लावर सीड्स , सब्जा सीड्स

साथ ही फोटो फ्रेम्स

- बारह ज्योतिर्लिंग
- अष्ट विनायक
- श्रीनाथजी

उज्जैन पर्यटन की सारी व्यवस्था (रहना, खाना, यातायात आदि)

ब्रजेश राठी C/o जयप्रकाश जितेन्द्रकुमार राठी

(सूखा मेवा, पूजन सामग्री, जापे के सामान के थोक विक्रेता)

19, फव्वारा चौक, उज्जैन (म.प्र.) मो. 8103131030

ऋषभ सीए इंटर उत्तीर्ण

मालेगांव। कवियत्री सुमिता एवं समाजसेवी राजकुमार मूंधड़ा के सुपुत्र ऋषभ मूंधड़ा ने सीए इंटरमीडिएट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। साथ ही बी.कॉम की परीक्षा में भी ऋषभ ने सराहनीय सफलता पाई है तथा अब आर्टिकलशिप के साथ सीए फाइनल की तैयारी कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अमन बने सीए

महिदपुर रोड। द इंस्टिट्यूट आफ चार्टेड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा सीए फायनल के घोषित परीक्षा परिणाम में नगर के संजय मंडोवरा के सुपुत्र अमन मंडोवरा फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर सी ए बने। उल्लेखनीय है कि मंडोवरा परिवार से पूर्व में दो बेटे सी ए परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सी ए बन चुके हैं।

पार्थ सीए इन्टर उत्तीर्ण

दुर्ग (छ.ग.)। समाज सदस्य दीपक - मंगला भूतड़ा के सुपुत्र पार्थ ने सीए इंटरमीडिएट की परीक्षा 445 अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गुंजन बने सीए

रतलाम। समाज सदस्य नरेंद्रकुमार बाहेती के सुपुत्र गुंजन माहेश्वरी (बाहेती) ने सीए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस सफलता पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

स्वप्निल बने सी ए

बागोर। समाज के वरिष्ठ केदारबाई धर्मपत्नी स्व. श्रीराम प्रसाद सोनी के सुपौत्र एवं ऋतु बाला-रामजस सोनी के सुपुत्र स्वप्निल (सावन) सोनी ने सी.ए. की परीक्षा उतीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अमन बने सीए

भीलवाड़ा। अमन बसेर पुत्र अशोक कुमार बसेर ने प्रथम प्रयास में सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। अमन की माता शिल्पा बसेर चंद्रशेखर आजाद नगर महिला मंडल की अध्यक्ष एवं अमन के पिताजी अशोक कुमार बसेर सचिव पद पर रह चुके हैं।

सेजल को गोल्ड मेडल

इंदौर। समाज के वरिष्ठ ओमप्रकाश - निर्मला अजमेरा की पोत्री व चन्द्रेश-शिखा अजमेरा की सुपुत्री सेजल अजमेरा ने दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में जूनियर राष्ट्रीय चेम्पियनशिप जीतकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रिया भट्टड़ बनी जज

बनहटी। समाज सदस्य विष्णुदास भट्टड की सुपुत्री कु.प्रिया भट्टड का सिविल जज के लिए चयन हुआ है। पूरे बागलकोट जिला में यह पहली लड़की है, जो जज के लिए चयनित हुई है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

शुभित बने सीए

मुरैना। श्री पराग ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज के संस्थापक स्व. श्री दिनेशचंद माहेश्वरी के सुपौत्र एवं इति - पराग माहेश्वरी के सुपुत्र शुभित माहेश्वरी ने चार्टर्ड एकाउन्टेंट (सी.ए.) की फाईनल परीक्षा उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण की।

राहुल बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

अमरावती (महा.)। समाज सदस्य निवासी नंदकिशोर शांता चांडक के सुपोत्र तथा अनिलकुमार-अनिता चांडक के सुपुत्र राहुल चांडक ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा के घोषित नतीजे में बेहतरीन सफलता हासिल कर सीए फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की। इस सफलता पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नेत्रदानी श्रीमती गायत्री देवी जाजू

इंदोर। समाज की वरिष्ठ श्रीमती गायत्री देवी जाजू का गत 15 जनवरी को 93 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप ख्यात समाजसेवी एवं अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति स्व. श्री बनवारीलाल जाजू की धर्मपत्नी थीं। आप अपने पीछे पुत्र हरीश, अशोक व अनिल तथा पुत्री विजया, नम्रता व सविता का पौत्र पौत्री तथा नाती-नातिन आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गयी हैं। कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित रहकर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि के साथ अंतिम बिदाई दी। जिस प्रकार महाभारत में भीष्मपितामह को इच्छा मृत्यु का वरदान मिला हुआ था जिससे उन्होंने 6 माह तीरों की बाणों की शैय्या पर रहते हुए मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण होने पर ही (सबसे उत्तम घड़ी में ही) शरीर छोड़ने का निर्णय लिया था। उसी प्रकार श्रीमती जाजू का देहावसान भी मकर संक्रांति पर ही हुआ है। आपकी अंतिम इच्छानुसार मरणोपरांत आपके नेत्र दान किये गये।

नेत्रदानी श्री रामस्वरूप कचोलिया

नागौर। लायंस क्लब नागौर के संस्थापक सदस्य श्री रामस्वरूप कचोलिया पुत्र स्वर्गीय श्री बंशीलाल कचोलिया के निधन के पश्चात लायंस क्लब नागौर के तत्वावधान में श्री कचोलिया के मृत्यु उपरांत एक जोड़ी नेत्रदान करवाए गए। स्व. श्री कचोलिया के सुपुत्र हनुमान प्रसाद कचोलिया, राधेश्याम कचोलिया, लायन मनोज कचोलिया पौत्र अनुदीप कचोलिया, विनोद डागा व परिवारजनो ने डॉक्टर देवेंद्र शर्मा को आंखें सुपुर्द की।

श्रीमती भगवतीबाई भंसाली

उज्जैन। स्व. श्री जयनारायण भंसाली की धर्मपत्नी श्रीमती भगवतीबाई भंसाली का गत दिनों देहावसान हो गया। आप समाजसेवी व नमकीन व्यवसायी शिवनारायण, अंबालाल व राजेश भंसाली की माता थीं। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गयी हैं।

श्री कैलाशचंद्र मंत्री

उज्जैन। वरिष्ठ समाज सदस्य श्री कैलाशचंद्र मंत्री का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अभिषेक व अंकित मंत्री के पिता थे। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री वेणुगोपाल इन्नानी

हैदराबाद। वरिष्ठ समाजसेवी वेणुगोपाल इन्नानी का 86 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप माहेश्वरी समाज हैदराबाद - सिकन्दराबाद के अध्यक्ष, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संस्थापक अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य और पूरे दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गोशाला श्री कृष्ण गो सेवा मंडल, नारसिंगी हैदराबाद के प्रबंध न्यासी, माहेश्वरी समाज भवन ट्रस्ट, बेगम बाजार, हैदराबाद के पूर्व चेयरमैन व श्री रंगनाथ देवस्थान रोल के न्यासी थे। श्री ईनाणी चेरिटेबल ट्रस्ट अजमेर (रोल वालों की धर्मशाला) के प्रबंध न्यासी भी थे।

श्री मोहनलाल मानधन्या

लोहारदा (देवास)। श्री मोहनलाल मानधन्या (मोहन सेठ) का 90 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आपने मैट्रिक करते ही 1968 में देवास जिले के लोहारदा गांव में सबसे पहला मेडिकल प्रारंभ किया था। आप अपने पीछे तीनों बेटे मुरलीधर मानधन्या (देवास जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष), संतोष कुमार व श्याम सुंदर मानधन्या सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। आपके पोते डॉ. आनंद मानधन्या देवास के प्रमुख चिकित्सकों में जाने जाते हैं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के स्वामित्व के बारे में जानकारी देखें

नियम - 4

प्रकाशक का नाम	श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक)
भाषा	हिन्दी
प्रकाशन की अवधि	2 तारीख (हर माह की अंग्रेजी)
प्रकाशक का नाम	सरिता बाहेती
मुद्रक का नाम	सरिता बाहेती
संपादक का नाम	पुष्कर बाहेती
क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
मुद्रक	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
प्रकाशन का स्थान	90, विद्या नगर, उज्जैन

उन व्यक्तियों के नाम व पते जो सरिता बाहेती समाचार पत्र के स्वामी हो तथा पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।

मैं सरिता बाहेती एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

राह जिंदगी की...

यात्रा : एक खुशनुमा अहसास

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

यात्रा शब्द सुनते ही मन ऊर्जा, उत्साह, उपलब्धि, उल्लास से भर जाता है। खुशनुमा अहसास की ये प्रक्रिया नासमझी या अनभिज्ञता के समय से ही आनंदित करती रहती है। याद कीजिये बचपन के वो दिन तैयार होकर पांव में चप्पल डाल हरदम दरवाजे पर खड़े रहना। आते-जाते घर के किसी सदस्य का साइकिल, स्कूटर या कार में एक चक्कर करवा देना और हमें खुशियों का खजाना मिल जाना।पहली, दूसरी कक्षा में स्कूल पिकनिक की वो महान यात्रा। तारीख मालूम होने के दिन से गोली, चॉकलेट, बिस्किट की लिस्ट बनाना, यूनिफार्म को धुलवाना, कलफ प्रेस करवाना, जूते चमकाना। खुशी के वो पल कितने सजीले थे जब टूर के लिये अपने माता-पिता को ही नहीं, संगी-साथियों के माता-पिता को तरह-तरह के वायदे कर मनाया करते थे। यात्रा तक यात्रा की तैयारी करते थे और साल दो साल दूसरी यात्रा तक रोज उसके किस्से दोहराया करते थे।

किशोरावस्था की दहलीज पर ये यात्राएं कुछ अलग रूप लेने लगीं। पढ़ाई या सहेली की मां की बीमारी का बहाना बना सखियों के संग एक सखी के घर एक रात या कुछ घंटे बिताना, मन में उठी ढेर सारी शंकाओं पर जी भरकर बातें करना। घबराना और घबराना, नासमझ लोगों का मिलकर समझदारी भरा निर्णय लेना और जीवनभर उस पर कायम करने की कसमें खाना। कुछ की जिंदगी में बड़ी जद्दोजहद के बाद एक और यात्रा भी शामिल होती है-पढ़ाई के लिये दूर देश जाने की यात्रा। पूरी जिंदगी इस यात्रा की याद रोमांचित करती रहती है। ये यात्रा वो यात्रा है, जहां पहले पंख फड़फड़ाते हैं और फिर पंखों में उड़ान भरती है। दाना चुगने वाली नन्हीं चिड़िया आसमान नापने के लंबे-लंबे सपने संजोने लगती है। फिर आती है, वो चिर-प्रतिक्षित यात्रा जिसके बारे में थोड़े से सयाने होने ही कभी प्यार से, कभी उपकार से, कभी दुत्कार से, कभी अधिकार से, कभी उलहाने से हम सबने सुना भी है और सुनाया भी है। हां वहीं पराये घर की यात्रा पराये घर से उसे अपना घर बनाने वाली बड़ी लंबी यात्रा। पराये घर से उसे अपना घर बनाने वाली बड़ी लंबी यात्रा।

एक ऐसी यात्रा जो कब यात्रा से रोजमर्रा बन जाती है पता ही नहीं चलता। यात्री पड़ाव पर पड़ाव रुकता है, ठहरता है और फिर यात्रा को ही जीवन मानकर उसमें लिप्त हो जाता है। सोचने लगता है कि यात्रा खत्म हुई। बस अब तो इसे संजोना है, इसे ही जीना है, इसमें ही रमना है, इसमें ही रहना है। यात्रा नहीं, यह ठहराव ही जीवन है, सफलता है, संतुष्टि है, सम्पन्नता है, सर्वव्याप्त है। वह आ गई है। तेरा ही इंतजार था, चल चलते हैं खुशनुमा के साथ निकल पड़ेंगे-यात्रा पर।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

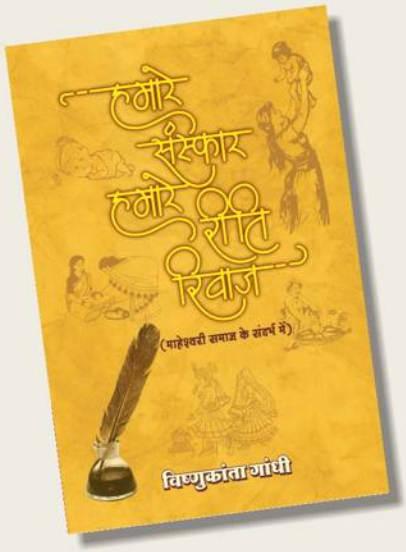

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज

जिसमें पाऐगें आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित रीति-रिवाजों के साथ ही विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वों गणगौर, सातुड़ी तीज तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध
Rs. 125/-
Rs. 100/-

amazon पर उपलब्ध

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)

94250 91161, 91799-28991 rishimuniprakashan@gmail.com

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

यह माहेश्वरी समाज की विशेषता ही है कि जिसमें व्यवसायी मस्तिष्क व मानवसेवी मन दोनों साथ-साथ रहते हैं। समाज की इन्हीं विशेषताओं को चरितार्थ कर रहे हैं, भीलवाड़ा निवासी अशोक बाहेती, जिनकी व्यवसाय जगत में यदि विशिष्ट पहचान है, तो समाज सेवा में तन-मन-धन से जो योगदान है, वह भी अप्रतीम ही है।

समाजसेवा के अप्रतीम सेवक

अशोक बाहेती

काशीपुरी - भीलवाड़ा (राज.) में निवासरत अशोक कुमार बाहेती की पहचान व्यवसाय जगत में एक सफल व्यवसायी की है, तो समाजसेवी में भी ऐसे समाजसेवी के रूप में उनकी ख्याति है, जो हर सामाजिक कार्य में भामाशाह की तरह तन-मन-धन से योगदान देने में पीछे नहीं हैं। श्री बाहेती कोल, लिग्नायट, पेटकोक, बायोफ़्यूअल - ब्रिकेटस व पेलेट्स, अजूबा पेट्रोल पम्प, इंडियन ऑयल -सर्वो लूब्स एंड ऑयल, धरमकाँटा व ट्रांसपोर्ट आदि के व्यवसाय से सम्बंधित हैं। उनके उच्च शिक्षित पुत्र अभिषेक एवं शुभम दोनों वर्तमान में अपने इसी पैतृक व्यवसाय से सम्बंधित हैं और इसको शिखर की ऊँचाई देने में जुटे हुए हैं। वर्तमान में श्री बाहेती अ.भा. माहेश्वरी महासभा को कार्यसमिति सदस्य के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। धर्मपत्नी चंद्रकांता बाहेती आपके साथ प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक गतिविधियों में कंधे से कंधा मिलाकर अपना सहयोग दे रही हैं। श्रीमती बाहेती वर्तमान में काशीपुरी वकील कॉलोनी क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के सचिव पद की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

पारिवारिक रूप से मिले संस्कार

श्री बाहेती का जन्म रतलाम निवासी श्री रतनलाल व श्रीमती कमलादेवी बाहेती के यहाँ व्यवसायी परिवार में ज्येष्ठ पुत्र के रूप में 18 जून 1967 में हुआ था। पिताजी समाजसेवा में भी हमेशा सक्रिय योगदान देते थे। अतः बचपन से ही व्यवसाय तथा समाजसेवा दोनों के संस्कार साथ-साथ मिले। महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान एन.एस.एस. तथा रोटरी क्लब से जुड़े रहे। परिवार की प्रेरणा से एम.कॉम. एल.एल.बी. तथा सीए (इंटर) तक उच्च शिक्षा ग्रहण की लेकिन फिर भी अपने पैतृक कोल व्यवसाय को ही अपना कॅरियर बनाया। कोल व्यवसाय रतलाम क्षेत्र में अच्छी तरह स्थापित हो गया लेकिन फिर श्री बाहेती अपने व्यवसाय के विस्तार के लिये भीलवाड़ा जा पहुँचे। वहाँ उद्योगों में कोल की अच्छी खपथ थी। अतः धीरे-धीरे व्यावसायिक कारणों से कर्मभूमि के साथ ही श्री बाहेती की निवास स्थली भी वर्ष 1995 से भीलवाड़ा बन गई। ताऊजी श्री रामेश्वरलाल जी, ससुर देहदानी स्व. श्री रामचन्द्र मण्डोवरा तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने समाजसेवा की ओर प्रेरित किया। बस इसी प्रेरणा से वर्ष 2014 से समाजसेवा में सक्रिय योगदान देने लगे।

कई समाजसेवी संस्थाओं में योगदान

श्री बाहेती अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद भी समाजसेवा में सदैव सक्रिय रहे हैं। वर्तमान में आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा - 29 वाँ सत्र (2019-22) में कार्यसमिति सदस्य, श्री कृष्णदास जाजु स्मारक ट्रस्ट में अर्थमंत्री, काशीपुरी-वकील कॉलोनी क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा (सत्र-2019-2022) में अध्यक्ष एवं दक्षिणी राजस्थान प्रदेश सभा, ज़िला माहेश्वरी सभा एवं श्री नगर सभा में वर्तमान में पदेन कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही ट्रस्टी व सदस्य के रूप में एबीबीएम एजुकेशनल ट्रस्ट मुंबई, श्री बालचंद मोदी कन्या छात्रावास कोटा, श्री बांगड मेडिकल वेलफ़ेयर सोसायटी, श्री नगर माहेश्वरी सभा, प्रकल्प- रामेश्वरम भवन भीलवाड़ा, राजस्थान महेश सेवा निधि, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर तथा सिंगोली श्याम माहेश्वरी धर्मशाला सिंगोली भीलवाड़ा से सम्बद्ध रहे हैं। विगत वर्षों में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा 27 वाँ सत्र (2013-2016) एवं 28 वाँ सत्र (2016-2019) में कार्यकारीमंडल सदस्य एवं दक्षिणी राजस्थान प्रदेश सभा, ज़िला माहेश्वरी सभा एवं श्री नगर सभा में गत दो सत्र से पदेन कार्यकारी मंडल सदस्य भी रहे।

तन-मन-धन से दिया सहयोग

समाजसेवी गतिविधियों में तन-मन-धन से अपना सहयोग देने में श्री बाहेती पीछे नहीं रहे। काशीपुरी- वकील कॉलोनी माहेश्वरी भवन, आज़ाद नगर माहेश्वरी भवन, साग़ानेर माहेश्वरी भवन, संजय कॉलोनी माहेश्वरी भवन, विजयसिंग पथिक नगर माहेश्वरी भवन व रामेश्वरम भवन निर्माण में यथोचित सहयोग दिया। समाजसेवी प्रकल्प अंतर्गत श्री बांगड मेडिकल वेलफ़ेयर सोसायटी में प्रतिवर्ष एक लाख रुपए वर्ष 2015 से, श्री कृष्णदास जाजु स्मारक ट्रस्ट में 2021 से (माहेश्वरी समाज की विधवा महिलाओं प्रतिमाह पेंशन हेतु) पाँच लाख रुपए प्रतिवर्ष तथा राजस्थान महेश सेवा निधि में इक्यावन हज़ार रुपये प्रति वर्ष का सहयोग प्रदान कर रहे हैं। श्री बालचंद मोदी छात्रावास कोटा में पाँच लाख रुपये का ट्रस्टी सहयोग, एबीबीएम एजुकेशनल ट्रस्ट मुंबई में आठ लाख रुपये का ट्रस्टी के रूप में सहयोग प्रदान किया। शौर्य भवन अयोध्या के निर्माण हेतु ग्यारह लाख रूपये व रामेश्वरम भवन में छः लाख भवन निर्माण व ट्रस्टी हेतु दस लाख रूपये बिना ब्याज के लोन के रूप में योगदान दिया।

सभी सामाजिक गतिविधियों में सदैव सक्रिय

कोई भी समाजसेवी गतिविधि हो उसमें श्री बाहेती सक्रिय भागीदारी करते रहे हैं। महेश जयंती पर माहेश्वरी प्रोफ़ेशनल फ़ोरम द्वारा आयोजित पुरुष एवं महिला क्रिकेट प्रतियोगिता व मेरिट में आए समाज के बच्चों के सम्मान कार्यक्रम में मुख्य प्रायोजक की भागीदारी निभाई। ज़िला माहेश्वरी सभा, श्री नगर माहेश्वरी सभा एवम् श्री नगर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों में आर्थिक सहयोग दिया एवं सक्रिय सहभागिता की। माहेश्वरी समाज के साथ ही कई अन्य सामाजिक संस्थाओं, गौशाला व शैक्षणिक संस्थानों में नियमित रूप से आर्थिक सहयोग देते हुए अपना योगदान दे रहे हैं। श्री बाहेती रोटरी क्लब भीलवाड़ा के वर्ष 2014-15 में अध्यक्ष रहे हैं एवं वर्तमान में राजस्थान कोल व लिग्नायट ट्रेड एसोसिऐशन के अध्यक्ष भी है।

न्याय का अधिष्ठाता ग्रह शनि गत 17 जनवरी से राशि परिवर्तन कर मकर से कुम्भ राशि में भ्रमण कर रहा है। तीस वर्षों के बाद यह ग्रह इस राशि में आया है। शनि का राशि परिवर्तन प्राकृतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में भारी परिवर्तन करेगा। आईये देखें ज्योतिष के आयने में शनि करेगा क्या उथल-पुथल?

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर

17 जनवरी 2023

शनि का कुम्भ राशि में प्रवेश

उत्पन्न होंगी प्राकृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियाँ

फलित ज्योतिष में शनि ग्रह का अहम स्थान है। शनि धर्म एवं न्याय के देवता हैं। विधाता ने उन्हें व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रों में धर्म को प्रतिष्ठित करने की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। शनि को इसीलिए परमात्मा की अगोचर, अदृश्य आंख कहा गया है। जैसे चंद्रमा के आगे लोमड़ी नहीं छिप सकती, जड़-चेतन जगत में होने वाला कोई भी पाप शनि की आंखों से नहीं छुप सकता। शनि वहां होते हैं जहां कोई नहीं होता, उसे देखते हैं जिन्हें कोई नहीं देखता। ब्रह्मा के क्रोध, विष्णु के चक्र एवं शंभु के त्रिशूल से बचना शायद सम्भव हो पर शनि के न्याय से कोई नहीं बच सकता। इसीलिए परम वैभव सम्पन्न एवं प्रखर शक्तिमान भी शनि से भयभीत रहते हैं। शनि की इस अगोचर आंख एवं अदृश्य न्याय को देख तो कोई नहीं पाता लेकिन अनुभूत सभी करते हैं। धीमी गति से चलते हुए शनि समस्त चराचर जगत को ईश्वर के न्याय की शक्ति से अवश्य परिचित करवाते हैं। शनि की चक्की धीरे चलती है लेकिन अत्यंत महीन पीसती है। महातांत्रिक रावण ने लंका में शनि को बंधक बना लिया था लेकिन जब वे हनुमान द्वारा मुक्त हुए तो उन्होंने रावण के प्रारब्ध एवं संचित दुष्कर्मों का एक साथ हिसाब करते हुए न सिर्फ समूची लंका में उन्चास मरुतों को छोड़कर नगर को ध्वस्त किया, रावण का भी अंततः सकुटुम्ब नाश कर दिया।

निहाल भी करते हैं शनिदेव

शनैश्चरः स शनिं अर्थात शनि सबसे मंथर गति से चलते हैं, वे एक राशि का भ्रमण ढाई वर्ष में पूरा करते हैं जबकि इसके ठीक उलट चंद्रमा अत्यंत तीव्र गति से चलकर यह कार्य मात्र ढाई दिन में कर लेता है। ऐसा नहीं है कि शनि मात्र कष्ट देते हैं, धर्माभिमुख एवं सत्य पथ पर चलने वालों को वे निहाल भी कर देते हैं। शनि की दशाएं, ढय्या, साढ़े साती इसीलिए सबको बुरी नहीं होती, अच्छी भी होती है। शनि की इसी न्यायप्रियता के कारण न्याय क्षेत्र में कार्य करने वाले जातक शनि द्वारा नियंत्रित होते हैं। अगर दशम राज्य स्थान पर शनि की स्थिति, दृष्टि हो तो जातक भरपूर राज्यकृपा प्राप्त करता है। इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी एवं अन्य अनेक राजनेताओं तथा न्यायाधीशों के जन्मांग में दशम शनि के प्रभाव ने इन्हें शक्ति के शिखर तक चढ़ाया है।

भारत के स्वतंत्रता दिवस 15/8/47 रात 12 बजे का जन्मांग

शनि के दिनांक 17/1/23 को कुंभ राशि में प्रवेश कर चन्द्र लग्न से स्थिति

इन सभी का वैवाहिक जीवन भी इसी शनि के सप्तम घर पर दृष्टि करने से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ। वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वृश्चिक लग्न में चन्द्र शनि युति ने ही श्री मोदी को शिखर पर चढ़ाया है।

देश में भी होगी उथल-पुथल

दिनांक 17 जनवरी 23 शनि का स्वयं की राशि कुम्भ में 30 वर्ष बाद आना देश में आर्थिक, सामाजिक उथल-पुथल का दौर बनाएगा। यह दौर विचित्र राजनैतिक समीकरणों का भी दौर होगा। यह परिवर्तन एक ऐसे नए युग के सूत्रपात का संकेत देता है, जहां देश अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए भी अंततः अपनी विजय-पताका लहराएगा। भारत के वृषभ लग्न की कुंडली में शनि योगकारक है तथापि शनि का अष्टम कालभवन भ्रमण, ढय्या देश में प्राकृतिक, भौतिक प्रकोप के भी संकेत देता है। इस समय हमें हर हाल में प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों से सावधान रहना चाहिए। कोरोना की वर्तमान स्थिति पर कड़े अंकुश की आवश्यकता है। यह समय शत्रु देशों के भीतरीघात का भी है। आज याचक बन कर खड़ा पाकिस्तान, चीन आदि से रहस्यमय गठबंधन कर आस्तीन का सांप सिद्ध हो सकता है। यह समय राजनेताओं को अति उत्साहित कर युद्ध की आशंकाएं भी बना सकता है। यह समय अनेक रहस्यमय घटनाओं से भी देश को चौंका सकता है। अतः आंतरिक, बाहर सर्वत्र सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद हो। कश्मीर मुद्दे पर कोई दीर्घगामी योजना, समझौते का भी यह उचित समय है। इस मुद्दे पर चीख-चीख कर

भी पाकिस्तान सर्वत्र मुंह की खाएगा। इस वर्ष दो और दीर्घगामी ग्रहों बृहस्पति एवं राहू अपनी राशि बदलेंगे। 22 अप्रैल 2023 राज्य स्थान में आने वाला बृहस्पति निश्चय ही देशी-विदेशी कोष में तो वृद्धि करेगा पर राजनैतिक सरगर्मियों को भी बढ़ाएगा। 30 अक्टूबर 2023 को राहू के मीन में आने के पश्चात यह सरगर्मियां और बढ़ेगी। सत्तानशीन पार्टी के लिए भी यह कड़े संघर्ष, परीक्षा का समय सिद्ध हो सकता है। राहू की नवमस्थ स्थिति में अनेक कठोर निर्णय भी लिए जा सकते हैं। राहू की पराक्रम भवन पर दृष्टि देश के पराक्रम को अक्षुण्ण रखेगी।

आम लोगों को होगा मिश्रित फल

आम जातकों के लिए शनि का कुम्भ राशि में प्रवेश उनकी लग्न कुंडली, राशि एवं ग्रह योगों के अनुसार मिश्रित फलदायी होगा। बहुत समय से पीड़ित धनु राशि वालों के लिए शनि की साढ़े साती समाप्त होगी। मकर राशि वाले साढ़े साती के अंतिम दौर में होंगे एवं कुम्भ राशि वालों के शनि लग्नस्थ होने से साढ़े साती शिखर पर होगी। मीन राशि वालों के लिए साढ़े साती का आगाज़ होगा। मिथुन, तुला का ढय्या समाप्त होगा। वृश्चिक का चतुर्थ एवं कर्क का अष्टम ढय्या प्रारम्भ होने से समय संघर्षपूर्ण बनेगा। संक्षेप में विभिन्न राशियों में शनि का कुम्भ राशि में प्रवेश निम्नानुसार होगा। इसमें अप्रैल में होने वाले वृहस्पति के तथा अक्टूबर में होने वाले राहू परिवर्तन को भी इंगित किया गया है।

राशिनुसार क्या होगा प्रभाव

मेष : चहुंमुखी सफलता के योग। इस राशि के सभी जातको के अभीष्ट सिद्ध होंगे। राज्यकर्मचारी पदोन्नत होंगे, राजनेता नए मनभावन पद प्राप्त करेंगे। व्यवसायी व्यापार में डंका बजाएंगे। अप्रैल के पश्चात घर में शुभ प्रसंग बनेंगे। वर्षान्त में छाती में संक्रमण, उच्च रक्तचाप से किंचित सावधान रहें।

वृषभ : कारोबार, व्यवसाय में आशातीत सफलता मिलेगी। भरपूर राज्यकृपा प्राप्त करेंगे। नए भूमि, भवन, कृषि भूमि खरीदने के अनुकूल योग बने हैं। संतति के लिए इस वर्ष के कठोर संघर्ष आगे अनुकूल परिणाम लाएंगे। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें। समय सुखदाई है।

मिथुन : अष्टम ढैय्या समाप्त। कुटुंब में अच्छे संबंधों का दौर बनेगा। सन्तति अभीष्ट फल प्राप्त करेगी। व्यवसाय गति पकड़ेगा। रोग, ऋण, रिपु का शमन होगा। आकस्मिक धन प्राप्ति के योग बने हैं। बड़े भाई से सौहार्द बनाए रखें। गत ढैय्या की परेशानियों से सबक लेकर आगे न्याय, धर्माभिमुख पथ पर बने रहें।

कर्क : अष्टम ढैय्या प्रारम्भ होने से अक्टूबर पश्चात घर-परिवार में संघर्ष की स्थितियां बनी है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें एवं किसी प्रकार की लापरवाही से बचे। राज्यस्थान में सभी से मधुर रिश्ते में रहें। संतति का संघर्ष आगे सुखद परिणाम लाएगा। बच्चों पर अपने निर्णय न थोपे वरन प्रेम से अपना दृष्टिकोण बताएं अन्यथा मत-मतांतर की स्थितियां बन सकती हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें।

सिंह : नए भूमि, भवन के योग बने हैं। व्यवसाय में अभिनव योजनाएं बनेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। विदेश यात्रा, तीर्थ यात्रा, आकस्मिक लाभ के योग बने हैं। संतति मनोनुकूल लक्ष्य प्राप्त करेगी।

कन्या : रोग, ऋण से निजात का समय। प्रतिद्वंद्वी आपके कौशल का लोहा मानेंगे। धर्म कार्यों पर खर्च बनेगा। भाइयों से सुमधुर व्यवहार में रहें। भूमि, भवन, नए वाहन के योग। सम्पदा में आशातीत बढ़ोतरी की स्थिति बनेगी।

तुला : पंचम शनि संघर्षपूर्ण स्थितियां बनाकर आपको धर्माभिमुख बनाने पर आमादा है। बच्चों की शिक्षा की दीर्घगामी योजनाएं आज बनाएं तो कल मनोनुकूल स्थितियां आएगी। जीवनसाथी , बड़े-बुजुर्गों के मत का आदर करें एवं अकारण कलह न करें। विदेश यात्रा, आकस्मिक धन प्राप्ति के योग बनें हैं। उच्चाधिकारियों, राज्याधिकारियों से मधुर संबंध रखें अन्यथा राजकोप का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक : नए भूमि ,भवन के योग। कृषकों के लिए अच्छी फसल की खबर। रोग , ऋण का नाश होगा। कर्मचारी पदोन्नति पाएंगे। वृश्चिक चौथे ढय्या आने से स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें। वाहन संयम से चलाएं। मानसिक अवसाद से बचें।

धनु : जैसे सूर्य रातभर अंधेरे के आगोश में रह कर नई भोर का आगाज करता है, आपके जीवन में भी वही अनुकूल स्थितियां बनी हैं। अब आप साढ़े साती से बाहर हैं। वर्षों से रुके घर-परिवार-कारोबार के कार्य गति पकड़ेंगे। अपनों से रिश्ते सुखकर बनेंगे। विदेश यात्रा के योग। कार्य क्षेत्र में लोग आपकी विचारधारा का लोहा मानेंगे। आपका चिरसंघर्ष रंग लाएगा।

मकर : शनि की साढ़े साती का उतार एवं अंतिम ढय्या है। हर क्षेत्र में 'लुक बिफोर यु लीप' की नीति बनाएं। अतिविश्वास विषतुल्य बन सकता है, आप धोखा खा सकते हैं। सट्टे, गलत कार्यों से बचें। आपके गोपनीय रहस्य प्रगट हो सकते हैं। निर्धन, अपंगों, मोहताजों एवं विधवाओं की जी भर कर मदद करने से शनि के दुष्परिणाम स्वतः समाप्त हो जाते हैं। प्रार्थना, ब्रह्मचर्य, समाजसेवा विशेषतः वृद्धों की सेवा साढ़े साती के प्रभाव को न्यून करती है। इष्टबल बनाए रखें।

कुम्भ : साढ़े साती चरम पर है। स्वयं, जीवनसाथी के शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अति उत्साह, जल्दबाजी में किया कोई भी काम प्रतिकूल स्थितियां बना सकता है। संतति को हर बात प्रेम से समझाएं। उनके मत को जानने का प्रयास करें अन्यथा कलह की स्थिति बन सकती है। इष्ट बल बनाए रखें। समाजसेवा, वृद्धों की सेवा प्रतिकूल स्थितियां कम करेंगी। जरूरतमंदों को मदद करें। गलत कार्यों से बचे। किसी को धोखा न दें, वादाफ़रामोशी न करें। शनि न्याय एवं धर्म के देवता हैं एवं समाजसेवा में संलग्न लोगों पर कृपा बरसाते हैं।

मीन : साढ़े साती का आगाज़ हुआ है। हर कार्य न्यायपूर्ण तरीके से करें। कोई भी गलत कार्य आगे भारी पड़ सकता है। संतति के मत का आदर करें एवं उनके संघर्ष में वांछित सहयोग करें। सट्टे आदि से बचें। कुटुंब में मधुर रिश्तों हेतु धैर्य से काम लें। वृद्धों, अपंगों, जरूरतमंदों की सेवा करें।

इस चबूतरे को हम सभी का मिलन-स्थल कहना उचित होगा। इसके ऊपर पक्के पत्थर लगे हैं जिसे स्थानीय भाषा में लोग छितर का पत्थर कहते हैं। इन पत्थरों का रंग भूरे एवं पीले रंग के मिश्रण से बने रंग जैसा है एवं यह पत्थर बारिश में चमक उठते हैं। अब यह पत्थर घिस गए हैं। चबूतरे के ठीक बीचो-बीच नीम का पेड़ है जो इतना पुराना है कि मोहल्ले के बड़े-बूढ़े भी इसका इतिहास नहीं जानते। यहां बहुधा सभी घरों के लोग दिख जाते हैं सिवाय मेहता साहब के जिनका घर मोहल्ले के अन्तिम दायें कोने पर है।

इमिग्रेशन

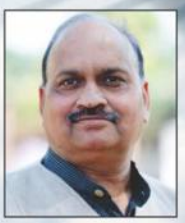

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
94141-32483

हमारे देश में अनेक गांव-कस्बे-शहर हैं तो इनकी संख्या के कई गुना मोहल्ले हैं। यह भी सच है सभी अपने मोहल्लों को वैसे ही प्यार करते हैं जैसे वे अपनी धन-संपदा एवं औलादों को करते हैं। यह स्वाभाविक है क्योंकि कोई कितना ही बड़ा क्यों न हो अन्ततः उसका वजूद उसके मोहल्ले से है। जैसे गाय खूंटे से बंधी होती है, हम सब भी मोहल्लो से बंधे होते हैं। मोहल्ला हमारी खूबियां जानता है, कमजोरियां भी पहचानता है। कुल मिलाकर जैसे हमाम में सब नंगे होते हैं, सभी अपने-अपने मोहल्लों में बेनकाब होते हैं। ऑफिस में हम कितने ही बड़े साहब क्यों न हो, मोहल्ला आपको उस नाम से पुकार लेता है जिसे सिर्फ आप एवं आपका मोहल्ला जानता है। यही कारण है कि अनेक लोग अपने मोहल्ले के बिना रह नहीं पाते, कहीं चले जाएं, थोड़े दिन बाद वहीं आकर उन्हें सुकून मिलता है। मोहल्लों के नाम पर झगड़े तक हो जाते हैं एवं क्यों न हो, आखिर आपका मोहल्ला आपकी आन-बान-शान है।

जैसे सबको अपना मोहल्ला प्यारा लगता है, मुझे भी मेरा मोहल्ला अज़ीज है। मेरा मोहल्ला परकोटे के आधा मील अन्दर है, इसके प्रवेश पर एक बड़ा दरवाजा है जिस पर नक्काशी का सुंदर काम है। हममें से किसी को नहीं पता यह दरवाजा किसने बनाया। दरवाजे के भीतर अर्धवृताकार तीस-चालीस मकान हैं एवं इन्हीं के पीछे एक मैदान है जहां अक्सर बच्चे खेलते हैं। मोहल्ले के बीचो-बीच एक विशाल चबूतरा है जहां शाम को अनेक लोग आकर बतियाते हैं। बड़े-बूढ़े यहीं बैठकर अपना ज्ञान बघारते हैं। युवक यहां ताश, चेस, केरम आदि खेलते हैं तो औरतें इसी चबूतरे के एक कोने में बैठी घर-गृहस्थी की बातें करती हैं। कभी-कभी वे कनखियों से मर्दों को देखती तो मर्द सोचते उनके बारे में बातें कर रही हैं।

इस चबूतरे को हम सभी का मिलन-स्थल कहना उचित होगा। इसके ऊपर पक्के पत्थर लगे हैं जिसे स्थानीय भाषा में लोग छितर का पत्थर कहते हैं। इन पत्थरों का रंग भूरे एवं पीले रंग के मिश्रण से बने रंग जैसा है एवं यह पत्थर बारिश में चमक उठते हैं। अब यह पत्थर घिस गए हैं। चबूतरे के ठीक बीचो-बीच नीम का पेड़ है जो इतना पुराना है कि मोहल्ले के बड़े-बूढ़े भी इसका इतिहास नहीं जानते। यहां बहुधा सभी घरों के लोग दिख जाते हैं सिवाय मेहता साहब के जिनका घर मोहल्ले के अन्तिम दायें कोने पर है।

मेहता साहब का पूरा नाम सुबोधकुमार मेहता है जैसे कि मेरा नाम अतुल शर्मा है। मेहता साहब मुझसे उम्र में तकरीबन तीस वर्ष बड़े यानि साठ के आसपास हैं। पतला शरीर, मध्यम कद, गोरा रंग, भव्य ललाट, सफेद बाल एवं तीखी नाक उनकी खास पहचान है। लोग उन्हें शेयर मार्केट का उस्ताद कहते हैं। मोहल्ले के लोग बताते हैं उन्होंने इस व्यवसाय में करोड़ो कमाए हैं। वे चाहते तो कब का यह मोहल्ला छोड़कर परकोटे के बाहर किसी बड़ी कॉलोनी में चले जाते पर उन्हें भी मोहल्ले के अन्य वाशिन्दों की तरह इस मोहल्ले से बेहद प्यार है। बड़े-बूढ़े कहते हैं उन्हें अपने पिता एवं ससुराल दोनों जगह से खूब माल मिला है। पत्नी का निधन हुए दस वर्ष हो चुके हैं, बच्चे विदेशों में रहते हैं एवं वे यहां अकेले रहते हैं। घर में एक नौकर हरिराम है एवं हम सब उसी से इनके बारे में जानते हैं। मैंने मेहता साहब को अनेक बार ऑफिस जाते हुए देखा है, बहुधा गम्भीर दिखते हैं एवं अधिकतर सफेद कुर्ता-पायजामा पहनते हैं।

मोहल्ले में मेहताजी को लेकर तरह-तरह की बातें होती रहती हैं। कुछ दिन पहले चबूतरे पर मोहल्ले के वयोवृद्ध उमाशंकरजी बता रहे थे कि यह बीस साल पहले मर कर जी उठा था। कहते हैं यह किसी कार्य से मुम्बई गया था, वहीं यह घटना हुई। उसके पहले यह कभी-कभी चबूतरे पर आता था, पूरा कंजूस था पर इस घटना के बाद घर में ही सिमटा रहता है। इतना हीं नहीं आज यह शहर की अनेक परमार्थिक संस्थाओं का अहम् दानदाता है। जबसे मैंने यह सुना है, मेरी उनसे मिलने की इच्छा तीव्रतर हो उठी है।

क्या मात्र एक घटना मनुष्य का जीवन बदल देती है?

मैं कई दिनों तक उनसे मिलने की सोचता रहा पर यकायक किसी से मिलना इतना सरल भी नही होता विशेषतः ऐसे व्यक्ति से जिनका व्यक्तित्व गंभीर हो। ऐसे व्यक्ति बहुधा खडूस होते हैं, जाने कब, कैसे रिएक्ट कर जाएं? यही सोचकर मैंने उनसे न मिलना उचित समझा हालांकि मेरे अवचेतन मन में उनसे मिलने की उत्कट इच्छा बनी रही।

मनुष्य के अवचेतन मन की शक्ति असीम है। प्रकृति का यह अद्भुत रहस्य है कि हर मनुष्य अन्ततः वह पा लेता है जिसे वह अंतरतम से सोचता है। कायनात हमारी उत्कट इच्छाओं को अपने आगोश में ले लेती है। इसीलिए तो बड़े-बूढ़े कहते हैं अच्छा सोचना उतना ही जरूरी है जितना कि अच्छा करना।

आज रविवार था, मैं पैदल बाजार शाक-तरकारी लेने पहुंच गया। वहीं एक दुकान पर मेहताजी टकरा गए। वे सेव ले रहे थे, मुझे भी एक किलो सेव लेने थे। मैंने उन्हें पहलकर नमस्कार किया - 'नमस्ते अंकल ! आप कैसे हैं?' प्रश्न करते हुए उनके रिएक्शन को लेकर मैं आशंकित था।

'नमस्ते! मैं ठीक हूं। आप अतुलजी हैं न! मैंने रास्ते में आपको देखा था, सोचा आपको पिक कर लूं फिर ख्याल आया आज रविवार होने से आप मोर्निंग वॉक पर निकले होंगे। खैर! जाते हुए मेरे साथ चले चलना।' यकायक मुझे लगा वे कितने साफगोई हैं तथा हम लोगों के बारे में कैसी-कैसी धारणा बना लेते हैं। मुझे यह भी आश्चर्य हुआ कि वे मुझे नाम से जानते हैं।

हम दोनों अब गाड़ी में साथ थे। उनके शांत, सौम्य चेहरे से वे व्यापारी कम दार्शनिक अधिक लग रहे थे। मुझे लगा यह बात छेड़ने का सही समय है। मैं कुछ कहता उसके पहले ही वे बोले, 'आपको जल्दी तो नहीं है। आप अनुमति दें तो रास्ते में एक-दो जगह रुक लूं। बस दो-चार मिनट का कार्य है।' वे अत्यन्त सहज थे हालांकि उनके द्वारा अनुमति शब्द का प्रयोग मुझे उनकी अति विनम्रता लगा।

वे एक अनाथालय रुके। यहां पांच लाख का चैक दिया, फिर मार्ग में विधवाश्रम, वृद्धाश्रम एवं एक स्कूल में रुके, यहां भी चैक दिए एवं सहज ही गाड़ी में चले आए। मैं उनके साथ ही था। मुझे लगा उनकी दानवीरता के लिए प्रशंसा के दो शब्द कहूं पर जाने क्या सोचकर चुप रहा। प्रथम मुलाकात की अपनी मर्यादाएं होती हैं।

मोहल्ले में आकर वे गाड़ी अपने घर तक ले गए, मैं उतरकर उन्हें धन्यवाद देता उसके पहले ही वे बोले, 'अतुलजी ! आप वर्षों बाद यूं अंतरंगता से मिले हैं, चाय पीकर जाइएगा।' मैं फिराक में था, उनकी आंखों का आग्रह देखते बनता था, मैं भीतर चला आया।

उनका ड्राइंगरूम अत्यंत साधारण था। दीवारों पर दो-तीन महापुरुषों के चित्र लगे थे। सोफा इतना साधारण जैसे महज औपचारिकतावश रखा हो। सेंट्रलटेबल लकड़ी की बनी थी, एक-दो और चीजें रखी थी जो कुल मिलाकर यही संकेत दे रही थी कि उनकी जीवनशैली अतिसाधारण है। वे भीतर गए, हरिराम को चाय का कहा एवं पुनः चले आए। मैं बात प्रारम्भ करता कि उनका कॉल आ गया, शायद कोई जरूरी कॉल था, किसी अस्पताल से, उन्होंने बात की, कुछ हिदायतें दी तब तक हरिराम चाय लेकर आ गया।

'क्षमा करें! कोई जरूरी कॉल था, उसी में मशगूल हो गया।' इस बार मेहताजी ने बात प्रारंभ की।

'अरे नहीं अंकल! आप जिस तरह बात कर रहे थे, मुझे लगा कोई सीरीयस है।' मैंने बात बढ़ाई।

'हां किसी सीरीयस पेशेंट के लिए कुछ रकम की व्यवस्था करवानी थी। मैं शहर के कुछ एनजीओज् से जुड़ा हूं, इसी बहाने समय निकल जाता है। यह रोजमर्रा के काम हैं।' कहते हुए उन्होंने बिस्कीट की प्लेट आगे सरकाई।

'अंकल! आप अनेक पारमार्थिक संस्थाओं से जुडे हैं। हमारा सौभाग्य है कि आप जैसे देवता हमारे मोहल्ले में रहते हैं।' मुझे लगा कहीं से तो बात बढाऊं।

'देवता कहां! मैं तो वह कर रहा हूं जो मेरा परम कर्तव्य है। अगर ईश्वर ने किंचित धन दिया है तो उसका इससे बेहतर उपयोग और क्या हो सकता है? बरसों तन्द्रा में रहे, अब तो जागें।' कहते हुए वे शून्य में झांकने लगे।

यह अंकल से अहम् बातों पर चर्चा का अनुकुल समय था।

'अंकल ! मैंने सुना है... आप वर्षों पूर्व मरकर पुनः जी उठे थे। क्या यह परिवर्तन उसके बाद आया है?' मैंने अवसर देखकर मन की उत्कंठा प्रकट कर दी।

'आप बिल्कुल ठीक कहते हैं। यह परिवर्तन उसके बाद का ही है।' उनका उत्तर मेरे प्रश्न जितना ही ईमानदार था। हां, अब वे पूर्णतया गंभीर हो गए थे, उनके माथे पर सलवटें पड़ने लगी थी।

'निश्चय ही आपका मरकर जी उठना एक विरल अनुभव है। मृत्यु के बाद की गति के बारे में कौन जानता है? अंकल! बुरा न माने तो मैं जानना चाहता हूं मृत्यु के बाद आपका अनुभव क्या था?' मैंने निःसंकोच प्रश्न किया।

मेहता साहब ने आंखों पर लगे काले प्लास्टिक फ्रेम का चश्मा उतारा एवं जेब से रुमाल निकालकर इसे साफ करने लगे। कमरे में कुछ देर चुप्पी रही फिर धीरे-धीरे बोलते हुए वे मेरे प्रश्न का उत्तर देने लगे।

'आज से बीस वर्ष पहले की बात है। मैं किसी व्यावसायिक कार्य से मुम्बई गया था। मेरी पत्नी गायत्री तब मेरे साथ थी। वहां नरीमन पाईंट हम किसी होटल में रुके थे। मैंने पूरे दिन अपना कार्य निपटाया, रात डिनर कर अपने बिस्तर पर लेटा ही था कि मेरे सीने में तेज दर्द हुआ। दर्द इतना तेज था कि मैं बेहोश हो गया। गायत्री ने कॉल कर होटल मैनेजर को कहा, आनन-फानन डाक्टर बुलवाया गया जिसने जांच कर मुझे मृत घोषित कर दिया।'

गायत्री पर यह वज्राघात था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे, क्या न करे? उसने मुंबई हमारे मित्र-रिश्तेदारों को सूचना दी, जोधपुर घर पर सूचना दी एवं असहाय वहीं बैठ गई। होटल के कर्मचारी उसे ढाढ़स बंधा रहे थे। इस बात को कोई आधा घण्टा बीता होगा कि यकायक मेरी लाश में हरकत हुई। वहां खड़े लोग चिल्लाए कि अरे! यह तो पुनः जिन्दा हो गए हैं। शोर सुनकर मैंने आंखें खोली एवं वहीं उठकर पलंग पर बैठ गया। वहां बैठते ही मैं चिल्लाकर कहने लगा, 'मुझे धक्का किसने दिया है?'

उसी डाक्टर को पुनः बुलवाया गया। वह आश्चर्यचकित था, यह हुआ कैसे? उसके माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई। मुझे चिल्लाते देख उसे कुछ अकल्पनीय लगा, उसने मुझे एक इन्जेक्शन लगाया एवं मैं तुरन्त नींद में चला गया। दूसरे दिन हम फ्लाइट से जोधपुर आ गए। इस घटना को जानकर सभी मित्र, रिश्तेदार आश्चर्य में डूब गए।' कहते-कहते मेहता साहब की आंखें सजल हो उठी। वे शून्य में इस तरह झांकने लगे मानो किसी अन्य लोक में चले गए हों।

'अंकल! मृत घोषित होने के बाद से पुनः जीवित होने के बीच आपके साथ क्या हुआ? इस दरम्यान आप कहां थे? आपको किसने धक्का दिया?' प्रश्न करते हुए मेरी आंखें आश्चर्य से लबालब थी।

'मैं जब बेहोश हो रहा था तब मृत्यु के आगोश में जा रहा था। मुझे लगा जैसे मेरी सारी पीड़ाएं समाप्त हो गई हैं, मैं आनन्द से भर गया हूं एवं मुझसे एक छायातत्व अलग हो रहा है। वस्तुतः मैं एक छायातत्व में तब्दील हो गया था। मैं सबको देख रहा था, सुन रहा था पर मुझे न तो कोई देख पा रहा था, न सुन पा रहा था।' कहते-कहते अंकल मानो उस अनुभव में उतरने लगे थे।

'छायातत्व... यानि... मैं समझा नहीं अंकल?' मैंने बात आगे बढ़ाई।

'यूं समझो जैसे मेरे शरीर के पंचतत्वों में से जल, अग्नि, पृथ्वी तत्व शरीर के साथ पड़े थे एवं मैं अब वायु एवं आकाश तत्व का बन गया था। यह एक प्रेमिल, स्वप्निल परम आनन्दमयी स्थिति थी। ऐसा आनंद जिसका बयान मुश्किल है। जैसे आप एकदम सरल, हल्के हो गए हों। मैं स्पष्टतः महसूस कर रहा था कि मेरा शरीर मर चुका है। मैं यह भी महसूस कर रहा था कि मेरा छायातत्व एक अमरतत्व है।' उत्तर देते हुए वही आनन्द उनकी आंखों में सिमट आया था।

'आश्चर्य! तो क्या मृत्यु के बाद स्थितियां इतनी आनंदमयी हो जाती हैं?' प्रश्न करते हुए मैं भी गंभीर हो चला था।

'निसंदेह ! तब मुझे लगा मृत्यु से हम डरते क्यों हैं? मृत्यु तो उत्सव है, सैलिब्रेशन है।'

'तो क्या हमें किसी की मृत्यु पर रोना नहीं चाहिए?'

'तुम ठीक कहते हो। गायत्री जब रो रही थी, मैं पुनः पुनः उसे सांत्वना दे रहा था, वस्तुतः वह मेरे आनन्द को भंग कर रही थी। ओह! यह कैसा सत-चित-आनन्द था, मानो वर्षों के बाद मिला हो।'

'अंकल ! आपने बताया था कि आप एक छायातत्व में तब्दील हो गए थे। क्या यही तत्व आत्मतत्व था जिसका हमारे सद्ग्रन्थों में उल्लेख है?'

' बिल्कुल ! यह मेरी आत्मा ही थी। गीता एवं अन्य ग्रन्थ ठीक कहते हैं, वायु इसे सुखा नहीं सकती, अग्नि इसे जला नहीं सकती, जल इसे गीला नहीं कर सकते। यह अक्षय, अछेद्य एवं अकाट्य है।'

'इसके बाद क्या हुआ?' मेरी उत्सुकता की आग में मानो घी पड़ गया था।

'इसके बाद मुझे लगा मेरी आत्मा के समीप दो दिव्यात्माएं खड़ी हैं। वे मुझे अपने साथ लेकर एक ऐसे भव्यलोक में ले गई जिसे उन्होंने आत्म-लोक बताया। रास्ते में हमें छोटे-छोटे अन्य लोक भी मिले जहां आत्माएं विलाप कर रही थी। एक लोक के आगे से बढ़ते हुए मैंने पूछा यह आत्माएं चिल्ला क्यों रहीं हैं? एक दिव्यात्मा ने बताया कि ये उन लोगों की आत्माएं हैं जिन्होंने संसार से दुःखी होकर आत्महत्या कर ली थी। ऐसी आत्माएं आत्म-लोक तक नहीं पहुंचती, वे इन्हीं अंधेरों में तब तक सर-पटकती रहती हैं जब तक इनका पुनर्जन्म नहीं हो जाता। मृत्यु के समय सच्चिदानंद मात्र उन आत्माओं को मिलता है जो अपने हाथों अपना नाश नहीं करती।' यह अनुभव बयां करते हुए मेहताजी का चेहरा एक अबूझ रहस्य से भर गया था।

'अंकल! आप कह रहे थे ऐसे छोटे-छोटे अन्य लोक भी आपको रास्ते में मिले। वे क्या थे? ' मेरी जिज्ञासा थम नहीं रही थी।

'इन लोकों में वे आत्माएं विलाप कर रही थी जिन्होंने पृथ्वी पर नारकीय कार्य किए थे एवं वे आत्माएं भी जो हर समय नकारात्मक सोचती थी। दिव्यात्मा ने मुझे बताया कि नकारात्मक चिन्तन नारकीय कार्यों की जड़ है। इनका अंजाम बुरा कार्य करने वालों से भी बुरा होता है।' मेहता साहब सभी घटनाओं का क्रमबद्ध बयान कर रहे थे।

'अंकल फिर उस अंतिम भव्यलोक में क्या था?' मैं सबकुछ जानना चाहता था। ऐसे प्रश्नों का उत्तर भला कब मिलता है।

'भव्यलोक में अनेक आत्माएं यहां-वहां विचर रही थी। इनमें से कुछ संभवतः पृथ्वी की ओर लौट रही थी। मैंने दिव्यात्माओं से पूछा तो उन्होंने कहा तुम ठीक सोच रहे हो, यह आत्माएं वहीं जा रही हैं जहां से तुम आए हो एवं तब तक आती जाती रहेंगी जब तक अपना सम्पूर्ण परिष्कार नहीं कर लेंगी। 'मेहताजी का स्वर भरभराने लगा था।

'परिष्कार? मैं समझा नहीं?' इस बार प्रश्न करते हुए मेरे पूरे चेहरे पर आश्चर्य फैल गया।

'मैंने दिव्यात्माओं से परिष्कार का अर्थ पूछा तो उन्होंने बताया कि हर आत्मा को जन्म दर जन्म कुछ विकास करना होता है, कुछ ऊपर उठना होता है, कुछ दुर्गण छोड़ने होते हैं। मुझे इस जन्म में लोभ एवं संग्रहण से मुक्ति लेनी थी। मेरा भाग्य, जीवन-पथ इसी प्रकार बनाया गया था पर मैं धन पाकर उन्मत्त हो गया। जिस धन से मुझे जरूरतमंदों को मदद करनी थी उसी धन को पाकर मेरी आत्मा अभिमान एवं अहंकार में लिपट गई।' उत्तर देते हुए मेहताजी के चेहरे पर पसीने की बूंदे उभर आई।

'अंकल! क्या दिव्यात्माएं बहुत क्रोध में थी? मेरे प्रश्न अभी भी शेष थे।

'वे क्रोध में ही थी। उन्होंने मुझे कहा नीचे झांककर देखो लोग किस प्रकार मरने के बाद भी तुम्हारी निंदा कर रहे हैं।' अंकल का चेहरा ज़र्द पड़ चुका था। वे यकायक चुप हो गए।

'अंकल! बात पूरी कीजिए।' इस बार मेरा स्वर अपेक्षाकृत तेज था।

'मैंने नीचे झांककर देखा मैं मरकर भी निंदा का पात्र बना हुआ था। कोई कह रहा था, ऐसा कंजूस देखने में नहीं आया, जीवनभर इकट्ठा करता रहा। कोई मक्खीचूस तो कोई लोभी तो कोई समाजद्रोही जाने क्या-क्या कह रहा था। मैं पश्चाताप से भर उठा। आंखों से धुंध छट गई। ओह, मैंने इतना दुर्लभ जीवन यूँ ही व्यर्थ कर डाला। तमाम वैभव के बीच उपहास का पात्र बन गया। काश ! मैं मायातीत बनकर अपनी आत्मा का परिष्कार करता तो यूं दुर्गति नहीं झेलनी पड़ती।' अंकल की आंखों में कोई महान् दर्शन सिमट आया था।

'उसके पश्चात् क्या हुआ अंकल ?' मेरा आश्चर्य थम नहीं रहा था।

'कुछ समय पश्चात् मैं दोनों दिव्यात्माओं के साथ एक खिड़की के आगे खड़ा था। आत्मलोक में जाने के पहले यहां से अनुमति लेनी पड़ती थी। जैसे विदेश जाने के पूर्व इमीग्रेशन, आप्रवासन क्लीयरेंस आवश्यक होता है, यहां भी क्लीयरेंस जरूरी था। खिड़की पर अन्य दिव्यात्मा यह कार्य देख रही थी। मेरा रिकार्ड देखते ही वह तेज आवाज में बोली, अरे! किसे उठा लाए हो? इसका समय पूरा नहीं हुआ है। अभी तो इसे अपनी सम्पूर्ण सम्पति का दान करना है। यह एक अपरिष्कृत आत्मा है, इसे पुनः नीचे भेजो।' यह कहते हुए उस दिव्यात्मा की आंखें अंगारों की तरह चमकने लगी थी।

तभी किसी ने मुझे जोर से धक्का दिया एवं मेरी आत्मा पुनः मेरे शरीर में लौट चुकी थी।

वर्तमान में हर कोई गैस ट्रबल से परेशान है। दवा खाने के बावजूद स्थायी लाभ नहीं मिलता। इसी परेशानी से मुक्ति देती है, योग की अपान मुद्रा।

शरीर को शुद्ध और निर्मल बनाए

अपान मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

पृथ्वी तत्व, आकाश तत्व एवं अग्नि तत्वों का मिलन। अपान वायु नाभि से नीचे पैरों तक विचरण करती है। इससे पेट, नाभि, गुदा, लिंग, घुटना, पिंडली, जंघाएं, पैर सभी प्रभावित होते हैं। अतः अपान मुद्रा द्वारा नाभि से पैरों तक के सभी रोग ठीक होते हैं। अपान वायु की गति नीचे की ओर होती है। यह मुद्रा अपान वायु को सक्रिय कर देती है। अपच का मुख्य कारण है ठूंस-ठूंस कर खाना जिससे आकाश तत्त्व की कमी हो जाती है और शक्तिहीनता हो जाती है। यह मुद्रा इन दोनों कमियों को दूर करती है।

कैसे करें : अंगूठा, मध्यमा और अनामिका के शीर्ष भाग को आपस में मिलाने से अपान मुद्रा बनती है। इसका अभ्यास प्रतिदिन कम से कम 45 मिनट तो करना ही चाहिए।

सावधानी: गर्भवती पहले आठ महीनों में इस मुद्रा का प्रयोग न करें।

क्या होता है लाभ

इससे नस-नाड़ियों का शोधन होता है, शरीर से विजातीय तत्व बाहर निकलते हैं व शरीर शुद्ध और निर्मल बनता है। इससे पेट के सभी अंग सक्रिय होते हैं। पेट के सभी विकारों- उल्टी, हिचकी, जी मिचलाना, डायरिया में लाभ होता है। पसीना आने की क्रिया को यह मुद्रा उत्तेजित करती है और शरीर की अवांछित गर्मी को बाहर निकालती है। पैरों की जलन दूर होती है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गुर्दे रोग, श्वास रोग, दांत दर्द, मसूड़ों रोग, पेशाब का रुक जाना, पेशाब की जलन, यकृत के रोग, पेट दर्द, कब्ज, पाचन रोग, बवासीर, कोलाईटस तक ठीक होते हैं। पेट के सभी अंग स्वस्थ रहते हैं। गर्भावस्था के नौवें महीने में इस मुद्रा को रोज लगाने से प्रसव आसान होता है और सिजेरियन आप्रेशन से बचाव होता है। महिलाओं की मासिक धर्म तकलीफें दूर होती हैं। इस मुद्रा के नित्य अभ्यास से मुख, नाक, कान, आंख आदि के विकार भी स्वाभाविक रूप से दूर होते हैं। मुहं के छाले भी ठीक होते हैं। अपान मुद्रा के करने से संपूर्ण शरीर मल रहित हो जाता है। स्वाधिष्ठान चक्र और मूलाधार चक्र प्रभावित होते हैं तथा उच्च रक्तचाप (High BP) ठीक होता है। मधुमेह में 15 मिनट अपान मुद्रा और 15 मिनट प्राण मुद्रा (देखें पृष्ठ 39 श्रीमहेश्वरी टाइम्स का अप्रैल 2022 का अंक) करने से अधिक लाभ होता है। अपान मुद्रा से नपुंसकता, अनिद्रा, पीलिया, अस्थमा एवं हरमोन प्रणाली भी ठीक होती है। किसी कारण से मूत्र (Urine) रुक जाये, तो अपान मुद्रा करने से बिना किसी दवाई के आ जाता है।

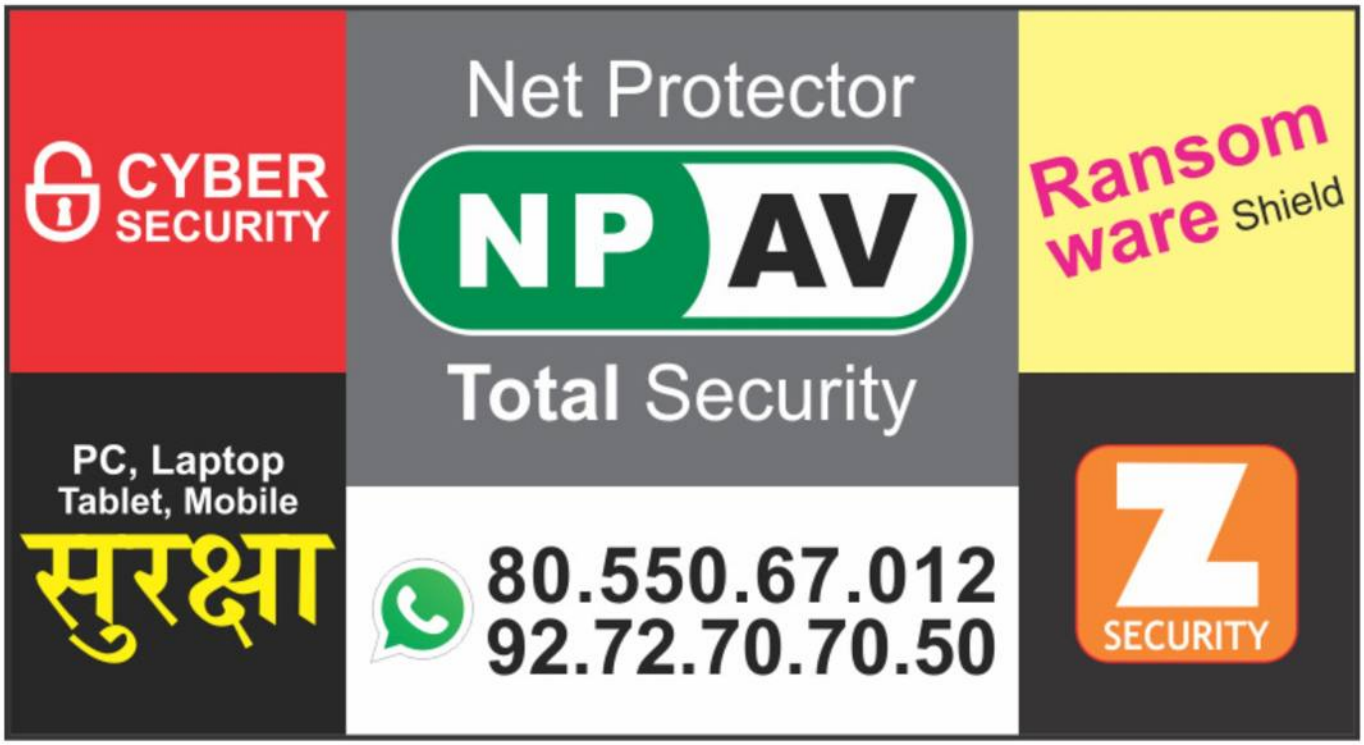

शीत ऋतु जीवन जीने का ढंग बदल देती है। चाहे व्यक्ति किसी भी वर्ग का क्यों न हो उसके ''आलम'' बदले बिना नहीं रहते। ऐसे ही मौसम के मिजाज पर इस व्यंग्य के माध्यम से अपनी व्यंग्य दृष्टि डाल रहे हैं.... व्यंग्यकार बी.एल. आच्छा।

शीत का आलम क्या कहिए

मॉर्निंग वॉक के वे आदी हैं। कोहरे की परत वाली ठंड में भी वे आर्मस्ट्रांग की तरह लदे चले आए। बोले- 'निकलो भी रजाई से।' मैंने कहा- 'इस बार तो ठंड बर्फानी-सी है। बिस्तरस्थ रहना ही बेहतर है।' शरीर पर तीन-चार गरम कपड़े, सिर पर मोटा सा कंटोपा और गले में निहायत गरम मफलर डाले, वे दबी जबान में बोले- 'अरे, ठंड क्या है, चलोगे तो गर्मी आ जाएगी।' मैंने भी अपना फुल स्वेटर पहना। पीटी शू बाँधे और दरवाजा बंद किया।

चलते-चलते अखबार दिख गया। बॉक्स न्यूज पर नजर चली गई- 'शाजापुर में प्रदेश का न्यूनतम तापमान।' अभी तक गर्म था। पढ़ते ही ठंड लगने लगी। उनकी आर्मस्ट्रांग की सी वेशभूषा के आगे मेरा इकलौता स्वेटर ठंड की अखबारी दहशत को सह नहीं पा रहा था।

रास्ते में वे बोले- 'सुहानी ऋतु तो शरद ही है। दिनभर सूट लादो। बदल-बदल कर पहनो। पत्नी के साथ निकलो तो तरह-तरह की शालों-कार्डिगनों के साथ। जूते और मौजों में तो पैर भी कुनकुने लगते हैं। खाने-पीने का मजा ही ठंड का है। फिर दिखने में मैं भले ही विदेशी लगूं, मगर खाने में ठेठ देशी उड़द के लड्डू, मूंग की बरफी, तरह-तरह के हलवे। अच्छा-सा सूखा मेवा डाल दो। जरा-सी केशर कस्तूरी। फिर क्या, ठंड भी खुद ही गरमा जाती है।'

इन सारी बातों से मेरी आंतों को ठण्ड लगने लगी। इकलौती जर्सी भी ठण्डाने लगी। मगर उनकी गर्माहट तो लहक-सी रही थी। मैंने भी तय किया, सूट तो सिलवा ही लिया जाए। मगर मध्यमवर्गीय बजट ने कतरब्योंत स्वीकार न की। बहुत दबाव के बाद पत्नी ने कहा- देखो जी एक सूट तो तीन-चार हजार का पड़ेगा। फिर भी रहेगा तो एक ही न? उससे अमीरी तो नहीं झलकने वाली, मैं सात स्वेटर बना देती हूँ। रोज बदल-बदल कर जाओगे, तो लोगों की नजरें तो टिकेंगी ही।' एक क्लैसिक सूट के बदले सात रंगीन स्वेटर मुकाबला न भी हो, पर मझौली जेब इससे आगे बढ़ न सकी।

अब हर दिन और हर ग्रह के रंग में मैच करते ये स्वेटर पहनकर निकलता हूँ तब पुराने दिन याद आ जाते हैं। वह भी कैसी ठंड थी। सर्दीले तालाबों में कमल खिला करते थे और मेरा सर्दीला बदन इकलौते स्वेटर में। अब तालाबों के कमल गायब हैं और मैं रोज-रोज नए रंग के स्वेटर में खिलता हुआ सड़क पर निकलता हूँ तब एरियल घुले बगुले आकाश में पंगतवार उड़ते थे। अब मैं भी उसी बगुला स्वेटर को पहने सड़क पर उड़ान भरता हूँ। मगर स्वेटर पहनते-पहनते श्रीमतीजी टोक रही हैं- 'जब नया फुल स्वेटर पहने हो तो शर्ट जरा पुरानी ही धका लो। बस, कॉलर जरा ठीकठाक हो।' मुझे मालूम है कि नए जूतों में मैंने फटे हुए मौजों से काम धकाया और नई सी सफारी के नीचे बदन झाँकते बनियान से भी। बेहद जरूरी होने पर भी उन्हें उतारा नहीं है। फिर भी नये स्वेटर में जंच-संवर कर निकलने के सुपर क्लास उच्छाह को श्रीमतीजी ने मेरी मझौली औकात पर ला खड़ा कर दिया है।

शेक्सपियर ने तो कह दिया- जो कुछ चमकता है, सोना नहीं होता।' क्या मैं भी सूक्ति बनाऊँ- 'हर नये फुल स्वेटर के नीचे नया शर्ट नहीं होता। (बल्कि ठीकठाक कॉलर वाला घिसा-पुराना शर्ट ही होता है)। ऐसी हालत में श्रीमतीजी से कहते नहीं बन रहा, उड़द के मेवा डले लड्डू या मूँग की बरफी के लिए। संभव है घर की वित्तमंत्री 'तोप माँगे- तमंचा मिले' की तर्ज पर कह दें- 'अजी गुड़ मूँगफली की चिक्की बेहद स्वादिष्ट होती है। ये बादाम-काजू तो चोंचले हैं।'

और रात को भी उसी आर्मस्ट्रांगनुमा मित्र के साथ टहलने को निकला हूँ। उनकी वेशभूषा तो यों भी सर्दी को टक्कर मारती है। चलते हुए कह रहे हैं- 'सरकार भी बेहद शोषण करती है। भत्ता रिलीज नहीं कर रही है। कार के पेट्रोल पर सीलिंग लगा दी है। अभी इन्कम टैक्स के मारे तो दिसंबर-जनवरी में ही इकतीस मार्च नजर आ रहा है। तभी उनकी नजर सड़क किनारे कुछ मजदूर-मामाओं के डेरों पर पड़ी। कई चूल्हे जल रहे थे। मकई की रोटियाँ सिक रहीं थीं। इस सिकती हुई गंध को भीतर भरते हुए वे बोले- 'यार जिंदगी तो इनकी है। मोटा-सा टिक्कड़ बनाया और खा लिया। न सरकार की परवाह, न टैक्स की। यहीं रात को गुदड़ी में सो पड़े रहेंगे। इनकी भी अपनी मस्ती है।'

मन में आया, कह दूँ- 'हुजूर, मुबारक हो आपको यह मस्ती।' मुझे याद है एक बार रेल यात्रा में बर्थ तो मिल गई, मगर ओढ़ने-बिछाने का कुछ न था। सो मारे सर्दी के पाँव तक पसारे न गए। बैठे-बैठे ही रात गुजारी उस ठंड में। अब कई मकानों मंजिलों का निर्माता यह झाबुआ का आदिवासी मामा इस सर्दीले आसमाँ के नीचे गुदड़ी में सिकुड़ कर सो रहा है। मगर सूखा मेवा डले उड़द के लड्डू का स्वाद, इस मामा की मकई की रोटी की सिकती हुई गंध को भी अपने कब्जे में कर रहा है। अपने इस सुपर क्लास मित्र की गर्माती हुई ठंडक और इस आदिवासी मामा की आकाश तले ठंडाती हुई गुदड़ी के बीच कैसे कहूँ- 'आई शरद सुहावनी'

॥ जय महेश ॥

राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री राजकुमार जी काल्या

को 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2022' से सम्मानित होंने पर

बधाई व शुभकामनाएं

आशीष जाखोटिया
राष्ट्रीय महामंत्री

राहुल बाहेती
राष्ट्रीय अर्थमंत्री

भरत तोतला
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

राजेश मंत्री
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री

अर्पित धूत
राष्ट्रीय खेलमंत्री

सी.पी. नामधरानी
उपाध्यक्ष (पश्चिमांचल)

शरद सोनी
उपाध्यक्ष (मध्यांचल)

रूपेश सोनी
उपाध्यक्ष (दक्षिणांचल)

आशीष शारदा
उपाध्यक्ष (उत्तरांचल)

सुरेश कोठारी
उपाध्यक्ष (पूर्वांचल)

अनुप चांडक
संपादक युवा माहेश्वरी संदेश

सुरेन्द्र रांदड
संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल)

उत्तम चांडक
संयुक्त मंत्री (मध्यांचल)

पुष्पक लड्ढा
संयुक्त मंत्री (दक्षिणांचल)

दिनेश करनानी
संयुक्त मंत्री (पूर्वांचल)

हरीश पोरवाल
राष्ट्रीय बधाई संयोजक

राम सोमानी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

विजय तापड़िया
आई टी हेड

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के समस्त राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य एवं राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य

अ.भा. माहेश्वरी महासभा ने गत कुछ वर्षों में ऐसे कई सेवा ट्रस्ट समाज सहयोग से गठित करवाये हैं, जो समाज के विभिन्न जरूरतमंद विभिन्न वर्गों की सहायता करते हैं। इनमें असहाय, आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा महिलाऐं, विद्यार्थी तथा व्यवसायी आदि वर्ग शामिल हैं। इनके होने के बावजूद भी कई जरूरतमंद समाजजन जानकारी के अभाव में इनका लाभ नहीं ले पाते। तो आइये जानें कौन-कौन से ट्रस्ट से मिलती है, कैसे कैसी सहायता।

भरत सारडा, इंदौर

जरूरतमंद समाजजनों की सेवा करते महासभा के सेवा ट्रस्ट

श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट एवं दम्माणी ट्रस्ट

इन ट्रस्ट द्वारा समाज की आर्थिक रुप से कमजोर, असहाय, विधवा, परित्यक्ता बहनो तथा निःशक्त वृद्धजनों को दो हजार रुपये मासिक की सहायता प्रदान की जाती है। इसे बढाकर 2500 रु. किया जा रहा है। मासिक सहायता तीन वर्षो के लिये स्वीकृत की जाती है उसके पश्चात् भी सहायता की जरुरत हो तो पुनः आवेदन करना होता है। अलग से आवेदन करने पर श्रीमती सरस्वतीदेवी शिवकिशन दम्माणी फाउण्डेशन, मुंबई द्वारा पंद्रह सौ रुपये मासिक की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जा रही है।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र

इसमें व्यवसाय हेतु तीन लाख रुपये तक का ऋण स्वीकार किया जाता है। आवेदक की उम्र 20 से 65 वर्ष हो। ऋण पर मात्र 6 प्रतिशत वार्षिक सेवा शुल्क देय है व समय पर भरने पर 2 प्रतिशत तक की छूट है। ऋण 3 से 5 वर्षों में त्रैमासिक किश्तों में वापस करना होता है। ऋण सहयोग के लिये दो आयकरदाता अथवा जमीन जायदाद के मालिक की गारन्टी आवश्यक है। बिना गारन्टी के भी अधिकतम 30000 रु. तक की ऋण सहायता प्रदान की जाती है। एक से अधिक व दस तक के समूह में आवेदन करने पर 3 लाख प्रति व्यक्ति के हिसाब से भी लोन उपलब्ध है।

श्री बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र

सभी प्रकार की उच्च शिक्षा जैसे सीए/सीएस, आई.सी.डब्ल्यू, सी.एम.ए., आय.ए.एस. आदि जहां बैंको से शिक्षा ऋण नही मिलता तथा सभी प्रकार की उच्च शिक्षा, मेडिकल, आई.आई.टी. आई.आई.एम. तथा अन्य की कोचिंग हेतु विद्यार्थियों को परिवार की आय, शिक्षा केन्द्रो की गुणवत्ता व स्थान के आधार पर 10000 से 50000 रु. प्रतिवर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। महाविद्यालय की स्नातक व स्नातकोत्तर शिक्षा एवं हायर सेकेन्डरी हेतु विद्यार्थी को भी शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुये 7000 रु. तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विद्यार्थी के परिवार की आय चार लाख रुपये तक मान्य होगी तथा आयकरदाता नही होना चाहिये। केन्द्र व राज्यों की प्रशासनिक सेवाओं की लिखित व इन्टरव्यू परीक्षाओं हेतु विद्यार्थियों को भी एक लाख रु. वार्षिक तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। ऐसे विद्यार्थियों के परिवारो की वार्षिक आय छः लाख रुपये तक मान्य होगी।

श्री बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र

जरुरतमंद मेधावी विद्यार्थियों को 5 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर ब्याज की 75 प्रतिशत सहायता छात्रवृत्ति के रुप में प्रदान की जाती है। ऐसे विद्यार्थी के परिवार की आय 5 लाख रुपये वार्षिक तक ही होना चाहिये। प्रतिवर्ष नवीनीकरण हेतु आवेदन करना होगा। विदेश में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को 25 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर ब्याज की 50 प्रतिशत सहायता छात्रवृत्ति के रुप में प्रदान की जाती है। ऐसे विद्यार्थी के परिवार की आय 6 लाख रुपये वार्षिक तक ही होना चाहिये।

श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी

सामान्य को छोड़कर अन्य बीमारी के लिये 65000 रु., गंभीर बीमारी जैसे केंसर व किडनी रोग के लिये 80000 रु. तथा किडनी, लीवर, प्रत्यारोपण के लिये एक लाख रुपये की सहयोग राशि प्रदान की जाती है। सामान्यतः उपचार के बाद खर्चे के ओरिजनल बिल व इलाज की जानकारी प्रस्तुत करने पर आवेदक समाज बंधु के खाते में राशि सीधी जमा कर दी जाती है। परिवार की वार्षिक आय तीन लाख तक हो। सोसायटी द्वारा सामूहिक मेडिकल पॉलिसी (फेमिली फ्लोटर) को प्रोत्साहन करने हेतु एक लाख रुपये वार्षिक तक आय वाले परिवारो की देय प्रीमियम (अधिकतम 2100 रु.) की 75 प्रतिशत राशि सोसायटी द्वारा व 25 प्रतिशत एबीएमएम रिलीफ फाउण्डेशन द्वारा प्रदान की जावेगी एवं एक से तीन लाख रुपये तक की आय वाले परिवारों की प्रीमियम का 60 प्रतिशत सोसायटी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। 30 प्रतिशत एबीएमएम रिलिफ फाउडेशन द्वारा व शेष 10 प्रतिशत राशि क्षेत्रीय /जिला/ प्रदेश सभा द्वारा देय होगी। पश्चिमी म.प्र. में यह योजना पिछले 7 वर्षो से जारी है। यह सोसायटी रक्तदान शिविर में भी सहयोग प्रदान करती है। इसके लिये सोसायटी से पूर्व स्वीकृति लेकर आयोजन करना होगा। रक्तदाता माहेश्वरी होना आवश्यक नही। शहरों में न्यूनतम 100 व गांवो में न्यूनतम 50 युनिट रक्तदान होना आवश्यक है। सोसायटी द्वारा प्रति युनिट 100 रु. का सहयोग आयोजक माहेश्वरी संगठन को प्रदान किया जावेगा।

सहयोगी संस्थाएँ और भी

- ए.बी.एम.एम. महेश भगवती बल्दवा एज्यूकेशन फाउण्डेशन व मोहिनी देवी चुन्नीलाल सोमानी एबीएमएम फाउण्डेशन द्वारा प्री प्रायमरी व प्रायमरी शिक्षा में आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है।
- ए. बी. एम. एम. माहेश्वरी रिलीफ फाउण्डेशन आकस्मिक आपदा हेतु सहायता प्रदान करता है। इसे सीएसआर गतिविधियों के लिये भी मान्यता प्राप्त है। मां रत्नीदेवी काबरा माहेश्वरी महिला सशक्तिकरण ट्रस्ट द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वावलम्बन एवं उद्देश्य पूर्ति के लिये नवीन योजनाओं इत्यादि हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। इसका लक्ष्य समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

सहायता के लिये क्या करें

सभी आवेदनों में सामाजिक आयडी अंकित करना अनिवार्य है। आवेदन के साथ आवेदक की आय का प्रमाण, बैंक खाते की जानकारी हेतु पासबुक की फोटो कॉपी अथवा केंसल चेक, सरकारी मान्यता प्राप्त पहचान पत्र तथा पते का प्रमाण व शिक्षा सहायता के लिये प्रमाणित अंकसूचियां इत्यादि स्वप्रमाणित संलग्न करना जरूरी है। स्थानीय / क्षेत्रीय / जिला / प्रदेश सभा अथवा प्रदेश संयोजक से आवेदन का अनुमोदन करवाना है। फार्म स्थानीय / क्षेत्रीय / जिला / प्रदेश सभा अथवा प्रदेश संयोजक के कार्यालय से प्राप्त करें। सहायता स्वीकृति समस्त ट्रस्टों के नियमों के अन्तर्गत होगी व उनका निर्णय अंतिम होगा। फार्म प्राप्त करने व अधिक जानकारी के लिये यहां भी संपर्क कर सकते हैं -

भरत सारड़ा सीए, 'साकार भवन' 21/4, रतलाम कोठी मेन रोड, इन्दौर (म.प्र.) 452001 फोन नं. 0731 2510070-71 (कार्यालय समय 11:00 से 6:00) मो. 9424530333 पश्चिमी म.प्र. संयोजक श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट एवं बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी ई-मेल Bharatrsarda@gmail.com

पढ़ाई और कैरियर की बढ़ती प्राथमिकता के कारण हमें अपने समाज में विवाह योग्य लड़के और लड़कियों का अभाव नजर आ रहा है और दूसरे समाज के लड़के और लड़कियाँ सहज ही बेझिझक पसन्द आ रहे हैं। हमारे माहेश्वरी समाज में शिक्षित और सुयोग्य लड़के और लड़कियों की कोई कमी नहीं है, पर दूसरों की थाली खुद की थाली से अधिक भरी नजर आ रही है। एक ओर माहेश्वरी बेटियों का दूसरे समाज में विवाह होने से माहेश्वरियों की संख्या पर असर पड़ने लगा है, जो एक चिंताजनक विषय है। दूसरी ओर माता-पिता भी बच्चों की बढ़ती उम्र को देखते हुए न चाहते हुए भी दूसरे समाज में बच्चों का विवाह कर रहे हैं। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि अपने बच्चों के विवाह दूसरे समाज में करना उचित है अथवा अनुचित? उक्त विषय वर्तमान में समाज का एक ज्वलंत विषय है। इससे समाज का भविष्य जुड़ा है तो समाज की युवा पीढ़ी का जीवन भी। आइये जानें स्तम्भ प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

अंतर्जातीय समाज में पुत्र-पुत्रियों का विवाह
उचित अथवा अनुचित?

अपने समाज के लड़के-लड़कियों को अपनाएं

हमारी कोशिश यही होनी चाहिए कि हमारे बच्चों का विवाह हमारे अपने समाज में ही हो। ऐसा नहीं है कि हमारे समाज में पढ़े-लिखे लड़के-लड़कियों की कमी है, आवश्यकता है तो धीरज के साथ खोजबीन करने की। बच्चे जब शिक्षा और करियर के अंतिम पड़ाव पर हों तभी उनकी पसंद-नापसंद के अनुरूप उनके लिए योग्य जीवनसाथी की तलाश शुरू कर दें तो हमें इस कार्य के लिए पर्याप्त समय मिलेगा, क्योंकि अगर बच्चों के करियर बनाने और दो-चार साल अनुभव हासिल करने के बाद उनके लिए जीवनसाथी की तलाश शुरू करते हैं तो उनकी उम्र युवावस्था से आगे बढ़ चुकी होती है और ऐसे में न चाहते हुए भी जो सजातीय या विजातीय रिश्ता पसंद आता है वही तय करना पड़ता है। आजकल तो बच्चों के युवावस्था में कदम रखने के साथ ही कुछ खुले विचारधारा वाले माता-पिता तो बड़े स्पष्ट शब्दों में बच्चों से कह देते हैं कि अगर कोई जीवनसाथी के रूप में पसन्द हो तो निसंकोच बता देना हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। इतना ही नहीं बच्चों के बॉयोडाटा में भी एक पंक्ति विशेष जोड़ने लगे हैं 'सभी समाज स्वीकार्य'। क्या यह सब समाज के हित में उचित है अथवा अनुचित? बच्चों की खुशी के लिए प्रेमविवाह को सहमति देकर रिश्ते को स्वीकार कर लेना अब साधारण बात लगती है, चाहे वह प्रेमविवाह सजातीय हो या विजातीय। लेकिन माता-पिता या परिवार द्वारा विजातीय समाज में संबंध ढूंढने की पहल करना उचित नहीं है। माहेश्वरी जनसंख्या साल दर साल घटती जा रही है ऐसे में अच्छे लड़के और लड़की पाने के चक्कर में बेहिचक अंतर्जातीय वैवाहिक रिश्ते जोड़ने में सहयोगी ना बनें, वरन अपने ही समाज के लड़के और लड़कियों को अपनाएं। माहेश्वरी समाज की संस्कृति और संस्कार को अक्षुण्ण रखने के लिए भी यह अतिआवश्यक है।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव

अन्तर्जातीय विवाह मजबूरी

रिश्तेदारों व समाज बंधुओं में इन वर्षों में समन्वय की कमी (अनेक कारणों से) व वास्तविकता से परे अरमान, बड़ी डिग्री व बड़ा पैकेज भी अंतरजातीय विवाह के कारण बन रहे हैं। शिक्षा वैसे समस्या नहीं होती लेकिन हमारे समाज पर इसका विपरीत प्रभाव हुआ है। अब लड़का आईआईटी से, बड़ा पैकेज, लड़की डॉक्टर है तो ऐसी परिस्थितियों में मां बाप भी लाचार हो जाते हैं। ऐसे मामलों में तो विवाह की उम्र कब पीछे छूट जाती है और कब समझौते की स्थिति बन जाती है, पता ही नहीं चलता। मेरी नजर में जितने भी देश में बड़े शिक्षा के केंद्र हैं वहां समाज द्वारा संचालित होस्टल बने, जिसमें लड़के-लड़कियों के लिये एक ही कैंपस में अलग-अलग न्यूनतम दरों पर रहने की व्यवस्था हो। वहां निरंतर सामाजिक गतिविधियां होती रहें तो काफी हद तक अंतरजातीय विवाह को कम किया जा सकता है।

❐ **बद्रीलाल आगार,** मनासा

समाज में ही करें शादी

एक जमाना था, जब हमारे बुजुर्ग अपने बच्चों के विवाह संबंधी चर्चा में एक, दो नहीं, बल्कि पूरे चार गौत्रों स्वयं, मामा, मां के मामा और पिता के मामा से लेकर जन्म पत्रिका तक का मिलान करते थे। धीरे धीरे समय बदला और फिर केवल दो गौत्र (स्वयं और मामा) से संबंध तय होने लगे। यहां तक तो फिर भी ठीक था लेकिन अब जमाना बदल गया है। अब बच्चे अपने समाज को छोड़कर, दूसरे समाजों में विवाह कर रहे हैं। परिणामस्वरूप समाज की जनसंख्या घट रही है। ऐसे अंतर्जातीय विवाह पर अभिभावकों को बच्चों की खुशी के लिए 'हां' करना पड़ती है। मुझे याद आ रहा है, एक बार किसी संत-महात्मा ने माहेश्वरी समाज की घटती हुई जनसंख्या के संदर्भ में आगाह किया था। शायद उनका इशारा समाज के बच्चों का विवाह समाज में ही करने की ओर रहा होगा। लेकिन आज समाज की इस ज्वलंत समस्या को विवाह योग्य बच्चे बड़ी आसानी से 'नौ दो ग्यारह' कर सकते हैं। ❐ **जय बजाज,** इंदौर

अंतर्जातीय विवाह गैर जिम्मेदाराना निर्णय

अंतर्जातीय समाज में पुत्र-पुत्री का विवाह करना घोर निराशाजनक एवं गैर जिम्मेदाराना रवैया हैं। कुछ समाजजन का विचार है कि समाज में योग्य युवक-युवतियों की कमी है, यह भ्रामक है। अंतर्जातीय विवाह के लिये सबसे जिम्मेदार पक्ष युवक-युवती है। माता-पिता की इच्छा व पसन्द के विपरीत अन्य जाति के लड़के व लड़कियों को पसन्द करना व उनसे शादी का प्रोमिस कर लेना स्वयं, परिवार व समाज के प्रति विश्वासघात एवं अन्याय है। माहेश्वरी समाज सबसे धनी व बुद्धिमान की श्रेणी में आता है, जिस पर भगवान महेश व पार्वती का पूर्ण आशीर्वाद है। माहेश्वरी कोई जाति नहीं यह तो एक उच्च विचार व सोच का समूह हैं, जो न केवल स्वयं के व समाज के प्रति बल्कि अन्य जगह भी अपनी जिम्मेदारी समझता है। माहेश्वरी समाज ने अपनी पहचान व ख्याति अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाये रखी है। हमें अपनी संस्कृति, समाज की घटती जनसंख्या को बचाना है, तो अंतर्जातीय विवाह का विचार छोड़ देना स्वयं, परिवार, समाज के हित में है। माता-पिता को भी चाहिये यदि पुत्र-पुत्री को कॅरियर बनाना है तो उच्च शिक्षा भी जरूरी है परन्तु शिक्षा समाप्त होते ही व जॉब लगते ही शादी कर देना चाहिये। माता पिता को अन्य समाज में शादी वाले युवक-युवती के दोषों पर चर्चा करनी चाहिये।

❐ **कृष्णा गोपाल ईनाणी,** भीलवाड़ा

किसी भी ढंग से उचित नहीं

किसी भी समाज की गरिमा उसके सदस्यों से बनती है और वही समाज आदर्श समाज कहलाता है जिसके सदस्य नियमों के अनुरूप चलें। माहेश्वरी समाज समृद्ध एवं आदर्श समाज कहलाता है परंतु आधुनिक युग में अंतरजातीय विवाह होने की वजह ने हमारे समाज की मजबूत छवि को धूमिल किया है एवं इससे काफी ठेस लगी है। विवाह तो अपने समाज में ही उचित कहलाता है और इसी से हमारी रिश्तेदारी बढ़ती है। अंतरजातीय विवाह ना तो शास्त्र सम्मत है न हीं हमारे लिए कोई सम्मान का विषय है। जहां तक हो सके विवाह समाज में ही करना उचित है। अगर विजातीय लड़के अथवा लड़की का संबंध आता है तो हमें स्पष्ट रूप से मना करना चाहिए। परिस्थिति विशेष में अथवा जहां प्रेम विवाह की बात होती है वहां इसे स्वीकार करेंगे अन्यथा बच्चों का भविष्य अनिश्चित हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में हमें अंतर्जातीय विवाह को सहमति देनी आवश्यक हो जाती है। प्रारंभ से ही बच्चों को एक निर्देश दें कि अपने ही समाज की लड़की अथवा लड़का पसंद करें, हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। अपने समाज में भी अच्छा मैच हो सकता है। पढ़ाई और नौकरी का जहां तक सवाल है, वह अपने समाज में भी आजकल सब लोग कर रहे हैं। किसी को कोई आपत्ति नहीं है। अतः मेरा तो यही सुझाव है कि विवाह जाति में ही होना चाहिए।

❐ **उर्मिला तापड़िया,** बीकानेर (राज.)

परिस्थितियाँ करवाती हैं अंतर्जातीय विवाह

किसी भी परिवार में कोई स्वयं होकर अंतरजातीय विवाह को राज़ी नही होता, परिस्थितियां उसे राज़ी करवा लेती हैं। आज के समय में यह उचित है। मध्यमवर्गीय परिवार में कोई लड़की ब्याहने को तैयार नही है। सभी को महानगर-एकल परिवार -उच्च वेतन वाला ही सुंदर लड़का चाहिए। हमारे परिवार का भी ऐसी परिस्थितियों से सामना हुआ है। वर्ष 2006 में मेरे छोटे जुड़वा भाइयों के लिए परिवार के सभी रिश्तेदारों की चोखट पर जाकर आए, कुबेर की थोड़ी कृपा कम थी, हमें सभी जगह से निराशा ही मिली। भाइयों की बढ़ती उम्र देख कर अंतर्जातीय विवाह का निर्णय लिया। प्रभु कृपा से दो महाराष्ट्रीयन बहनें मिली। ज़ोरदार विवाह के पश्चात हैदराबाद में स्वागत समारोह किया। समाज से कोई बात नही छिपाई। दोनों आज 17 वर्ष से 20 सदस्यो के संयुक्त परिवार में साथ रहती हैं। दोनों बेटों के भी अंतर्जातीय विवाह हुए। दोनो विवाह बहुत बढ़िया से सम्पन्न कराए। हमने उन्हें प्रसन्नतापूर्वक मान्यता दी। उन्होंने मेरे परिवार को प्रेम पूर्वक अपनाया। अपने सभी त्योहार-रीति रिवाज उनको संयम से सिखाये। आज सभी बहुओं का वेष भूषा व मारवाड़ी भाषा पर प्रभुत्व है। बड़ी बहू अमेरिका में बैंक में तो छोटी बहू पुणे में आइटी कम्पनी में कार्यरत है। घर में अपनी संतानो के साथ सभी मारवाड़ी में बातचीत करते हैं। सभी के कार्यरत रहने से परिवार का आर्थिक ग्राफ़ भी काफ़ी सुधरा है।

❐ **गोविन्द सोमाणी,** हैदराबाद

हमेशा अनुचित नहीं अंतर्जातीय विवाह

इसे समसामयिक परिवर्तन की बयार कहें, या आधुनिक परिवेश की आवश्यकता, अंतरर्जातीय विवाह की एक नवीन परंपरा सामाजिक स्तर पर आरंभ हो चुकी है, जिसे रोक पाना किसी के बस की बात नहीं है। विवाह के लिए न तो जाति प्रधान है, ना ही परिवार। प्रधान है, तो बस वैचारिक मिलन और जहां दो व्यक्तियों के विचार एक हो जाते हैं, वहीं वे एक व्यक्तित्व बनकर सहज रूप से जीवन का सफर साथ-साथ तय करने को तैयार हो जाते हैं। परिवर्तित परिवेश के साथ ढल जाना ही बुद्धिमत्ता मानी गई है, बशर्ते यह परिवर्तन किसी व्यक्ति या समाज को हानि ना पहुंचाएं। आज 40 प्रतिशत से अधिक परिवारों के बच्चे शिक्षा, नौकरी व व्यवसाय के लिए परिवार व परिजनों से दूर रहकर देश या विदेश में चले जाते हैं। ऐसे में युवा उम्र में विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण स्वाभाविक है। साथ ही अपनों से दूर अनजान परिवेश में युवा ऐसे साथी को तलाश करते हैं, जिससे वे अपने मन की बात साझा कर सकें व अपने सुख-दुःख में उसे सहभागी बना सकें। अंतर्जातीय विवाह का एक कारण यह भी है। दूसरे युवाओं की उच्च शिक्षा व कैरियर की चाह में वे लंबे समय तक विवाह को टालते रहते हैं। ऐसे में बढ़ती उम्र में स्वजाति में योग्य वर या वधू नहीं मिलने पर अन्य जातियों में इसकी तलाश करने लगते हैं। अंतर्जातीय विवाह सदैव गलत नहीं होते, बशर्ते यह विवाह पारिवारिक सामंजस्य व स्नेह की डोर से बंधे रहें। अति रूढ़िवादिता यहां कटुता ला सकती है और वैवाहिक बंधन के लिए घातक भी हो सकती है। अतः अंतरजातीय विवाहों को सामंजस्यपूर्ण स्वीकार करना आज के समय की बहुत बड़ी मांग है। मगर जब इसका दायरा बढ़ता है और अंतर्जातीय विवाह परधर्म में प्रवेश कर जाते हैं, तो इसके कुठाराघातों की कल्पना से ही हमारी आत्मा कांप उठती है। अतः अपने बच्चों व युवा पीढ़ी को सदैव अपने संस्कारों से जोड़ कर रखना परम आवश्यक है व साथ ही इसके दुष्परिणामों से भी उन्हें सचेत करते रहें। अन्यथा हम अपनी संतति को दलदल में धंसते देख कर भी कुछ कर पाने में स्वयं को अति असहाय महसूस करेंगे।

❐ **पल्लवी दरक (न्याती),** कोटा (राज.)

समाज में विवाह ही सर्वोत्तम

सबसे पहले ये समझना होगा कि विभिन्न समाजों के निर्माण का इतिहास क्या है? माहेश्वरी समाज का इतिहास व परंपरा क्या है? एक समान विचारधारा, एक समान रीति रिवाज, एक जैसा खान-पान, एक जैसा परिवेश, पहनावा व परम्परा, एक जैसे गीत, एक जैसी संस्कृति, एक जैसी भाषा.... इत्यादि ये होती है, सामाजिक व्यवस्था। एक शांतिपूर्ण, एक परम्परा युक्त जीवन जीने के लिए, एक जैसी विचारधारा आवश्यक है। अतः विवाह, यानी दो परिवारों का मिलन, एक ही समाज मे हो, तो अति उत्तम होता है। वैसे आध्यात्मिक दृष्टि से, मानव मात्र एक है, लेकिन विभिन्न जातियां, अनेकता में एकता दर्शाती हैं। मनुष्य कितनी भी तरक्की कर ले, जातियों का बन्धन ही उसे विकसित मानव बनाता है। वैवाहिक युगल की विचारधारा अलग हो सकती है, ये स्वाभाविक है, लेकिन सामाजिक संस्कृति उन्हें एक रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जीवन मे किसी तरह की ऊंच-नीच में सामाजिक सहयोग परिस्थिति से उबरने में सहायता प्रदान करता है। एक समाज के युगल होने से उत्सवों में आनंद द्विगुणित हो जाता है। ऐसे अनेक कारण हैं, इसलिए माहेश्वरी समाज में ही, बच्चों का वैवाहिक संबंध उचित है, एवम सर्वोत्तम भी है।

❐ **श्रीकांत बागड़ी,** मुम्बई

अन्तर्जातीय विवाह समय की मांग

राजस्थानी अन्तर्जातीय विवाह समय की मांग है। शादी या विवाह जीवन का एक बहुत अहम् हिस्सा है और विवाह करने के लिए आपकी इच्छा, पसंद, खुशी सब होना बहुत ही जरुरी हैं। अन्तर्जातीय विवाह आखिर क्या है? जब दो लोग जो एक धर्म के तो है लेकिन उनकी जाति और समुदाय अलग है, शादी करते हैं तो उसे अन्तर्जातीय विवाह कहा जाता है। अन्तर्जातीय विवाह विज्ञान सम्मत भी है। भारत देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाता है। प्राचीन इतिहास देखा जाय तो विवाह को लेकर पूरी छूट थी। आज वैसे भी समाज ने बौद्धिक स्तर बढ़ाया लेकिन संस्कारों का स्तर नही बढ़ाया। सामाजिक स्तर के साथ आर्थिक स्तर पर भी दूरियां बढ़ती जा रही हैं। कोशिश हर कोई कर रहा है लेकिन मनचाहा परिणाम नहीं मिल पा रहा है। हम लोग समस्या को लड़का-लड़की या उनके पालक पर थोपकर अनदेखा नही कर सकते। इसके लिए निश्चित समाधान निकलना जरूरी है। हम जिस तरह से आंखों से काजल चुराते हैं उसी तरह से हमें आज जो भी जीवनसाथी मिल रहा है, उसका चयन करना चाहिए। हिन्दु सनातन धर्म को जीवित रखने के लिए आज यह कदम उठाना जरूरी है।

❐ **अनिता ईश्वरदयाल मंत्री,** अमरावती

कदापि उचित नहीं अंतर्जातीय विवाह

समाज में अन्तर्जातीय विवाह उचित तो कदापि नही है। अनुचित है, गलत है। इसकी मार्मिक वेदना आज समाज भुगत रहा है। अपना कैरियर बनाने की महत्त्वाकांक्षा के चक्कर मे युवा पीढ़ी भटक रही है। समाज मे उच्च शिक्षितो और संभ्रातो की कमी नही है। अन्तर्जातीय विवाह से पहले उसके दुष्परिणामो का अवलोकन बहुत जरूरी है। जल्दबाजी एवं हठ में लिया गया निर्णय सिर्फ और सिर्फ पछतावा ही देता है। हम देखते है कि कुछ समय बाद ही ये संबंध विच्छेद या मौत के करीब आ जाते हैं। समाज से ही हमारा अस्तित्व, हमारी पहचान है। समाज का महत्व देर होने से पहले समझना बहुत जरूरी है। बेटियों के अन्तर्जातीय विवाह समाज की घटती जनसंख्या का प्रमुख घटक है। किशोर व युवा पीढी से निवेदन है कि ऐसे अनुचित व गलत निर्णय लेने से पहले क्या खोया क्या पाया को ध्यान मे रखकर परिणामों का दूरदृष्टिता से पूर्वाभास करें। समाज के प्रति निष्ठावान हो अपने अनुकूल जीवन साथी का चयन समाज में ही करें।

❐ **अयोध्या चौधरी,** अलीराजपुर

रिश्ते में आपसी तालमेल जरूरी

अन्तर्जातीय विवाह को भले ही माता-पिता कितने ही आधुनिक क्यों न हों, जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाते लेकिन धीरे-धीरे मान्यताएं बदल रही हैं। अगर लड़का और लड़की एक ही जगह कार्यरत हैं, आपस में उनके विचार मिलते हों एक-दूसरे के परिवार के साथ भी अच्छी घनिष्ठता होने के साथ एक दूसरे को समझते भी हों तो जीवन रूपी गाड़ी भले ही अन्तर्जातीय विवाह हो सुचारु रूप से चलती ही नहीं बल्कि एक-दूसरे के साथ अच्छा तालमेल भी देखने को मिलता है। अक्सर देखा गया है कि अपनी ही जाति में विवाह होने पर भी लड़के वाले समाज में झूठी प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिए अतिरिक्त दबाव डाल कर लड़की वालों पर आर्थिक संकट खड़ा कर देते हैं। हमें यह समझना होगा कि लड़के वाले या लड़की वाले दोनों बराबर हैं बल्कि देने वाला ही अगर देखा जाये तो बड़ा होता है। इसलिए अन्तर्जातीय विवाह बुरा नहीं,बुराई हमारी मनमानी माँगों व दिखावे के लिए किये जाने वाले अनावश्यक खर्चों में है। इसलिए हमें सामाजिक बुराइयों का बहिष्कार करते हुये पैसा व समय दोनों बचाना चाहिए।

❐ **साधना राठी,** गुवाहाटी

सजातीय विवाह को ही दें प्राथमिकता

अंतर्जातीय समाज में विवाह यह एक ऐसा विषय है जो अपने आप में ही प्रश्न लिए है। हर समाज सजातीय विवाह को ही प्राथमिकता देना चाहता है, लेकिन बदलता परिवेश, परिवार से दूरी, युवाओं का बदलता मानसिक स्तर, शिक्षा का विस्तार, लड़कियों का हर क्षेत्र में बढ़ता रुझान, आर्थिक स्वावलंबन जैसे अनेक ऐसे कारण भी हैं जिसने अंतर्जातीय विवाह को बढ़ावा दिया है। जिनके लिए सजातीय विवाह एक आदर्श माना जाता था, आज उन्हीं के परिवार में अंतर्जातीय विवाह पाए जाते हैं। युवा पीढ़ी उसी समय शिक्षा के लिए परिवार से दूर होती है जब उन्हें समझ की ज्यादा जरूरत होती है, यही समझ उन्हें बाहर के वातावरण से मिलती है और अपनी मानसिकता से जो उन्हें अच्छा लगता है वो ही वे करना चाहते हैं। छोटी-छोटी बातों में टूटते रिश्ते कहीं न कहीं मां बाप को भी भयभीत करते है। अतः उन्हें अनिच्छा से भी सहमति देनी पड़ती है। समाज और परिवार क्या चाहता है, इसकी नैतिक जिम्मेदारी हर पीढ़ी को समझना जरूरी है। हर बार जरूरी नहीं कि ऐसे विवाह गलत हों। आज के दौर में यह भी देखा गया कि सजातीय विवाह भी सफल नहीं हो पाते। यदि लड़कियां दूसरे समाज में विवाह करती हैं तो लड़के भी अन्य समाज की लड़कियां अपने समाज में लाते हैं। वास्तविकता यह है कि युवा पीढ़ी जात-पात की बजाय, आपसी मानसिक स्तर मिलने पर ज्यादा जोर देती है। अतः उचित या अनुचित यह परिस्थितियों के अनुसार ही निश्चित करना उचित होगा।

❐ **ज्योति सोनी,** नागपुर (महाराष्ट्र)

खुश रहें - खुश रखें

जब कोई आपकी तारीफ करे तो यह जरूर देखें कि उसमें सच्चाई कितनी है और कितना झूठ है

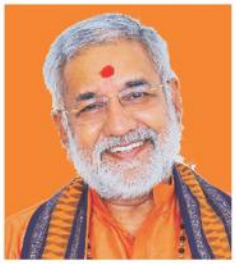

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - श्रीराम के पिता राजा दशरथ अपनी सभा में बैठे हुए थे। वे सबसे सुझाव ले रहे थे कि क्या राम को राजा बना दिया जाए? सुझावों के साथ-साथ लोग उनकी तारीफों के पुल भी बांध रहे थे। जब दशरथ की बहुत तारीफ होने लगी तो दशरथ ने भरी सभा में आईना निकाला और अपना चेहरा देखने लगे। सबको आश्चर्य हुआ, दशरथ ऐसा कभी नहीं करते थे, लेकिन उस दिन उन्होंने ऐसा किया।

सभी जानते थे कि दर्पण एकांत में देखा जाता है। सबके सामने आईना देखना अभद्रता है, लेकिन दशरथ देख रहे थे। उन्हें दिखा कि उनके कान के पास के बाल सफेद हो गए हैं और मुकुट थोड़ा तिरछा हो गया। उन्होंने मुकुट को सीधा किया और कान के पास सफेद बालों से ये समझ लिया कि बुढ़ापा अब आ रहा है। अब सत्ता नई पीढ़ी को सौंप दी जाए और उन्होंने श्रीराम के राजतिलक का निर्णय ले लिया।

बाद में किसी ने उनसे अकेले में पूछा कि सबके सामने आप आईना क्यों देख रहे थे? उन्होंने जवाब दिया 'लोग मेरी तारीफ कर रहे थे और मैंने दिल के आईने में देखा कि क्या सचमुच मैं इस लायक हूं? मेरा मुकुट थोड़ा तिरछा हो गया है, यानी व्यवस्था अब एक नई व्यवस्था की मांग कर रही है और मैंने राम के लिए निर्णय ले लिया।'

सीख - जब भी कोई आपकी तारीफ करे, अपने दिल के आईने में जरूर देखना चाहिए कि क्या आप इस योग्य हैं? क्योंकि आप क्या हैं, ये आपसे अच्छा कोई नहीं जान सकता है। लोग जो देखते हैं वह कहते हैं, लेकिन आप जो होते हैं वह आप ही जानते हैं।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

सेब की खीर

सामान्यतय सेब की खीर व्रत के दौरान बनाई जाती। इस महा शिवरात्रि पर सेव की खीर का आनंद लीजिए।

सामग्रीः दूध फुलक्रीम-1 लीटर (5 कप), बेकिंग सोडा-आधा पिंच, सेब-400 ग्राम (मीडियम आकार के 2 सेब), चीनी-75 ग्राम (1/3 कप), काजू-10, किशमिश-15-20, पिस्ते- 7-8, छोटी इलाइची- 4

विधिः दूध को किसी भारी तले की कढ़ाई में गरम करने के लिये गैस पर रख दीजिये। दूध को उबाल आने के बाद चमचे से चलाइये और दूध के आधा रहने तक उबाल लीजिये, थोड़ी थोड़ी देर में उबलते दूध को चमचे से नीचे तले तक ले जाते हुये चलाइये ताकि दूध कढ़ाई के तले में लगे नहीं। काजू को एक काजू के 7-8 टुकड़े करते हुये काट लीजिये, चार काजू साबुत बचा लीजिये जो खीर को सजाने के काम में आयेंगे। किशमिश के डंठल तोड़कर धो लीजिये। पिस्ते बारीक कतर लीजिये। छोटी इलाइची छील कर कूट लीजिये। सेब को धोइये, छीलिये और बीच का सख्त हिस्सा हटा कर कद्दूकस कर लीजिये। उबलते दूध में बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह मिला दीजिये, कद्दूकस किया हुआ सेब डालिये और खीर में फिर से उबाल आने तक चमचे से चलाते हुये पकाइये। सेब के पकने और खीर के गाड़ा होने, एक जैसे मिलने के बाद सूखे मेवे और चीनी मिला दीजिये। खीर को चमचे से चलाते हुये 2-3 मिनिट पकाइये। सेब की खीर बन चुकी है, आग बन्द कर दीजिये। खीर में कुटी इलाइची डालकर मिला दीजिये। सेब की खीर को प्याले में निकालिये और ऊपर से बारीक कटे पिस्ते और काजू से सजाइये। सेब की खीर गरम या ठंडी जैसे चाहें परोसिये और खाइये।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

हर कर्म रो हिसाब हुवे

दूसरों रे सुन्दर महल देखने ईर्ष्या करणे अपने मन ने युहीं व्यथित नहीं करणो चहिजे ।

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रियाँ हाँ भाग्य पर... किन्ही व्यक्ति ने उने भाग्य सूं ज्यादा और समय सूं पहला कुछ भी नहीं मिळे। यदि इण थ्योरी पर आपा विश्वास करां तो कदैई दूसरों री उन्नति और खुद री तंगहाली पर शर्मिंदगी नहीं हुवे।

हुकुम दूसरे रा महल देखनें आपा आपणी झोंपड़े ने अग्नि रे हवाले कर देंवा यां तो मूर्खता है इण वास्ते कोई सयानों बड़ी खरी कही है-

देख पराई चुपड़ी मत ललचावों जी

रुखी सुखी खाय के ठंडा पानी पी।।

यानि दूसरों रे ऐश्वर्य ने देखने अपणों मन नहीं ललचाणों चईजे। अपने भाग्य अथवा पुरुषार्थ सूं जो भी रूखों-सूखों मिळे उने खानें और ठंडा पानी पीने संतोष कर लेणो चहिजे ।

कोई केड़ा व्यंजन खावे,? कितेई प्रकार रा सुख भोगे..? कीन्हेई कने किती गाड़ियाँ हैं? किता नौकर-चाकर हैं? इण सबने अनदेखों करतो हुवों मनुष्य सदा अपणे पुरुषार्थ पर विश्वास करें। जो भी जीवन मे हासिल करणों चाहवें उने ईमानदारी सूं कौशिश करतो रेवणों चईजे। बारबार प्रयास करणों और ईश्वर रे न्याय पर भरोसो करने ही मनुष्य अपणों फल पा सकें।

यां बात तो स्पष्ट है कि अपणे भाग्य सूं जो भी आपाणे मिळे उन्हें जीवन मे संतोष करतो हुओ ईश्वर ने धन्यवाद देवणों चईजे। फालतू ही भाग्य ने कोसने या उण मालिक ने दोष देवण सूं कुछ नहीं हुवेला। श्री हरि रो दरबार बड़ों न्यायकारी है वठे किन्हेई रे साथे अन्याय नहीं हुवें।

जो भी अच्छा या बुरा कर्म आपा करां विने अनुसार ही फल मिळे। विनो कारण है कि कर्म करण में सगळा स्वतन्त्र हैं। जण आपा सत्कर्म करां.. ईश्वर ने धन्यवाद देवा पर जण... कुकर्म करां अपणे मन रा राजा बण जावां।

हुकुम इंसान किन्हें सूं नहीं डरे। सारी दुनिया ने आपरी मुट्ठी में करने , उने आग लगा देवण री बात करें। किन्ही री जान लेवणी, किन्ही रो अपमान करणो तो व्यक्ति रे दिनचर्या रो हिस्सों ही बण ग्यों है। उण समय भूल जावें कि इण सबरा परिणाम भी भुगतना पड़े है। सांसारिक न्यायालय रे प्रमाणों रे अभाव में बरी हूँ सकें पर उण परम न्यायाधीश री अदालत सूं सजा पाए बिना नहीं बच सकें.. क्योंकि वठे किन्हीं गवाह या सबूत री जरूरत नहीं पड़ें।

ऋषि-मुनि और विद्वान इण वास्तें हर कदम पर संभल ने रेवण री बात करें। यदि समय रहते हुए नहीं चेते तो उण प्रभु रे कोप सूं नहीं बच सकें ।

अपणी सुख-समृद्धि रे रास्ते रा रोड़ा आपा स्वयं हैं। जण समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त हुवा जण उना परिणाम न चावते हुए दुखों रे रूप में भुगतणा ही पड़े। यों ही कारण है कि संसार में इती असमानता है। कोई बहुत सुन्दर है, कोई मृत्यु पर्यन्त स्वस्थ रेहवें, कोई जीवन में सुविधाओं रा भोग करें, कोई उच्च पद पर आसीन है, कोई हर प्रकार सूं सुखी जीवन जीवें है।

इने विपरीत कोई कुरूप है, दो जून रोटी भी नहीं खा सकें, कोई जन्मजात रोगी है, किन्हें जीवन भर लानत झेलनी पड़े है, कोई अभावों में एड़ियाँ रगड़ते मर जावें।

हुकुम आपाणे सदा अपणे कर्मों पर ध्यान देवणों चाहिजै दूसरों सूं कदैई ईर्ष्या-द्वेष नहीं करणी चहिजे। दूसरों री समृद्धि ने देख यथासंभव सत्कार्यों री ओर प्रवृत्त होवणों चईजे ताकि आगे रा जन्मों में मनचाहों ठाठ मिळ सकें। हुकुम हर कर्म रो हिसाब हुवें ।

मुलाहिजा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- अपनी सफलता के लिए हर कोई प्रयत्नशील होता है, आप औरों की सफलता के लिए भी सहयोग कीजिए।
- प्रयत्न करने से कभी न चूकें हिम्मत नहीं तो प्रतिष्ठा नहीं, विरोधी नहीं तो प्रगति नहीं? 'आशान्वित रहें'
- एक समर्थ व्यक्ति के पीछे कई समर्थ साथी भी होते हैं, अकेला कोई कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकता।
- भाषा अवश्य सुन्दर होनी चाहिए, पर आपकी पहचान आपके कर्मों से ही होगी।
- 'मनुष्य परिस्थितियों का दास नहीं हैं। वह उनका निर्माता, नियंत्रणकर्ता और स्वामी है..!'
- कुछ आस्तीनों की मजबूरियां भी होती हैं खुशी से अपनी भला साँप कौन पालता है।
- कीमत दोनों की चुकानी पड़ती है... बोलने की भी ओर चुप रहने की भी...

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

आपके लिए फरवरी महीना अत्यंत अनुकूल रहने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में कुछ रुकावट के बावजूद सफलता आपको अवश्य मिलेगी। इस महीने आप एक खुशहाल जीवन जीते हुए सफलता के नए आयाम स्पर्श करेंगे। आपके लिए बेहतर होगा कि नवीन कार्य प्रारंभ करने के बजाए जो कार्य आप अभी तक करते आए हैं, उसे और सुंदरता से करने का प्रयास करें। प्रारंभ के 2 सप्ताह में धन का खर्च तेजी से होगा कृपया प्लानिंग से चलें। दूसरे सप्ताह के अंत तक अचानक धन प्राप्ति योग भी बनेंगे। संभवतः रुका हुआ पैसा, उधारी इत्यादि वापस आ सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से देखें तो गैस्ट्रिक ट्रबल, सिरदर्द, पाचन से संबंधित समस्याएं हो सकती है।

वृषभ

आपके लिए यह महीना सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। व्यापार में लाभ होगा। जो जातक नौकरी के क्षेत्र में हैं, उनके वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध अच्छे रहेंगे एवं प्रमोशन योग भी बन सकते हैं। दूसरे सप्ताह के पश्चात आंखों में जलन, संक्रमण जैसी समस्या हो सकती है। पाचन संस्थान अस्त-व्यस्त रहेगा। इनके प्रति सजग रहे। परिवार में छोटे-मोटे विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। आप इन्हें नजरअंदाज करके आसानी से इस परिस्थिति से बाहर आ सकते हैं।

मिथुन

जो जातक नौकरी के क्षेत्र में हैं, उनके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से यह महीना लाभ देने वाला साबित होगा तथा जो जातक व्यापार-व्यवसाय में हैं, उन्हें आर्थिक दृष्टि से मिले-जुले परिणाम मिलेंगे। महीने की शुरुआत खर्चीली रहेगी एवं दूसरे सप्ताह के पश्चात खर्च पर अंकुश लग पाएगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से छोटी-मोटी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। स्किन पर एलर्जी, आंखों का लाल होना जैसी समस्या हो सकती है। पारिवारिक माहौल अनुकूल एवं सुखद रहेगा।

कर्क

आप इस महीने अपने कार्य क्षेत्र में एवं अपने कार्यों में एक उदासीन दृष्टिकोण पाएंगे। काम को टालमटोल करने की आदत उत्पन्न हो सकती है। इससे आपकी पेंडेंसी बढ़ेगी जो आपको तनाव दे सकती है। काम की अधिकता आपको थकान दे सकती है। जो जातक व्यापार-व्यवसाय में हैं, उन्हें उनके प्रतिद्वंदी नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्रथम 2 सप्ताह में आपको धन किस जगह खर्च करना है और किस जगह नहीं, इस प्राथमिकता को तय करना पड़ेगा। अभी इस समय धन निवेश करने से बचे तो अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से छोटी-मोटी समस्याएं रहेंगी। परिवार में छोटी-मोटी बातों के विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। कृपया अनावश्यक बोलने से बचें।

सिंह

आपके लिए यह महीना आध्यात्मिक दृष्टिकोण से जीने की सलाह देता है। नियमित रूप से मंदिर जाऐं, योग, ध्यान इत्यादि के लिए समय निकालें एवं अपने गुरु के आशीर्वाद नियमित रूप से लेते रहें। बहुत अच्छा होगा कि प्रातःकाल माता-पिता एवं गुरु तीनों को नमन करें। आर्थिक सामाजिक एवं कार्यक्षेत्र में आपको विशेष सजगता से निर्णय लेना है एवं अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करना है। दैनिक दिनचर्या को व्यवस्थित रखें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या

आप इस महीने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। व्यापार-व्यवसाय उन्नति करेगा। प्रतियोगियों पर आपकी धाक रहेगी। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। खर्च तेज रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी छोटी-मोटी समस्याएं रहेंगी। अतः अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। यदि आप लोन लेने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं तो यह महीना आपके लिए सफलता दायी रहेगा। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए यह महीना आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से उत्तम रहेगा। कर्ज लेने के योग बनेंगे। कोई आश्चर्यजनक सूचना मिल सकती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना आपको विशेष सजग रहने की मांग करता है। कोई पुरानी स्वास्थ्य समस्या वापस आपको परेशान कर सकती है। मानसिक तनाव एवं घबराहट भी हो सकती है। कार्य एवं विश्राम के बीच में एक उचित संतुलन रखना आवश्यक है। परिवार में छोटी-मोटी बातों पर विवाद हो सकता है। इसके प्रति सजग रहें।

वृश्चिक

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अत्यंत अनुकूल रहेगा। आपके वरिष्ठ आपके कार्यों की सराहना करेंगे। व्यापार में सफलता मिलेगी। साझीदार अच्छे से कार्य करेंगे एवं लाभ होगा। जो जातक विदेश में व्यापार करने की प्लानिंग कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिलेगी। सिर दर्द, बेचैनी, आंखों में जलन जैसी समस्याएं हो सकती है, इनके प्रति सजग रहें। पारिवारिक जीवन में गलतफहमियों को उत्पन्न होने की स्थिति न बनने दें।

धनु

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से नौकरी एवं स्वतंत्र रूप से व्यवसाय करने वाले दोनों जातकों के लिए यह महीना अनुकूल साबित हो सकता हैं। व्यापार करने वाले जातक अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए इस महीने अच्छी योजना बनाकर उन्हें आश्चर्यचकित कर सकते हैं। कुछ जातकों को प्रॉपर्टी संबंधी कार्यों में भी सुयश मिलेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना अत्यंत ऊर्जावान और उत्साह से भरा रहेगा। इस समय का भरपूर उपयोग करें। पारिवारिक दृष्टि से जिनसे आपके मतभेद हैं उनसे भी वार्तालाप बंद न करें और उन्हें सहानुभूति पूर्वक सुनने का प्रयास करें।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना मिश्रित परिणाम वाला रहेगा। आर्थिक लाभ एवं खर्च दोनों बराबरी से चलेंगे। काम का दबाव अधिक रहेगा, व्यस्तता बनी रहेगी। छोटी यात्राएं बार-बार होगी। यात्रा की थकान हावी रहेगी। आपके प्रतिद्वंदी कड़ी टक्कर देंगे। दूसरे सप्ताह के पश्चात् खर्च में अचानक तेजी आएगी। माताजी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। अतः अपने पारिवारिक खर्च का सही नियोजन कर के चले।

कुम्भ

इस महीने आपको कार्य का दबाव अधिक रहेगा। जो जातक नौकरी में है वह बेहद उत्कृष्ट प्रदर्शन अपने कार्य क्षेत्र में करेंगे। वे जो भी कार्य करेंगे वह अवश्य सराहा जाएगा। व्यापारी जगत के जातकों के लिए यह महीना हानि-लाभ में सम रहेगा। व्यापारी वर्ग को अंतिम सप्ताह में लाभ होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से पीठ एवं रीड से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है इनके प्रति सजग रहें। पारिवारिक दृष्टि से परिवार में संवेदनशील मुद्दों पर अपनी राय देने से बचें एवं दूसरों की समस्या को समझने का प्रयास करें।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए चाहे वह व्यापारी हो या नौकरी पेशा, यह महीना चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। जो जातक नौकरी के क्षेत्र में हैं उनके सहयोगी, सहकर्मी तरह-तरह की समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं एवं जो जातक व्यापार जगत में हैं, उनके प्रतिद्वंदी कड़ी टक्कर देंगे। इस महीने परिवार के ऊपर खर्च अधिक रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से जोड़ में दर्द तथा स्वसन से संबंधित समस्याओं से आप ग्रसित हो सकते हैं। आपको चाहिए कि नियमित रूप से व्यायाम, योग, प्राणायाम इत्यादि करते रहे। इस महीने आपकी वाणी, आपकी इमेज खराब कर सकती है, बोलने के प्रति संयम रखें, परिवार में बहस संभावित है।

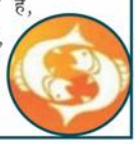

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अंक होगा

समाज की नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

इसमें समाहित होगी ऐसी **माहेश्वरी महिलाओं** की कहानी जो अपनी विशिष्ट प्रतिभा से लिख रही हैं राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी **''सफलता की कहानी''** जो भावी पीढ़ी के लिये हो सकती है प्रेरणा स्त्रोत।
इसके साथ ही इस बार होगा ऐसे **श्रेष्ठ महिला संगठनों** (किसी दो) का भी सम्मान जो दे रही है समाज में विशिष्ट योगदान।

अनुरोध - यदि आपकी जानकारी में भी ऐसी कोई माहेश्वरी महिला हैं, जो राज्य, राष्ट्र अथवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी क्षेत्र में ऐसा कार्य कर रही हैं, जो समाज की महिलाओं के लिये प्रेरणास्पद हो सके, तो हमें सम्पर्क नम्बर सहित लिख भेजिये। हम करेंगे इसका प्रकाशन। इसके साथ महिला संगठनों से भी उनके योगदानों की जानकारी आमंत्रित हैं। प्रकाशन का अंतिम निर्णय सम्पादक मंडल का होगा।

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761 मोबाइल - 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को

74 वें

गणतंत्र दिवस पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

निरंतर विकास की ओर अग्रसर
मध्यप्रदेश का हर गाँव - हर शहर

D18996/22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 February, 2023

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com